{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 02 नवम्बर 2025
कार्तिक शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 40
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	~	83,938.71
निफ्टी	~	25,722.10
सोना	~	1,12,750
चांदी	~	1,52,000
डॉलर	~	88.79

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

‘प्रेम वासना नहीं प्यार है...’

...और इस टिप्पणी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने युवक को कर दिया बरी

-बेंच ने कहा- कानून की सख्ती से नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक युवा जोड़े को बड़ी राहत दी। यह जोड़ा प्यार में था, लेकिन लड़की के नाबालिग होने से मामला पॉस्को एक्ट के तहत आ गया और लड़के को 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि यह मामला वासना का नहीं, बल्कि प्यार का है और लड़के को बरी कर दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि अब यह जोड़ा खुशी-खुशी शादीशुदा है और उनका एक बच्चा भी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि कानून के मुताबिक लड़का दोषी था, लेकिन कानून की सख्ती से नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। जजों ने फैसला सुनाया कि हम यह मानने को मजबूर हैं कि यह ऐसा मामला है जहां न्याय के लिए कानून को झुकना चाहिए। सुनवाई के दौरान पत्नी ने कोर्ट से कहा कि वह अपने पति और बच्चे के साथ खुशहाल, सामान्य और शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहती है। कोर्ट ने माना कि कानून के मुताबिक एक गंभीर अपराध के दोषी व्यक्ति के मामले में समझौते के आधार पर कार्यवाही रद्द नहीं की जा सकती, लेकिन पत्नी की करुणा और सहानुभूति की पुकार को नजरअंदाज करना न्याय के हित में नहीं होगा।

कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में जहां सब कुछ सही लगे सबसे गंभीर अपराधियों को भी दयालुता से न्याय मिलता है। इस मामले के अनोखे तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए व्यावहारिकता और सहानुभूति को मिलाकर एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि लड़के को जेल में रखने से परिवार, पीड़ित और बच्चे को नुकसान होगा। पॉस्को एक्ट के तहत आने वाले अपराध पर विचार करते हुए हमने यह पाया कि यह अपराध वासना का नहीं, बल्कि प्यार का नतीजा था। खुद पीड़ित ने भी शांतिपूर्ण और स्थिर पारिवारिक जीवन जीने की इच्छा जताई है।

हालांकि, कोर्ट ने पत्नी और बच्चे के हितों की रक्षा के लिए कुछ शर्तें भी रखीं। पति को उन्हें या बच्चे को कभी अकेला नहीं छोड़ना होगा और उन्हें सम्मान के साथ पालना होगा। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर भविष्य में पति की ओर से कोई चूक होती है और यह बात उसकी पत्नी, बच्चे या शिकायतकर्ता द्वारा इस अदालत के ध्यान में लाई जाती है तो इसके परिणाम पति के लिए अच्छे नहीं होंगे।

यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने सहमति से हुए किशोर प्रेम संबंधों को अपराध की श्रेणी में आने से रोका है। इससे पहले मई में भी कोर्ट ने पॉस्को एक्ट के तहत दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को बरी कर दिया था। तब कोर्ट ने इस बात पर हैरानी जताई थी कि पश्चिम बंगाल के एक गांव की लड़की ने अकेले ही कानूनी लड़ाई लड़ी, ताकि अपने प्रेमी को जेल से छुड़ा सके। कोर्ट ने कहा कि वह समाज, परिवार और कानूनी व्यवस्था द्वारा पीड़ित को पहले ही झेल चुकी नाइंसाफी में और इजाफा नहीं करना चाहता।

खास खबर

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत भारत ने बनाए 3 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत सरकार द्वारा महिलाओं को स्वास्थ्य के क्षेत्र में सशक्त बनाने की पहल को दुनिया भर में सराहा जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने इस उपलब्धि को स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार और विकसित भारत की दिशा में एक अहम कदम बताया। शनिवार को नड्डा ने एक्स पर पोस्ट कर स्वास्थ्य मंत्रालय को मिले तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक पहला अवार्ड एक महीने में सबसे ज्यादा लोगों का स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण, दूसरा रिकॉर्ड एक हफ्ते में ऑनलाइन ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग के लिए सबसे ज्यादा लोगों का साइन-अप और तीसरा रिकॉर्ड एक हफ्ते में ऑनलाइन वाइटल साइन्स स्क्रीनिंग के लिए सबसे ज्यादा लोगों का साइन-अप है।

इंदौर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर परेशान हुए यात्री.......

इंदौर। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने और यहां उतरने वाले यात्रियों को शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक भारी परेशानी हुई। स्टार एयर और इंडिगो एयर लाइंस की कई उड़ानें अचानक निरस्त होने से यात्रियों को लंबे समय तक इंतजार और असुविधा उठने पड़ी। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक स्टार एयर की बेंगलुरु और गोंदिया के बीच आने-जाने वाली सभी उड़ानें कल निरस्त कर दी गईं। सामान्य तौर पर विमान बेंगलुरु से दोपहर 2=30 बजे उड़ान भरकर शाम 4=30 बजे इंदौर पहुंचता है। इंदौर से शाम 4=55 बजे गोंदिया रवाना होता है और वहां से वापस आकर रात 7=45 बजे फिर बेंगलुरु के लिए उड़ान भरता है, लेकिन कल कंपनी ने इन सभी उड़ानों को रद्द कर दिया।

महाराष्ट्र में ऐतिहासिक किलों के समूह को विश्व धरोहर सूची में स्थान, यूनेस्को ने किया ऐलान

जोधपुर। यूनेस्को ने विश्व शहर दिवस 2025 के मौके पर 58 शहरों को यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन) के नए सदस्यों के रूप में चुना है। इसमें भारत के लखनऊ को उसकी पाक कला के लिए शामिल किया गया है। नवाबों के शहर को गैस्ट्रोनॉमी यानी पाक कला से जुड़े कार्यों के लिए चुना गया है। यहां भोजन, संस्कृति और परंपरा का बेहतर समन्वय देखने को मिलता है। केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसकी जानकारी दी।

नीतीश ही मुख्यमंत्री हैं और चुनाव जीतने के बाद भी वही रहेंगे – अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही हम चुनाव लड़ रहे हैं, इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है। मैं फिर से एक बार स्पष्ट करता हूं कि नीतीश ही मुख्यमंत्री हैं और चुनाव जीतने के बाद भी वही रहेंगे। अमित शाह ने एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि मुख्यमंत्री का चयन एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसमें विधायक तय करते हैं, लेकिन एनडीए पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि नेतृत्व नीतीश कुमार का ही रहेगा।

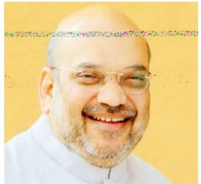

इसके साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार की सेहत पर उठ रहे सवालों को भी खारिज करते हुए कहा, 卐नीतीश कुमार रोज़ 5 सभाएं कर रहे हैं, 5 गांव जा रहे हैं। बिहार में इसे अच्छी सेहत का प्रतीक माना जाता है।卐 एनडीए के घोषणापत्र के लॉन्च के मौके पर मंच पर मौजूद छह नेताओं ने करीब सवा घंटे तक जनता को संबोधित किया। शाह ने इसे पांच पांडवों की तरह बताया और कहा कि घोषणापत्र के तुरंत बाद सभी दलों के नेताओं ने मीडिया को इंटरव्यू भी दिए, जिससे गठबंधन की एकजुटता और आत्मविश्वास साफ नजर आया।

वहीं इसी कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा कि बिहार में 14 नवंबर को खुशखबरी मिलेगी। नीतीश कुमार के नेतृत्व में अगली सरकार का गठन होगा। जब उनसे पूछा गया कि बिहार में नीतीश कुमार के दोबारा सीएम बनने पर बड़ा कन्फ्यूजन है। इस पर पीयूष गोयल ने साफ कहा कि नीतीश कुमार ही सीएम बनेंगे। उन्होंने आगे बताया कि गृहमंत्री शाह भी इस बात को सार्वजनिक रूप कह चुके हैं कि प्रदेश की सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनेगी।

वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़ से कई की मौत, एकादशी पर उमड़े थे श्रद्धालु

भारी भीड़ से टूटी रेलिंग, मृतकों में ज्यादातर महिलाएं

श्रीकाकुलम। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में शनिवार सुबह श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच भगदड़ मच गई। इस दर्दनाक हादसे में करीब 9 लोगों की मौत होने की सूचना है, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों में ज्यादातर महिलाएं बताई गई हैं। घटना के संबंध में प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एकादशी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे थे, तभी अचानक रेलिंग गिरने से अफरातफरी मच गई और लोग एक-दूसरे पर गिरते चले गए। ऐसे में भगदढ़ मच गई और कई लोग गिरने और पैरों के नीचे आने से गंभीर रुप से घायल हो गए। प्रारंभिक तौर पर बताया जा रहा है कि इस दर्दनाक हादसे में करीब 9

लोगों की मौत हो गई, जबकि अनेक लोग घायल हुए हैं। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को मुआवजे की घोषणा की है। अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

सीएम नायडू ने जताया शोक

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और इसे बेहद दुखद और हृदयविदारक बताया है। उन्होंने जिला प्रशासन को तत्काल राहत कार्य तेज करने और घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। राज्य के कृषि मंत्री के. अत्चान्नाडू भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं।

उत्तर का तिरुपति कहते हैं लोग

काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर आंध्र प्रदेश का एक प्रसिद्ध और प्राचीन तीर्थ स्थल है। इसे 卐उत्तर का तिरुपति卐 भी कहा जाता है, क्योंकि इसकी पूजा-पद्धति और वास्तुशैली प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर से मिलती-जुलती है। माना जाता है कि यह मंदिर 11वीं-12वीं सदी में चोल और चालुक्य शासनकाल के दौरान बनाया गया था। यहां भगवान वेंकटेश्वर (श्री विष्णु) की पूजा श्रीनिवास, बालाजी और गोविंदा नामों से की जाती है।

दिल्ली में कितने आवारा कुत्ते....सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताएंगे मुख्य सचिव वर्मा

नई दिल्ली। आवारा कुत्तों की स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कड़ा रुख दिखाया। अदालत ने सोमवार को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को रिपोर्ट पेश कर वास्तविकता से अवगत कराने को कह दिया है। पिछली सुनवाई 27 अक्टूबर को हुई थी, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल को छोड़ अन्य किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने अपना पक्ष नहीं रखा था, जिस पर कोर्ट ने कड़ा रुख दिखाकर अन्य राज्यों की तरह दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को पेश होने का निर्देश दिया है।

दिल्ली में कुत्तों की स्थिति को लेकर मुख्य सचिव राजीव वर्मा जिन्होंने कुछ दिन पहले ही कार्यभार संभाला है, उन्होंने एमसीडी कमिश्नर अश्विनी कुमार से रिपोर्ट मांगी है। एमसीडी के पास स्ट्रीट डॉग की संख्या को लेकर कोई भी नई रिपोर्ट नहीं है। साल 2009 में हुई गणना में दिल्ली में करीब 5.6 लाख आवारा कुत्ते थे। विभिन्न अनुमानों और हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, वर्तमान में संख्या करीब 8 से 10 लाख तक हो सकती है। वर्ष 2016 में दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (अब एकीकृत एमसीडी का हिस्सा) द्वारा चार ज़ोन में किए गए सर्वेक्षण में 1,89,285 कुत्तों की गणना की गई थी। इसकी पुष्टि एमसीडी कमिश्नर भी करते हैं, इसके बाद कुत्तों की गणना नहीं हुई।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पास कई सालों से आवारा कुत्तों की कोई आधिकारिक गणना नहीं है। पिछली गणना के बाद, अनुमानित संख्या में काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 2009 में हुई पिछली गणना में दिल्ली में लगभग 5.6 लाख आवारा कुत्ते थे। विभिन्न अनुमानों और हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, वर्तमान में यह संख्या लगभग 8 लाख से 10 लाख तक हो सकती है। स्ट्रीट डॉग को लेकर काम कर रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल भी कोर्ट में बता चुके हैं कि दिल्ली में कम से कम 8 लाख से अधिक स्ट्रीट डॉग हो सकते है।

खजुराहो नगरपरिषद ने दिया एयरपोर्ट को कुर्क करने का आदेश

खजुराहो। मध्यप्रदेश में छतरपुर जिले की खजुराहो नगरपरिषद ने खुजराहो एयरपोर्ट को कुर्क करने का आदेश दिया है । एयरपोर्ट अधिकारियों में उस समय हड़कम्प मच गया जब खजुराहो सीएमओ ने एक पत्र जारी करके खजुराहो एयरपोर्ट को कुर्की की चेतावनी दे डाली।

जानकारी के मुताबिक खजुराहो एयरपोर्ट ने खजुराहो नगरपरिषद को पिछले 20 सालों से टैक्स नहीं दिया है। जिसको लेकर सीएमओ ने खजुराहो एयरपोर्ट को पैसे जमा करने के लिए पत्र भेजा है, अगर समय सीमा में पैसे जमा नही किये तो खजुराहो एयरपोर्ट की कुर्की कर वसूली की जाएगी और इस काम के लिए सीएमओ ने पुलिस विभाग और जिला प्रशासन से अतिरिक्त बल की मांग भी की है। आपको बता दें कि एयरपोर्ट पर पिछले 20 साल का 45 लाख संपत्ति कर बकाया है जो चुकाया नहीं गया। सीएमओ ने पूर्व में भी निदेशक विमानतल को 15 दिन के अंदर संपत्ति कर जमा करने के लिए पत्र जारी किया था लेकिन कोई जबाब नहीं मिला तो नोटिस की अवधि खत्म होने के बाद अब सीएमओ ने एसडीएम समेत पुलिस बल को एक सप्ताह के अंदर कुर्की की कार्रवाई करने एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पत्र लिखा है। संयुक्त टीम एक सप्ताह के अंदर एयरपोर्ट की संपत्ति की कुर्की कर विक्रय करेगी। एयरपोर्ट की संपत्ति को कुर्क कर उसके विक्रय से टैक्स की बकाया राशि को जमा कराया जायेगा।

सीबीआई ने कस्टम ऑफिसर के कई ठिकानों पर मारे छापे, मिली करोड़ों की संपत्ति

जयपुर। सीबीआई टीम ने कस्टम ऑफिसर के जयपुर, अहमदाबाद और अंकलेश्वर स्थित ठिकानों पर छापा मारा। टीम को करोड़ों रुपए की प्रोपर्टी मिली। छानबीन में जेवरात, प्रोपर्टी के कागज और दो लॉकर जब्त किए हैं। जांच में पता चला कि कस्टम ऑफिसर ने अपनी काली कमाई से पत्नी-बेटे के नाम से फर्म खोली थी। महंगी नस्ल के डॉग्स और गाड़ियां रखने का भी शौकिन है। सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साल-2018 से 2025 तक जयपुर और अहमदाबाद में रतिराम मीना की सीजीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर पोस्टिंग रही है। वह वर्तमान में सहायक कस्टम आयुक्त जैसलमेर में तैनात है। इससे पहले जयपुर के कस्टम ऑफिस में पोस्टेड थे। इस दौरान सीबीआई को मीना के पास आय से ज्यादा संपत्ति होने की शिकायत मिली थी।

सीबीआई सूत्रों के मुताबिक रतिराम मीना के जयपुर, अहमदाबाद और अंकलेश्वर स्थित ठिकानों पर गुरुवार को छापा मारा गया था, जिसमें 35 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहने मिले। इसके अलावा दो लॉकर्स भी मिले हैं। प्रॉपर्टी व अन्य कई अहम डॉक्यूमेंट जब्त किए गए।

वहीं शुक्रवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित उसके घर की तलाशी ली गई थी। जांच में महंगी नस्ल के डॉग्स, महंगी गाड़ियां होने का भी पता चला है। लग्जरी लाइफ जीने के आदी रतिराम ने छापेमारी के दौरान सीबीआई अधिकारियों को प्रभावित करने की भी कोशिश की। जब्त डॉक्यूमेंट की पूरी जांच और दोनों लॉकर्स के खोले जाने के बाद कई ओर खुलासे हो सकते हैं। जांच में सामने आया कि रतिराम मीना ने अपनी काली कमाई से पत्नी मोहिनी मीना और बेटे गौरव मीना के नाम पर 8 से ज्यादा फर्म में पैसा लगाया है। पत्नी-बेटे के नाम से संचालित शिपॉन्क ऑनलाइन सर्विसेज एलएलपी, जय नरसिंह इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट सहित 8 कंपनियों व फर्मों में यूज करता रहा है। सीबीआई जांच में 2 करोड़ 54 लाख 72 हजार 219 रुपए कीमत की प्रॉपर्टी और निवेश का पता लगा है। यह निवेश प्लॉट, दुकानों, कृषि-भूमि, पीपीएफ, फिक्स डिपोजिटर्स, म्युचुअल फंड आदि में किया गया है।

अजमेर दरगाह में शिव मंदिर मामले की सुनवाई 3 जनवरी 2026 तक टली

अजमेर। अजमेर दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे को लेकर शनिवार को सिविल कोर्ट में होने वाली सुनवाई टल गई है। अब सुनवाई 3 जनवरी 2026 को होगी। याचिकाकर्ता विष्णु गुप्ता के वकील ने बताया कि कोर्ट में दरगाह कमेटी की ओर से प्रस्तुत याचिका खारिज करने के प्रार्थना पत्र पर बहस होनी है। 30 अगस्त को हुई सुनवाई में बहस के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग और अल्पसंख्यक विभाग के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था। वहीं दरगाह कमेटी के प्रार्थना-पत्र पर सुनवाई जारी है।

कुछ ना कहना

जाति जनगणना का पहला चरण शुरू, मकान व परिवार की देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली। जाति जनगणना पर देश की तमाम राजनीतिक दलों की नजरें हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होने जा रहे जाति आधारित जनगणना की दिशा में शनिवार को एक बड़ा कदम उठाया। सरकार इस जनगणना के पहले चरण यानी हाउसलिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस (एचएलओ) के लिए तैयार किए गए सेल्फ एन्यूमरेशन मॉड्यूल का परीक्षण शुरू करेगी। इस दौरान चुनिंदा इलाकों में एन्यूमरेटर (गणनाकर्मी) प्रमुख नागरिकों के घर जाकर वेबसाइट पर डिटेल भरने में उनकी मदद करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह ट्रायल दो चरणों में होगा। 1 से 7 नवंबर तक वेबसाइट के जरिये सेल्फ एन्यूमरेशन की प्रक्रिया चलेगी, जबकि 10 से 30 नवंबर तक एन्यूमरेटर घर-घर जाकर बाकी डेटा जुटाएंगे। यह जनगणना 2027 का पहला चरण होगा, जिसमें मकान और परिवार से जुड़ी बुनियादी जानकारी ली जाएगी। पूरी प्रक्रिया 1 अप्रैल 2026 से 28 फरवरी 2027 के बीच दो चरणों में पूरी की जाएगी।

प्री-टेस्ट में घरों से करीब 30 सवाल पूछे जाएंगे। इनमें मकान नंबर, घर की छत और फर्श की सामग्री, परिवार प्रमुख का नाम और लिंग, परिवार में रहने वाले लोगों की संख्या, पीने के पानी का स्रोत, बिजली और शौचालय की सुविधा, खाना बनाने में उपयोग होने वाला ईंधन, टीवी, लैपटॉप, कंप्यूटर, कार, मोबाइल जैसी सुविधाओं की जानकारी शामिल होगी।

आरजीसीसीआई के मुताबिक इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। जनगणना कर्मियों को एक डिजिटल जिला नक्शा दिया जाएगा। जो लोग 1 से 7 नवंबर के बीच खुद वेबसाइट पर फॉर्म भरेंगे, उनकी जानकारी एन्यूमरेटर को एक ऐप पर दिखाई देगी। बाकी घरों की जानकारी एन्यूमरेटर ऐप के ज़रिये दर्ज करेंगे। सभी डेटा सेंसर मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम से जुड़ा रहेगा, जो जनगणना की निगरानी और प्रबंधन करेगा।

बता दें यह जनगणना 2021 में ही शुरू होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। अब इसे जनगणना 2027 के रूप में शुरू किया जा रहा है। फरवरी 2027 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 2021 की जनगणना में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत सेल्फ एन्यूमरेशन की सुविधा दी गई थी। उस समय नागरिकों को आधार या मोबाइल नंबर देना अनिवार्य था। हालांकि, इस बार सरकार ने लोकसभा में स्पष्ट कर दिया है कि एनपीआर को अपडेट करने का कोई फैसला नहीं लिया गया है। एनपीआर जिसमें वर्तमान में 119 करोड़ निवासियों का डेटा है, 2015-16 में अंतिम बार अपडेट किया गया था।

पुलिस अधीक्षक की अनुमति के बिना वकीलों को समन नहीं

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। इस फैसले में कहा गया है, देश की कोई भी जांच एजेंसी किसी भी वकील को तब तक तलाब नहीं कर सकती है। जब तक पुलिस अधीक्षक से लिखित अनुमति ना ले ली जाए।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

बीआर गवई न्यायमूर्ति विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनबी अंजरिया की खंडपीठ ने आदेश जारी किया है। यह आदेश ईडी द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को भेजे गए समन मामले की सुनवाई करने के बाद दिया है। खँडपीठ ने अपने आदेश में कहा है, वकीलों को तलब करना मुविक्कलों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। खंड पीठ ने अपने आदेश में कहा, वकील को तभी बुलाया जा सकता है। जब मामला भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 132 के अंतर्गत जरूरी हो। इसे कार्यवाही में शामिल किया जाना चाहिए। डिजिटल उपकरणों की जांच के दौरान आरोपी की गोपनीयता के साथ समझौता नहीं किया जा सकता है।

...और सबने पहन लिया हेलमेट!!

एसपी के सख्ती का असर चालानी कार्यवाही से बचने हेलमेट के प्रति गंभीर दिखे लोग

बिना हेलमेट वालों पर पुलिस की कार्रवाई, हेलमेट दुकानों पर उमड़ी रही भीड़

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज, बालाघाट।

1 नवंबर से शहर में शुरू हुए नो हेलमेट ,नो राइड अभियान के पहले दिन ही शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर जागरूकता का माहौल देखने को मिला। नब्बे फीसदी वाहन चालक हेलमेट पहनकर सड़क पर उतरे, तो वहीं कुछ लोग अब भी बिना हेलमेट के वाहन चलाते नजर आए, जिन पर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों को रोककर चालानी कार्रवाई की और उन्हें यातायात नियमों के पालन की समझाइश भी दी। बिना हेलमेट के पकड़े गए कुछ वाहन चालकों ने पुलिस के सामने विभिन्न बहाने भी बनाए, लेकिन बाद में सभी ने हेलमेट पहनने की आवश्यकता को स्वीकार किया। अभियान के पहले ही दिन पुलिस को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। शहर के जागरूक नागरिक स्वयं हेलमेट पहनकर निकले और दूसरों को भी प्रेरित किया। कई स्थानों पर देखा गया कि वाहन चालक अपने छोटे बच्चों को भी हेलमेट पहनाकर सफर कर रहे थे, जिससे सुरक्षा के प्रति लोगों की नई सोच और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से दिखाई दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिला मुख्यालय सहित आसपास के थाना क्षेत्रों में भी वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में चालानी कार्रवाई की गई और जुर्माना वसूला गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों में हेलमेट की अनिवार्यता और सड़क सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

पुलिस विभाग द्वारा बीते कई दिनों से ही यह स्पष्ट कर दिया गया था कि 1 नवंबर से नो हेलमेट नो राइड अभियान जिले में सख्ती से लागू किया जाएगा। पुलिस ने पहले ही आमजन को चेतावनी दी थी कि यदि कोई दोपहिया वाहन चालक हेलमेट नहीं पहनेगा, तो उसे चालानी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। इसका नज़ारा शुक्रवार सुबह शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर साफ दिखाई दिया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी स्वयं सड़कों पर उतरे और कालीपुतली चौक, अवंतीबाई चौक, अंबेडकर चौक, हनुमान चौक सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर बैरिकेड लगाकर वाहन चालकों की जांच की गई। जहां एक ओर हेलमेट पहनकर चलने वाले नागरिकों का पुलिस ने उत्साहवर्धन किया, वहीं बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस ने मौके पर ही नियमों का पालन नहीं करने वाले चालकों को रोककर समझाइश दी और उनसे जल्द से जल्द हेलमेट खरीदने और नियमित उपयोग करने की अपील की। हालांकि, पुलिस द्वारा पहले ही यातायात नियमों और हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया था, इसके बावजूद कई वाहन चालक अब भी नियमों की अनदेखी करते दिखाई दिए। अभियान के चलते शहर के ऑटोमोबाइल बाजारों में हेलमेट की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई। कई दुकानों पर सुबह से ही वाहन चालक हेलमेट खरीदते नजर आए। वहीं पेट्रोल पंपों पर भी इस अभियान का असर देखने को मिला , कई स्थानों पर बिना हेलमेट आने वालों को पेट्रोल देने से इंकार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे लगातार जारी रखा जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि अब हर दोपहिया वाहन चालक को यातायात नियमों का पालन करना होगा, अन्यथा सख्त चालानी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हेलमेट पहनना न केवल नियम है, बल्कि यह जीवन की रक्षा करने वाला कवच है , हर वाहन चालक को इसे अपनी आदत बनाना चाहिए।

माँ अन्नपूर्णा मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नामदेव जन्मोत्सव

755 वी जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

पदमेश न्यूज, बालाघाट।

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर के वार्ड नंबर 20 स्थिति माँ अन्नपूर्णा मंदिर में नामदेव जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष एकादशी पर शनिवार को आयोजित इस नामदेव जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जो सुबह से लेकर देर रात तक चलते रहे। मां अन्नपूर्णा मंदिर में आयोजित इस 755 वे नामदेव जन्मोत्सव के तहत नामदेव महिला मंडल एंव नामदेव

युवा समिति द्वारा पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा को इस वर्ष भी निभाया गया। जहां वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार नामदेव जन्मोत्सव पर मंदिर परिसर में हवन, पूजन, सामूहिक आरती, हल्दी कुमकुम वितरण, सुंदरकांड पाठ, व प्रसाद वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए। वहीं सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजन कर देर रात कार्यक्रमों का समापन किया गया।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन- भारती

नामदेव महिला मंडल पदाधिकारी श्रीमति भारती नामदेव ने बताया कि संत नामदेव जी महाराज की 755 वी जयंती मां अन्नपुर्णा मंदिर में नामदेव महिला मंडल द्वारा आयोजित की गई है।जिसमें सुबह संत नामदेव जी महाराज की पूजा अर्चना सकल नामदेव समाज द्वारा किया गया व दोपहर में सुंदरकांड का पाठ किया गया है इसके साथ ही 56 भोग अर्पित कर आरती व प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में समस्त श्रद्धालुगण और नामदेव युवा मंडल उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय अर्न्त महाविद्यालयीन फुटबाल प्रतियोगिता से आयोजक कमेटी रही नदारत

पदमेश न्यूज, बालाघाट।

राज्य स्तर रहे फुटबॉल खिलाडी रहे मुकेश कौशिक और शुभम दमाहे ने प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि बालाघाट जिले के सबसे बड़े महाविधालय प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय जटा शंकर त्रिवेदी पी.जी महा. द्वारा गत दिवस जिला स्तरीय अर्न्त महाविद्यालयीन फुटबाल प्रतियोगिता का

आयोजन मुलना स्टेडियम में किया गया।जिसमे जिले की मात्र दो ही महा. बैहर और बालाघाट ने भाग लिया जबकि इस आयोजन में जिले के विभिन्न महा. के क्रीडा अधिकारीयों ने अपनी उपस्थिति बिना अपनी टीम लाये दर्ज की, जो कि उच्च शिक्षा विभाग के नियमो के विरुद्ध है। जबकि फुटबाल विश्व का सबसे लोकप्रिय खेल माना जाता हैं तिरोडी, वारासिवनी, लालबर्रा, लांजी, खैरलाजी में फुटबाल टीम हैं।उस महा. की टीम का ना आना, उस महा.के क्रीडा अधिकारीयों की कर्तव्यनिष्ठा पर प्रश्न चिन्ह दर्शाता हैं इस प्रतियोगिता के दौरान आयोजक महा. की आयोजक समीति ही नदारत रही, तो फिर किसने जिले की टीम का चयन किया। चयन समिति में कौन से सदस्य रहे, चयन प्रकिया ही दोष पूर्ण है।आयोजन समीति के संगठन सचिव अनिल झरबड़े जिनको शासन ने मात्र 3 माह के लिए, डिप्लॉयमेट के लिए अस्थाई रूप से व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए भेजा था। वही इस आयोजन से नदारत थे,उनकी गैर हाजिरी में प्रतियोगिता ही संभव नही थी। ना मैदान पर लाईनिंग की गई,अस्थाई तौर पर छिंदवाडा महा से भेजे गये क्रीडा अधिकारी अनिल झरबड़े विगत साल से आने के बाद ही पी.जी.महा. में खेल गतिविधिया में भरी गिरावट आई है। क्योंकि ये सुबह शाम मैदान पर आते ही नही है, इनका अपना कौन सा खेल रहा हैं और कहाँ तक खेले हैं किसी भी खिलाडी को नही पता हैं, और उन्होने ना कभी मैदान पर आकर किसी छात्र और छात्राओं को सिखाया ही हैं। ये महा.के लिए दुर्भाग्य की बात हैं। इनके पूर्व क्रीडा अधिकारी श्री सौधी रोजाना मैदान पर आकर स्वयं एव स्टाफ को भी साथ लेकर खेलते थे, और हम लोगो को फिजीकली दौडाकर एक्साइज कराकर ही मैदान पर अपने साथ खिलाकर सिखाते थे, अनिल झरबड़े जब से यहाँ आये हैं बस सामान खरीदने में ही लगे रहे हैं, इन्होंने लाखों रुपये की खरीदी की,उसमे भी अनिमियता की हैं। पर खिलाडियों को कोई सामान खेलने नहीं दिया। अनेको बार गये तो खिलाडियों की बात को टाल दिया, कहते हैं प्राचार्य से अनुमति लेते है। हम सभी छात्र और छात्रायें महा. की स्पॉटस् फीस देते हैं, उस फीस से हमें सामान और खाने पीने तथा आने जाने का पैसा मिलता है। ये वे भी पूरा नहीं देते हैं, उस समय प्राचार्य चंदेलकर थे ,जो कि स्वम् छिंदवाडा पी.जा. महा. के थे और इस समय डॉ.अशोक मरठे हैं जो अच्छे हैं इनसे शिकायत भी की है, देखे क्या एक्शन लेते हैं, पर अनिल झरबडे उनकी बातो को इगनोर करते हैं। पिछले साल भी महा के खिलाड़ियों को खाने और आने जान का पैसा भी बहुत कम दिया, बोलो तो डाँटते ही कि तुमको आगे खेलना हैं कि नहीं, हमने इसकी शिकायत जबलपुर और भोपाल उच्च अधिकारीयो को भी हैं और भी करेंगे, विगत दिन जो फुटबाल प्रतियोगिता हुई हैं उसमें चयन समीति की चयन प्रणाली से सभी खिलाड़ी असंतुष्ट हैं क्योकि जो टीम नही आती हैं और उस महा, के खिलाडी ट्राईल्स में आते हैं तो उन खिलाडीयों के पास खेले में राज्य/वि.वि. का प्रमाण पत्र होना आवश्यक होता हैं जो कि इन खिलाडियों के पास नही हैं। ऐसे में उन खिलाडियों को चयन प्रक्रिया में शामिल नही किया जाना चाहिये। पर उनको शामिल किया गया हैं।जिसके कारण चयनित समीति संदेह के घेरे में है, इसकी जाँच उच्च अधिकारीयो को करनी होगी और मात्र दो टीम के खिलाड़ियों से जिले की टीम बनाकर भेजना जिले का नाम खराब करने बराबर हैं. संभाग स्तरीय प्रतियोगिता 11.12 नवंबर को हैं पुन अच्छी टीम का चयन किया जाना चाहिये और अनिल झरबडे बिना प्राचार्य की अनुमति से प्रतियोगिता से नदारत कैसे रहें ये गंभीर विषय हैं ।

तुलसी संग शालिग्राम का रचाया गया ब्याह

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया देवउठनी एकादशी पर्व, मांगलिक कार्यों की हुई शुरुवात

पदमेश न्यूज, बालाघाट।

हिंदू धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व देवउठनी एकादशी शनिवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में पूर्ण विधि-विधान के साथ मनाया गया। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाने वाले इस पर्व के दौरान भगवान विष्णु के अवतार शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह वैदिक रीति रिवाज के अनुसार संपन्न कराया गया। घरों में चावल के आटे का चौक बनाकर उस पर गन्ने से पूजा की गई। पूजा अर्चना करने के बाद दीपावली पर्व की तरह पटाखे फोड़ कर आतिशबाजी भी की गई। जिसके चलते देर रात तक आतिशबाजी का दौर चलता रहा।

गन्ना सहित पूजन सामग्री की दिनभर होती रही खरीददारी

एकादशी ग्यारह (देवउठनी) पूजा के लिए शुक्रवार की तरह शनिवार की सुबह से ही बाजार में गन्ने सहित अन्य पूजन सामग्री के लिए लोगों की बाजार में भीड़ रही। लोगों में पूजा को लेकर उत्साह दिखा। शाम होते ही लोग अपने-अपने घरों में गन्ने के मंडप से तुलसी चौरा सजाने में जुट गए। घर द्वार को आकर्षक रंगोली से सजाया गया। टिमटिमाते बल्ब व दीपक की रोशनी से हर घर में मांगलिक आयोजन की झलक नजर आ रही थी, शाम ढलने के बाद तुलसी चौरा के समक्ष बैठकर पूजा विधान पूरा किया गया। उत्साह में लोग आतिशबाजी करते रहे। मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से सोए हुए देवगण देवउठनी एकादशी पर जागते हैं।

घर आंगन में मंडप सजाकर की गई पूजा अर्चना

देवउठनी पर घर आंगन में गन्ने का मंडप बनाकर तुलसी के बिरवे को रखकर उसमें शालिग्राम को स्थापित कर भगवान की पूजा की गई। भगवान को नए फल सिंघाड़ा, सीताफल, मूली, शकरकंद चढ़ाकर शाम को मंगल गीतों और आरती के साथ शालिग्राम और तुलसी का विवाह रचाया गया। इस दौरान घरों में उत्सव का माहौल रहा। घरों की साफ-सफाई के बाद शाम को रंगोली सजाई गई। भगवान को मौसमी फलों के साथ गन्ना, सिंघाड़ा, मूंगफली, भाजी, बेर का प्रसाद चढ़ाया गया। इस दौरान घरों में रौशनी की गई और घर के बाहर दीए जलाए गए।बच्चों ने दीपावली से ही तुलसी विवाह के लिए बचाकर रखे गए पटाखे फोड़े।देर रात तक पटाखों की गूंज सुनाई देती रही। व्रतियों के लिए बाजार में कई जगहों पर सिंघाडा, मूंगफली, गन्ने, बेर व मौसमी फलों की दुकानें सजी थी।सुबह से ही इन दुकानों में ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई।

आसमान को छूते नजर आए गन्ने के दाम

एकादशी देवउठनी ग्यारस पर्व पर बाजार गुलजार नजर आया, जहां भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह रचाने के लिए नगर के विभिन्न मार्गो व चौक चौराहों पर गन्ने की दुकान सजी-धजी नजर आई ।इस दौरान इस विवाह को संपन्न कराने,और पर्व विशेष पर हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा गन्ना जोड़ी खरीदी गई। वही पर्व विशेष पर पूजा अर्चना,व व्रत के लिए नगर के बाजार में सामग्रियों को खरीदने के लिए लोगों का हुजूम लगा रहा है। वही बात अगर तुलसी विवाह के लिए बाजार में बिक्री के लिए आए गन्ने की करे तो , पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक महंगे होने के चलते गन्ना विक्रेताओं के काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। गन्ना विक्रेता नफीस खान ने बताया कि जो गन्ना पिछले वर्ष 400 से 500 रु कुंटल मिलता था। वही गन्ना व्यापारियों को इस बार 800 से 1000 रुपए क्विंटल में मिल रहा है ।जिसके चलते व्यापारी 150 में 5 गन्नो की बिक्री कर रहे हैं। जहां गन्ना महंगा होने के चलते ज्यादातर लोग अधिक गन्ना खरीदी से कतरा रहे हैं ,तो वही महंगाई के इस दौर में पर्व विशेष को लेकर लोगों को मजबूरी में गन्ना खरीदना पड़ रहा है।

मांगलिक कार्यों की हुई शुरुवात

देवशयनी के बाद से बंद मांगलिक कार्य देवउठनी एकादशी से शुरू हो गए। लोगों ने अबुझ मुहूर्त में पहले से ही शादी की तैयारी कर ली थी। इसके कारण जिले में कई जगह शनिवार को वैवाहिक कार्यक्रम भी संपन्न कराए गए । क्यों की मांगलिक कार्यों की आज से शुरुआत हो चुकी है इसलिए आज के बाद आने वाले सभी शुभ मुहूर्त में लोग मांगलिक कार्य संपन्न कराएंगे।

खेत की झोपड़ी में सो रहे व्यक्ति की गलाघोट कर हत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पांडूतला में एक व्यक्ति की गलाघोंट कर हत्या कर दी गई। बीती रात यह वारदात उस समय हुई जब यह व्यक्ति खेत की झोपड़ी में सो रहा था। सूचना मिलते ही गढ़ी पुलिस थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह पन्द्रों ने ग्राम पांडूतला पहुंचकर मौके की कार्यवाही कर मृतक प्रसन्न पिता सुकल मरावी 35 वर्ष पांडूतला निवासी का शव बरामद किये और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है। पर आप जानकारी के अनुसार प्रसन्न मरावी पांडूतला की दुकान में काम करता था ।बताया गया है कि प्रसन्न मरावी के परिवार में पत्नी और बच्चे हैं किंतु प्रसन्न मरावी दारू पीने का आदी होने के कारण उसकी पत्नी उसे घर में घुसने नहीं देती थी। जिसके कारण प्रसन्न मरावी अपने गांव के भागचंद के खेत की झोपड़ी में रात में रहता थाऔर वही खाना बनाकर खाता था। 31 अक्टूबर की शाम में मोहल्ले के दिलीप के यहा का मुर्गा मर गया था दिलीप की पत्नी ने प्रसन्न को मुर्गा साफ करने के लिए दी थी और रात्रि में खाना खाने के लिए भी बुलाई थी। रात्रि में प्रसन्न मरावी के दिलीप के यहां पर खाना खाने नहीं गया और वह झोपड़ी में ही गांव के सरयू नामक व्यक्ति के साथ में था और दोनों ने शराब पिए थे। सरयू नामक यह व्यक्ति प्रसन्न मरावी के साथ अंतिम बार देखा गया था। 1 नवंबर को सुबह ग्राम एक महिला सुमित्रा भागचंद के खेत तरफ गई थी। झोपड़ी में प्रसन्न मरावी नहीं था। झोपड़ी के पास ही प्रसन्न मरावी का गमछा और वही खून देखी वहां से कुछ दूर जाने के बाद खेत में ही लकड़ी के देर के पीछे बेशरम की झाड़ी में प्रसन्न मरावी की लाश देखी गई और इस महिला ने गांव में आकर बताई। गांव मोहल्ले के लोग भी मौके पर पहुंचे जिन्होंने खेत में बेशरम की झाड़ी में प्रसन्न मरावी की लाश देखी। गढ़ी पुलिस थाना में सूचना मिलते ही घड़ी थाना प्रभारी भूपेंद्रसिह पन्द्रों अपने स्टाफ के साथ ग्राम पांडूतला पहुंचे और मौके का निरीक्षण कर मृतक प्रसन्न मरावी का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये। संभावना व्यक्त की गई की 31 अक्टूबर और 1 नवंबर की दरमियानी रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने प्रसन्न मरावी की गला घोटकर हत्या कर दी। थाना प्रभारी श्री पन्द्रो ने प्रसन्न मरावी की हत्या और हत्या के साक्ष्य विलोपित करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 103(1), 238 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

1972 में बालाघाट आई थी सोवियत रूस की व्हॉलीवाल टीम

नेशनल गेम्स का करेंगे आयोजन, डिस्ट्रिक्ट एशोसिएशन आज करेगा व्हालीवॉल के खिलाड़ियों का सम्मान, 2026 में प्रयागराज के महाकुंभ की तरह होगा व्हालीवॉल का महाकुंभ

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज, बालाघाट।

बालाघाट में व्हालीवॉल खिलाड़ियों को आज रविवार को पहली बार सम्मान मिलेगा। बालाघाट में व्हालीवॉल खेल ने कई नामचीन खिलाड़ियो को देने के साथ ही विदेशी आयोजन की मेजबानी भी की है, बावजूद इसके, बालाघाट की व्हालीवॉल खेल प्रतिभाओं के लिए आज भी उपयुक्त मैदान नहीं है। कभी आयोजन के नाम पर तो कभी स्कूल के मैदान के नाम पर, खिलाड़ियों से मैदान छिन लिया गया। जो वर्तमान में है, उसमें भी, खिलाड़ियो को वह अवसर और सुविधा नहीं मिल रही है, कि वह अपने खेल को खेल सके। यही कारण है कि आज, इस खेल में खिलाड़ियों की कमी हो रही है लेकिन जिले में समाजसेवी राजेश पाठक ने डिस्ट्रिक्ट एशोसिएशन के साथ मिलकर, जिले में इस खेल को पुर्नजीवन देने की मंशा जाहिर की है। उन्होंने जिले के व्हालीवॉल खिलाड़ियों को आश्वस्त किया है कि जिले में ना केवल, उनके लिए बेहतर खेल मैदान की व्यवस्था की जाएगी अपितु 2026 में बालाघाट मैदान में प्रयागराज के महाकुंभ की तरह होंगा व्हालीवॉल का महाकुंभ का आयोजन कर व्हालीवॉल नेशनल गेम्स भी आयोजित किया जाएगा। जिसकी शुरूवात वे रविवार 2 नवंबर से जिले के व्हालीवॉल खिलाड़ियों को सम्मान से करने जा रहे है। जिसको लेकर शनिवार का आयोजित प्रेसवार्ता में डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी और समाजसेवी राजेश पाठक ने मीडिया से चर्चा कर कार्यक्रम और भविष्य की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की ।इस दौरान सचिव आशीष मिश्रा, अजय मिश्रा, निशांत बिसेन, अनिल गुरनानी, कोच सुधीर तोमर, रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट टाईगर्स अध्यक्ष अभिषेक पांडे सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

1972 में सोवियत रूस की टीम खेलने आ चुकी है बालाघाट

आयोजित पत्रकार वार्ता में पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में पहले व्हालीवॉल का काफी क्रेज हुआ करता था, यह जिले का एक प्रमुख खेल बन गया था, लोगों में वॉलीबॉल के प्रति इतनी दीवानगी थी कि यहां के खिलाडि़यों ने न केवल जिला, संभाग राज्य,व राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाई है।यहां तक की 1972 में बालाघाट में इंटरनेशनल व्हालीवॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें रसिया की टीम भी बालाघाट मैच खेलने आई थी। उसी दौर को हमे वापस लाना है। जिसको लेकर प्रयास शुरू कर दिए गए हैं जिसमें पहला प्रयास जिले के उन खिलाडि़यों को सम्मानित करना है जिन्होंने बालाघाट को व्हालीवाल खेल में राष्ट्र स्तर तक पहचान दिलाई है ।उन खिलाड़ियों का रविवार को सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा खिलाड़ियों के खेल के लिए दो खेल मैदान की व्यवस्था भी की जाएगी, तो वही 2026 में नेशनल प्रतियोगिता का भव्य रूप से आयोजन किया जाएगा।

व्हालीवाल के 100 से 150 ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों का होगा सम्मान

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी ने बताया कि रविवार को नगर के ग्रैंड कमल हॉटल में दोपहर 12 बजे से 03 बजे तक व्हालीवाल के खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। जिसमें जिले के खिलाड़ियों के साथ ही व्हालीवॉल में जिला, संभाग, प्रदेश और राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 100 से 150 खिलाड़ियो को एकेडमी की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

2026 में बालाघाट में होंगा व्हालीवॉल के नेशनल टूर्नामेंट

समाजसेवी राजेश पाठक ने बताया कि उनकी मंशा हमेशा से ही जिले में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की रही है, यही कारण है कि बालाघाट में नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष रहते हुए अखिल भारतीय स्वर्ण कप हॉकी प्रतियोगिता को 5 बार आयोजन किया। जिसके बाद कबड्डी संघ के प्रतिनिधित्व काल में जिले के कबड्डी खेल और खिलाड़ियों को, हमने आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही कारण है कि 5 बार कबड्डी की नेशनल टीम का चयन, बालाघाट में आयोजित खेल से किया गया। इसी प्रकार, अब हमने जिले में हाशिए में चले गए व्हालीखेल को उंचाईयों तक ले जाने का संकल्प, डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के माध्यम से लिया है। हमने तय किया है कि इसकी शुरूआत जिले के व्हालीवॉल खेल में जिला, संभाग, प्रदेश और राष्ट्र स्तरीय खिलाड़ियों को सम्मानित कर की जाएगी। जिसके बाद हमने यह भी तय किया है कि प्रयागराज के कुंभ की तरह, आगामी 2026 में बालाघाट में व्हालीवॉल के नेशनल टूर्नामेंट के आयोजन से हम, व्हालीवॉल का महाकुंभ आयोजित करेंगे।

गन्ना व्यवसायियों से पालिका कर्मियों ने 10 की जगह 300 रुपये तक वसूले

गन्ना व्यापारियों ने पालिका पर लगाए आरोप

पदमेश न्यूज, बालाघाट।

एकादशी ग्यारस का पर्व जिले सहित ग्रामीण अंचलों और मुख्यालय में धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर जिले के विभिन्न ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में गन्ना व्यवसायी अपने गन्ने लेकर शहर पहुंचे हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, सड़कों और बाजार क्षेत्रों में गन्ने की अस्थायी दुकानें

सजाई गई हैं। लेकिन इस बार इन व्यवसायियों ने नगर पालिका के राजस्व वसूली कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। गन्ना व्यवसायियों का कहना है कि नगर पालिका के कर्मचारी दुकान लगाने के लिए तय शुल्क 10 से 20 रुपये की जगह 200 से 300 रुपये वसूल रहे हैं, जिससे उन्हें काफी आर्थिक नुकसान हो रहा है। कुछ व्यवसायियों ने यह भी बताया कि जब उन्होंने रसीद की मांग की, तो कर्मचारियों ने उन्हें कोई आधिकारिक पावती नहीं दी, बल्कि कागज के टुकड़े पर नाम लिखकर पैसा वसूल लिया। इस घटना से गन्ना व्यवसायियों में आक्रोश और असंतोष देखा जा रहा है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि इस प्रकार की अनियमित वसूली पर रोक लगाई जाए और दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए।

दीपावली पर्व के 11 दिन बाद मनाई जाने वाली एकादशी ग्यारस का पर्व जिले सहित ग्रामीण क्षेत्रों और जिला मुख्यालय में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर गन्ने की विशेष मांग रहती है, जिसके चलते जिले के विभिन्न ग्रामीण इलाकों से गन्ना व्यवसायी अपने गन्ने लेकर बड़ी संख्या में मुख्यालय पहुंचे हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और सड़कों पर सुबह से ही गन्ने की दुकानें सज गईं। इसी क्रम में 1 नवंबर को भी किरनापुर और लालबर्रा क्षेत्र से आए गन्ना व्यवसायी पवन जामरे और लक्ष्मीचंद खरे ने शहर के प्रेमनगर और आकाशवाणी चौक पर अपनी दुकानें लगाईं। इन व्यवसायियों ने आरोप लगाया है कि नगर पालिका के राजस्व वसूली कर्मचारियों ने उनसे दुकान लगाने के लिए तय 10 से 20 रुपये की जगह 200 से 300 रुपये तक वसूले। इतना ही नहीं, कुछ दुकानदारों से 500 रुपये तक की मांग भी की गई। व्यवसायियों के अनुसार जब उन्होंने रसीद मांगी, तो कर्मचारियों ने उन्हें किसी भी प्रकार की आधिकारिक पावती नहीं दी, बल्कि कागज के टुकड़े पर उनका नाम लिखकर पैसे ले लिए और चले गए। इस पूरे प्रकरण से गन्ना व्यवसायियों में भारी नाराज़गी और विरोध का माहौल है। व्यवसायियों का कहना है कि इस तरह की अनुचित वसूली से उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है और नगर पालिका प्रशासन को इस पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। जब इस विषय को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर से दूरभाष पर चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं थी। लेकिन जैसे ही उन्हें इसकी सूचना मिली, उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में गन्ने की दुकानों से किसी भी प्रकार की राशि वसूली नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन कर्मचारियों द्वारा यह राशि ली गई है, उनके विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

रिक्त पदों पर की जाए संविदा कर्मचारियों की भर्ती

यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्पलाइज एंड इंजिनियर्स ने सौपा ज्ञापन, भोपाल हुए रवाना

कहा- 49263 पदों पर हो रही भर्ती में साढ़े 7 हजार संविदा कर्मचारियों को दी जाए नियुक्ति

पदमेश न्यूज़ ,बालाघाट।

मध्य प्रदेश सरकार ने विद्युत वितरण कंपनियो में 49263 नए पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। जारी किए गए इस नोटिफिकेशन में वर्षों के अनुभव सहित अन्य योग्यताओं के आधार पर रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने की बात कही गई है की ।लेकिन इस नोटिफिकेशन में पूर्व घोषणा के अनुरूप पहले से विद्युत विभाग में काम कर रहे सविंदा कर्मचारियों के नियमितीकरण का कोई जिक्र नहीं है ।जिस पर अपनी आपत्ति जताते हुए विद्युत विभाग में वर्षों से काम कर रहे संविदा कर्मचारी यूनाइटेड फोरम फॉर पावर इंप्लाइज एन्ड इंजीनियर्स संगठन के बैनर तले शनिवार को भोपाल के लिए रवाना हो गए ।जहा भोपाल रवाना होने के पूर्व उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है ।जिंसमे विभाग से जुड़े अधिकारियों व पदाधिकारी ने विद्युत वितरण कंपनी में निकाली गई रिक्त पदों पर भर्ती के लिए,संविदा कर्मचारियों को योग्य ठहराते हुए वर्षों से विभाग के लिए काम कर रहे संविदा कर्मचारियों की रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने की मांग की है। पदाधिकारियो ने बताया कि संपूर्ण मध्य प्रदेश में करीब साढे 7 से अधिक कर्मचारी संविदा बेस पर विद्युत विभाग में काम कर रहे हैं जिनके पास 10 से 15 वर्ष का अनुभव है, ऐसे कर्मचारियों की भर्ती इन रिक्त पदों पर की जानी चाहिए। ताकि उनके अनुभवो का लाभ मिल सके।

ज्ञापन सौप भोपाल हुए रवाना

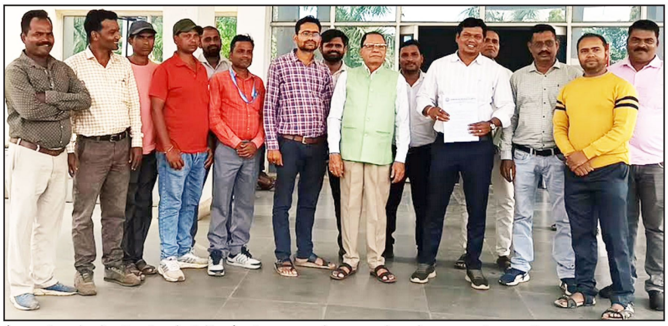

अपनी उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने के बाद संगठन से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों का समूह भोपाल के लिए रवाना हो गया। बताया गया कि रविवार 2 नवंबर को शांति पूर्वक ध्यान आकर्षण रैली में समस्त 55 जिलों से बिजली विभाग में कार्यरत संविदा वर्ग यूनाइटेड फोरम आव्हान पर अंबेडकर पार्क टीटी नगर भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव को ध्यान आकर्षण कराकर सविंदा अधिकारियों कर्मचारियों को नियमित करने मांग करेंगे ।इस रैली में करीब पाच हजार कर्मचारी भाग ले रहे हैं,बालाघाट का नेतृत्व प्रांतीय पदाधिकारी आईडी पटले संविदा वर्ग के प्रमुख सहायक अभियंता हुकुमचंद यादव सहायक अभियंता राजीव रंजन के मार्गदर्शन पर बालाघाट से लगभग 100 कर्मचारी भोपाल के लिए रवाना हो गए ।यूनाइटेड फोरम बालाघाट मीडिया प्रभारी शिवकुमार मुनेश्वर द्वारा देर शाम दी गई ।ज्ञापन सौपने के दौरान कार्यपालन अभियंता बी.एल. भैना, मोहसीन खान, लक्ष्मीप्रसाद टेंभरे, महेन्द्र डहरवाल, प्रवीण सिंगारे, ईश्वर सौलखे, डेमेन्द्र पटले, मनोज रोडकर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सरकार निभाए अपना वादा - यादव

संविदा कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष एच.सी. यादव ने बताया कि विगत लंबे समय से हम, यह मांग सरकार से करते चले आ रहे है, तत्कालीन शिवराजसिंह चौहान की सरकार में, इसकी घोषणा की गई थी लेकिन उसे अमलीजामा नहीं पहनाया गया। अब जब कंपनी में भर्ती निकली है तो हम चाहते है कि संविदा कर्मचारियों को सीधे समाहित कर उनका नियमितिकरण किया जाए। इससे कंपनी व सरकार पर अतिरिक्त भार भी नहीं पड़ेगा ।सभी कर्मचारियों के पास 10 से 15 साल का अनुभव है, सभी कार्य करने में दक्ष हैं, वही वेतन भी लगभग समान ही है, इसीलिए पहले से कार्य कर रहे संविदा कर्मियों की सीधी भर्ती किए जाने की मांग की जा रही है। इसी मांग को लेकर आज हम भोपाल रवाना हो रहे हैं ।जहा रविवार को ध्यान आकर्षण रैली के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप कर उक्त मांग पूरी करने की गुहार लगाई जाएगी।

हाथों में काली पट्टी बांधकर सोमवार को संयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ सौंपेगा ज्ञापन

पदमेश न्यूज, बालाघाट।

पेंशनर्स एसोसिएशन की वर्षों से कई मांगे लंबित है जिन पर शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।अपनी इन्ही मांगो को लेकर सँयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ ने अब हाथों में काली पट्टी बांधकर, विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपने की रणनीति बनाई है ।जिसको लेकर शनिवार को नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में संयुक्त विभाग पेंशनर संघ की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित इस बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर सोमवार को अपनी इन्हीं मांगों को लेकर नगर में एक रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपकर विरोध प्रदर्शन करने की रणनीति बनाई गई है ।आयोजित बैठक के दौरान पदाधिकारियों ने अन्य मांगों के अलावा मुख्य रूप से वर्षों से लंबित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को तत्काल हटाकर वर्षो से लंबित महंगाई, राहत व एरियस की राशि का तत्काल पूर्ण भुगतान किए जाने की मांग की है ।इस दौरान जिला संरक्षक आर. एस. बैस, डी.सी. डहरवाल, एम. जेड. कुरैशी,जिला अध्यक्ष बीएल चौधरी, सचिव नारायण सोलंकी, कोषाध्यक्ष एस.एल कावड़े, प्रवक्ता सतीश दुबे, सम्भागीय अध्यक्ष बी.एल. राणा, प्रांतीय सचिव डीके पटले, संगठन सचिव एसडी पटले, उपाध्यक्ष आर. के. नन्दनवार,एम. डी. एड़े, देवराज बिसेन संगठन सचिव एसडी

विभिन्न मांगों को लेकर ,बैठक का आयोजन कर बनाई रणनीति

पटले, सहसचिव एच. आर. बिसेन, पी. डी. रायगढ़े,आर. एस. बघेले, श्यामलाल पंचेश्वर और एल.आर. पांचे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दो राज्यो के बीच सहमति में फंसे पेंशनर

बताया गया कि मध्यप्रदेश के पेंशनर्स, नियमित कर्मचारियों को मिल रहे 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता से कम महंगाई भत्ता मिलने से परेशान है। पेंशनरों का कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसकी मुख्य वजह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) है ।जिसे विगत कई वर्षो से विलोपित करने की मांग कर रहे है ।सँयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ ने, अधिनियम की इस धारा के कारण महंगाई भत्ता राहत में हो रहे नुकसान की ओर सरकार का ध्यानाकर्षण करवाते हुए उक्त धारा को तत्काल विलोपित करने की मांग की है।

25 वर्ष बीत गए अब तक नही हटाई गई धारा

पेंशनर संघ पदाधिकारियो ने बताया कि यूपी से अलग होकर बने उत्तराखंड, बिहार से अलग होकर बने झारखंड और आंध्रप्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना राज्य में, ऐसी कोई धारा नहीं है, केवल मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच ही ऐसा है, जिसके कारण दोनो ही राज्यो के पेंशनरों को नुकसान हो रहा है ।आज इसे 25 वर्ष हो गए बावजूद इसके भी अभी तक इस धारा को नही हटाया गया है।

काली पट्टी बांधकर इन मांगों को लेकर सौपेंगे ज्ञापन

सँयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ द्वारा सोमवार को हाथों में काली पट्टी बाँधजर ज्ञापन सौपने की योजना बनाई गई है ।जिन्होंने ज्ञापन में मप्र.-छग. पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 परिशिष्ट 6 जिस आधार पर महँगाई राहत स्वीकृति के पूर्व दोनो राज्य सरकारो द्वारा परस्पर सहमति की प्रक्रिया अपनाई जाती है उसको समाप्त या विलोपित करने, केन्द्र सरकार के पेंशनर्स के अनुरूप राहत राशि का भुगतान करने, बकाया एरियर का भुगतान करने, राहत राशि का भुगतान करने, 58 प्रतिशत महंगाई राहत देने,सभी पेंशनरों को सेवा निवृत्ति होने के पश्चात आयुष्मान स्वास्थ बीमा योजना का लाभ देने, 70 वर्ष की बाध्यता समाप्त करने, शासन द्वारा पेंशनरों की मंहगाई राहत 35 माह का रूका हुआ एरियर्स किस्तों में भुगतान करने, 30 जून व 31 दिसम्बर को सेवानिवृत्त पेंशनरों को एक वेतन वृद्धी का लाभ देने, और पेंशनर्स की मृत्यु होने पर कर्मचारियों की भांति 50,000 रु एक्सग्रेसिया की राशि प्रदान करने सहित अन्य मांगो को लेकर ज्ञापन सौपने की योजना बनाई है।

24 घंटे के भीतर मोटरसाइकिल चोर को लामता पुलिस ने किया गिरफ्तार

चोरी गई पल्सर मोटरसाइकिल और एक साइकिल जप्त

पद्मेश न्यूज। लामता।

पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मोटरसाइकिल चोर को सिवनी जिले के ग्राम के केवलारी में अभिरक्षा में लेकर उसके कब्जे से 115000 रुपये की एक पल्सर मोटरसाइकिल के अलावा एक एवन कंपनी की महंगी साइकिल जप्त करने में सफलता हासिल की। यह मोटरसाइकिल चोर विक्की सिंह पिता तेजसिंह मरावी 31 वर्ष बस स्टैंड के पीछे ग्राम केवलारी जिला सिवनी निवासी है।। जिससे अन्य आपराधिक प्रकरणों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। लामता पुलिस के मुताबिक विजय कुमार चौहान ग्राम चरेगांव थाना लामता निवासी रेलवे विभाग में गेटमैन के पद पर पदस्थ है। वे रेलवे गेट नंबर जी जे एल सी न.66 लामता ड्यूटी करते हैं। 31 अक्टूबर की रात्रि विजय कुमार चौहान रेलवे गेट में ड्यूटी करने अपनी पल्सर मोटरसाइकिल में गए थे। तभी रात्रि तीन से चार बजे के बीच एक व्यक्ति मुंह में कपड़ा बांधे हुए आया और उसकी पल्सर मोटरसाइकिल एमपी 50 जेड बी 5416 को चोरी कर ले गया ।विजय कुमार चौहान 34 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर मोटरसाइकिल चोरी करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। विवेचना के दौरान लामताक्षेत्र के आसपास करीब 30 सीसी टीवी फुटेज चेक किए गए। लामता से परसवाड़ा क्षेत्र लालबर्रा क्षेत्र एवं बालाघाट शहर की ओर आने जाने वाले मार्गो पर पुलिस टीम के द्वारा के द्वारा सक्रियता एवं गहनता के साथ इस अज्ञात आरोपी के हुलिए के अनुसार पतासाजी की गई। 20 संदेहियों एवं सीमावर्ती थानों के निगरानी बदमाश से पूछताछ इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी विक्की पिता तेज सिंह मरावी 31 वर्ष बस स्टैंड के पीछे केवलारी जिला सिवनी निवासी को अभिरक्षा में लिए। पूछताछ में इस आरोपी ने जबलपुर

के थाना घमापुर में गन कैरेज फैक्ट्री में सनसनी चोरी की वारदात करना स्वीकार किया। साथ ही इस आरोपी के निशानदेही पर लामता रेलवे गेट से के पास झाड़ी से एवन कंपनी की 20हजार रुपये कीमत की महंगी साइकिल के अलावा प्रकरण में चोरी की गई नवीन पल्सर मोटरसाइकिल भी जप्त की गई। जिसकी कीमत 115000 रुपये बताई गई है। यह आरोपी लामाता पुलिस की अभिरक्षा में है ।इस आरोपी से अन्य आपराधिक प्रकरणों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। जिससे और भी प्रकरणों के खुलासे होने की संभावना है।

ग्राम बिठली में पानी की टंकी बनी शोभा की सुपारी

पीएचई विभाग की उदासीनता के चलते से योजना हो रही विफल, ग्रामीणजन परेशान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार के अंतर्गत आने वाले ग्राम बिठली में लाखों रूपयों की लागत से नल-जल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण किया गया है और पुरानी पाइपलाईन को इस नवीन पानी टंकी से जोड़ दिया गया है। लेकिन उसमें तकनीकी खराबी आने के कारण ग्रामीणजनों को विगत दिवस से नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है जिससे ग्रामीणजनों को पानी के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इस समस्या से ग्रामीणजनों के द्वारा पीएचई विभाग को अवगत करवा दिया गया है, लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से पीएचई विभाग की उदासीनता के चलते लाखों रूपयों की लागत से बनी पानी टंकी शोभा की सुपारी बनी हुई है। जबकि ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का शुध्द पानी उपलब्ध करवाने की मंशा से लाखों रूपयों की लागत से पानी टंकी का निर्माण किया गया है किन्तु पाईपलाईन में आई तकनीकी खराबी को अब तक दुरूस्त नही किया गया है। जिसके कारण ग्राम बिठली में नल-जल योजना विफल होते नजर आ रही है। ग्रामीणजनों ने नवीन पानी टंकी से जोड़े गये पाइपलाईन में आई खराबी को दुरूस्त कर जल्द नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी प्रदाय करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने पाइपलाईन में आई खराबी को दुरूस्त कर नल-जल योजना का नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की मांग की

पानी टंकी बनने के बाद भी ग्राम में पानी की बनी समस्या, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि लालबर्रा विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाली 77 ग्राम पंचायत के ग्रामीणजनों को वैनगंगा नदी छिंदलई का पानी उपलब्ध करवाने की मंशा से करोडों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है और इस योजना के तहत पाइपलाईन के माध्यम से पानी टंकी के माध्यम से पानी प्रदाय की जाती है। साथ ही जिन ग्राम पंचायत व ग्रामों में पानी की समस्या बनी हुई है उक्त ग्रामों में शासन के द्वारा पानी टंकी का निर्माण कर पानी की समस्या को दुर करने का प्रयास किया जा रहा है। किन्तु कुछ ऐसी भी पंचायत व ग्राम है जहां पानी टंकी बनने के बाद भी ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से नही मिल पा रहा है। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत औल्याकन्हार के अंतर्गत आने वाले ग्राम बिठली का सामने आया है। जहां पानी टंकी बनकर तैयार हो चुकी है लेकिन पुरानी नल-जल योजना से नवीन पानी टंकी को जोड़ने का कार्य अब तक पूरा नही किया गया है। जिसके कारण बिठली के ग्रामीणजनों को नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है। इस संबंध में जब ग्रामीणजनों ने पीएचई विभाग को अवगत करवाये तो उनका कहना है कि पाइपलाईन में तकनीकी खराबी आ गई है उसे जल्द दुरूस्त कर दिया जायेगा। लेकिन अब तक इस समस्या को दुर नही किया गया है जिसके कारण ग्रामीणजनों में पीएचई विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि पानी टंकी तो बन गई है लेकिन इस पानी टंकी से दो दिन पानी मिला उसके बाद से नही मिल रहा है क्योंकि पाइपलाईन में तकनीकी खराबी बता रहे है। लेकिन अब तक उसे सुधारा नही किया गया है। ऐसी स्थिति में दुर स्थित हेंडपंप व कुएं से पानी लेकर आ रहे है। जबकि शासन द्वारा लाखों रूपये खर्च कर नल-जल योजना चलाई जा रही है, ताकि हर घर को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। मगर जमीनी स्तर पर विभागीय सुस्ती और अधूरे कार्यों के कारण यह योजना कागज़ों तक सीमित होकर रह गई है। इसलिए पीएचई विभाग से मांग है कि अधुरे पाइपलाईन के कार्य को पूरा कर नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी प्रदाय करें।

लंबे समय से न ही मिल रहा है पानी - संजय

संजय निकोसे ने बताया कि लाखों रूपयों की लागत से पानी टंकी का निर्माण किया गया है, लेकिन नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है क्योंकि नई पानी टंकी से पुरानी पाइपलाईन को जोड़ते समय पाइपलाईन में तकनीकी खराबी आ गई है। जिसे अब तक दुरूस्त नही किया गया है। जिसके कारण ग्राम में पानी की समस्या बनी हुई है। आगे बताया कि उक्त समस्या से पीएचई विभाग को अवगत करवा चुके है। लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को दुर स्थित हेंडपंप व कुएं से पानी लाना पड़ रहा है।

शोभा की सुपारी बनी पानी टंकी - सुनिल

उपसरपंच सुनील पाटिल ने बताया कि ग्रामीणजनों को वैनगंगा नदी छिंदलई का शुध्द पानी उपलब्ध करवाने की मंशा से लाखों रूपयो की लागत से ग्राम में पानी टंकी का निर्माण किया गया है। लेकिन इस पानी टंकी से महज 2 दिन पानी मिला है उसके बाद से नही मिल रहा है। जिसके बाद से पानी की समस्या बनी हुई है। श्री पाटिल ने बताया कि सभी के घरों में कुएं नही है ऐसी स्थिति में दुर स्थित हेंडपंप से पानी लाना पड़ रहा है और नवीन टंकी का निर्माण किया गया है परंतु उसका उपयोग नहीं हो पा रहा है यह पानी की टंकी सिर्फ शोभा की सुपारी बनी हुई है। पीएचई विभाग से मांग है कि अगर पाइपलाईन में खराबी है तो उसे दुरूस्त करें।

ठेकेदार नही निभा रहे अपनी जिम्मेदारी - बिसेन

सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन ने बताया कि दीपोत्सव पर्व के पूर्व से नल-जल योजना प्रभावित हुई है लेकिन अब तक पाइपलाईन में आई खराबी को नही सुधारा गया है। जिसके कारण ग्रामीणजनों को लंबे समय से नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि सरकार की मंशा है कि सभी घरों में नल-जल योजना के माध्यम से शुध्द पानी पहुंचाने की है। लेकिन अधिकारी और ठेकेदार अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे हैं, जिसके कारण ग्राम में पेयजल की समस्या बनी हुई है। जो ठेकेदार सही तरीके से काम नही कर रहे है उन पर प्रशासन कठोर कार्यवाही करें।

इनका कहना है-

पाइपलाईन लिकेज हो चुका है, जिसके कारण बिठली के ग्रामीणजनों को नवीन पानी टंकी से पानी सप्लाई करने में परेशानी हो रही है, क्षतिग्रस्त पाइपलाईन का जल्द मरम्मत कार्य करवाकर नियमित रूप से पानी प्रदाय किया जायेगा।

विजय तिवारी
प्रभारी एसडीओं
पीएचई विभाग लालबर्रा।

क्षतिग्रस्त विद्युत खंभे को बदलकर लगाया गया नया खंभा

नया विद्युत पोल लगने से दुर्घटना होने की बनी संभावना हुई दुर, वार्डवासियों में हर्ष व्याप्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत खुरपुडी के वार्ड नं. 5, 6 एवं 11 स्थित विद्युत पोल पुराने होने के कारण जर्जर (क्षतिग्रस्त) हो चुके थे। जिसके कारण विद्युत पोल किसी भी समय टुट सकते थे जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। उक्त समस्या से विगत दिवस खुरपुड़ी के वार्ड नं. 11 पंच गुलशन नागेश्वर के द्वारा विद्युत विभाग को अवगत करवाकर जर्जर हो चुके विद्युत पोल को बदलकर नये विद्युत पोल लगाने की मांग की थी। जिसके बाद विद्युत विभाग ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए खुरपुडी के वार्ड नं. 5, 6, 11 में जर्जर हो चुके विद्युत पोल को बदलकर उसके स्थान पर नये विद्युत पोल दिया है। जिससे पुर्व में जर्जर हो चुके विद्युत पोल से दुर्घटना होने की जो संभावना बनी हुई थी वह दुर हो चुकी है। इस तरह से पंच गुलशन नागेश्वर के प्रयास से तीन वार्ड के जर्जर हो चुके विद्युत पोल बदल दिये जाने से वार्डवासियों ने पंच, सरपंच एवं विद्युत विभाग का आभार व्यक्त किया है। चर्चा में पंच गुलशन नागेश्वर ने बताया कि ग्राम के वार्ड नं. 5, 6, 11 में स्थित विद्युत पोल जर्जर हो चुके थे जो किसी भी समय टुटकर नीचे गिरते तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी क्योंकि विद्युत पोलों से ग्रामीणजनों के घरों में कनेक्शन गया हुआ है। उक्त समस्या से विगत दिवस विद्युत विभाग को अवगत करवाया गया था। जिसके बाद विद्युत विभाग के द्वारा जर्जर हो चुके तीनों वार्ड के विद्युत पोल को बदलकर उसके स्थान पर दुसरे पोल लगा दिये गये है जिससे पुर्व में लो-वोल्टेज की समस्या, बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी वह दुर हो चुकी है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस

आदिवासी बालिका छात्रावास में सांस्कृतिक सहित विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के आमाटोला स्थित आदिवासी बालिका छात्रावास में बालक एवं बालिका छात्रावास के संयुक्त तत्वाधान में 1 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम पांढरवानी सरपंच अनीस खान के मुख्य आतिथ्य, आदिवासी बालिका छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती ठौकर, बालक छात्रावास अधीक्षक टी टांडेकर की अध्यक्षता एवं अभिभावकों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। इस मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर गीत, भाषण एवं नृत्यों की छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुतियां दी और गीत व नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया। वहीं छात्र-छात्राओं ने मध्यप्रदेश की गौरवशाली विरासत पर भाषण भी दिये। जिसमें रा'य के गठन से लेकर वर्तमान तक हुए विकास कार्यों का उल्लेख भी किया गया। जिसके बाद अतिथियों के द्वारा गीत, भाषण एवं नृत्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के इतिहास, संस्कृति तथा विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को अच्छी पढ़ाई कर विद्यालय एवं माता-पिता का नाम जिला, प्रदेश में गौरवांवित करने की बात कही। अधीक्षिका श्रीमती ठौकर ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने में सहायक होते है। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाने के उद्देश्य के बारे में प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को अच्छी पढ़ाई करने प्रेरित किया। इस अवसर पर बालक-बालिका छात्रावास के विद्यार्थी, उनके अभिभावक एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उ'च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना एवं कैरियर मार्ग दर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान 1 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार के मुख्य आतिथ्य, महाविद्यालय प्राचार्य सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों के द्वारा महाविद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रगान व मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर एकल गायन, पोस्टर, निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। जिसमें विद्यार्थियों के द्वारा एकल गायन एवं समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गई। वहीं स्थापना दिवस से संबंधित विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये पोस्टर की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में आई.क्यू.एसी. प्रभारी डॉ. संगीता मेश्राम ने मध्यप्रदेश के गठन एवं ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं अन्य विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूपेन्द्र अहिरवार तहसीलदार लालबर्रा ने मध्यप्रदेश से संबंधित समसामयिक सामान्य ज्ञान की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि आर.के.कटरे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव ला प्राचार्य ने विद्यार्थियों को कॅरियर मार्गदर्शन संबंधित जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय के प्राचार्य सुमन बरवा ने विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश एवं देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन पूर्ण निष्ठा से करना हमारा नैतिक दायित्व है और विद्यार्थियों को स्थिर चित्त से अध्ययन कार्य करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं कार्यक्रम के संयोजक एन.एन.एस. अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे द्वारा अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति सदस्य सरोवर टेंभरे, प्रकाश रहांगडाले, हिमालय टेंभरे भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. ऋषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, वेंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, श्रीमती वंदना कुर्वे, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, प्रषिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

कटीटोला निलजी में दिन-रात की मंडई आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी दूर ग्राम पंचायत निलजी के अंतर्गत आने वाली ग्राम कटीटोला में 2 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मंडई समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि बारस मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से चौरा माँ गोंदा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके गायक-गायिका के द्वारा छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील सार्वजनिक मंडई समिति कटीटोला निलजी के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

जोड़ापाठ कायदी में मंडई 3 को

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र में आने वाले ग्राम पंचायत कायदी के जोड़ापाठ शिव मंदिर प्रांगण में नव युवक शिव शक्ति मंडई समिति द्वारा प्रतिवर्ष तेरस की मंडई का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी नवयुवक शिव शक्ति मड़ई समिति के तत्वाधान एवं ग्रामीणों के सहयोग से जोड़ापाठ (कायदी) में 3 नवम्बर को दिन रात की मंडई का आयोजन किया गया है। जिसमें ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए रात्रि में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें छत्तीसगढ के कलाकारो द्वारा रिकार्डिंग डांस की शानदार रंगारंग प्रस्तुती दी जावेगी। नवयुवक शिव शक्ति मंडई समिति के पदाधिकारीऔर सदस्य गोरेलाल माहुले, राधेश्याम माहुले, हेमंत नगपुरे, छोटा उर्फ रामकुमार बाजनघाटे, दिलीप नगपुरे, अमित माहुले,दिनेश नगपुरे, उत्तम माहुले, शंकर कुतराहे, प्रमोद नगपुरे, सुरेश हिरवाने,धुरनलाल सोनबिरसे,मनीष गौतम, खुमान सिंह उइके,अंगद बघेले, त्रिलोकी अमुले, जगलाल हिरवाने,राजा खान, जलाल खान, राम सोनेकर,अरूण केलकर, अतुल नगपुरे, ओम नगपुरे, अमर कुतराहे,विक्रांत मसकरे, केशव अमुले,सारांश हिरवाने,उमा सुलाखे, सुजीत सोनबिरसे, रवि नेवारे, मोण्टी गौर, बंशी लिल्हारे, मनीष डुमरे, सुरेन्द्र मसकरे, जितेन्द्र बारेकर ने 3 नवंबर को जोड़ापाठ में आयोजित मंडई एवं यहा होने वाले छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम में अधिक से अधिक तादाद में आकर इस कार्यक्रम का लुफ्त उठाने की अपील की है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप मनाई गई देव उठनी ग्यारस

तुलसी संग सालिकराम का विवाह हुआ संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

देव उठनी एकादशी नगर सहित पुरे क्षेत्र भर में १ नवंबर को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर हिंदू धर्माबलंबी तुलसी और सालिकराम के विवाह के साक्ष्यी बने। वहीं दीपकों की लौ से घर आंगन जगमगाते रहे साथ ही आतिशबाजियों का दौर देर रात्री तक चलता रहा। वहीं आंगनों में बनाई कई अल्पनाऐं विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। इस दौरान तुलसी व सालिकराम की विशेष पूजा अर्चना का दौर शुभ मुहूर्त में किया गया। देर शाम से ही लोगों के घर आंगन रौशनी से जगमगाते हुये दिखाई दिये।

बाजार में रही रौनक

नगर मुख्यालय में देवनी उठनी एकादशी पर्व पर पूजन सामग्री की दुकाने सिंघाड़ा दुकान एवं सब्जी बाजार में काफी रौनक देखी गई और महिलाओं के द्वारा पर्व में लगने वाली सामग्रियों की खरीददारी की गई। इस पर्व पर सब्जी बाजार में विभिन्न प्रकार की भांजियां पहुंची। जिसकी कीमत आसमान छू रही थी उसके बावजूद भी गृहणी महिलाओं ने पूजा के हिसाब से खरीदी की और गन्ने का मण्डप बनाकर सालिकराम की पूजा अर्चना की गई।

देव उठनी ग्यारस के बाद शादी ब्याह का दौर प्रारंभ

देव उठनी ग्यारस के बाद से ही शादी ब्याह का दौर प्रारंभ हो गया। ग्यारस के दिन से ही लोगों ने सगाई और विवाह मुहूर्तों के लिये बातचीत का दौर शुरू कर दिया है। लोगों ने एक दूसरे के यहाँ पर नये संबंधों को प्रागढ़ करने के लिये न्यौता पहुँचना प्रारंभ कर दिया। वहीं शादी ब्याह के दौर की शुरूवात होने से व्यापारी वर्ग भी काफी खुश दिखाई दे रहा है।

मण्डई का दौर समाप्त मेले की होगी शुरूआत

गौरतलब है कि देव उठनी ग्यारस के साथ ही मण्डई का दौर समाप्त हो गया है। अब मण्डई के स्थान पर लोग मेला का लुत्फ उठाने की तैयारियों में जुट गये है। हालांकि क्षेत्र के कुछ मेला काफी प्रसिध्द है। इसमें श्रीराम बालाजी तीर्थ क्षेत्र रामपायली का मेला मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में काफी प्रसिद्ध है यह १० दिन का मेला होता है जिसमें दूर दूर से सैलानी लोग भगवान के दर्शन के लिए आते हैं। इसके बाद लिंगमारा का मेला आता है वह भी काफी प्रसिद्ध है जहां दूर दूर से लोग आते हैं इस प्रकार अन्य स्थानों पर भी मेले आयोजित किए जाते हैं। जिनका प्रारंभ कार्तिक पूर्णिमा से हो जाता है।

गन्नों की खूब हुई बिक्री

देव उठनी ग्यारस में नगर के बाजार सहित प्रमुख चौक गन्नों से सॅजे दिखाई दिये। नगर में पहुँची गन्नों की खेप एक दिन पूर्व ही पहुँच गई थी। हालांकि इस मर्तबा गन्ने महंगाई की मार से जूझते दिखे लेकिन फिर भी लोगों ने अपनी यथा स्थिति के हिसाब से इनकी खरीदी कर तुलसी विवाह को संपन्न कराया।

आकर्षक मंडप का किया गया निर्माण

नगर सहित क्षेत्र में भगवान सालिकराम एवं माता तुलसी का विवाह धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप संपन्न किया गया जहां पर घरों में पर्व का उत्साह देखने को मिला। जिसमें मंडप का निर्माण आकर्षण का केंद्र रहा जहां पर गन्ने के मंडप का निर्माण किया गया और तुलसी माता को साड़ी सहित आभूषण पहनाकर तैयार किया गया। आकर्षक लाइटिंग एवं दीपों से घरों को सजाकर निर्धारित मुहूर्त पर ही पूजा प्रारंभ कर संपन्न की गई जिसके बाद जमकर आतिशबाजी की गई।

इस दिन भगवान विष्णु योग निंद्रा से जागते है

इस दिन पांच माह बाद जगत के पालनहार भगवान विष्णु योग निंद्रा से जागकर सृष्टि के पालन का कार्यभार संभालते है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष में आने वाली देवउठनी एकादशी मां लक्ष्मी और श्रीहरि विष्णु को प्रसन्न करने के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान और द्राक्ष, ईख, अनार, केला, सिंघाड़ा आदि ऋतु फल श्री हरि को अर्पण करने से उनकी कृपा सदैव बनी रहती है। धार्मिक मान्यता है कि निंद्रा से जागने के बाद भगवान विष्णु सबसे पहले तुलसी की पुकार सुनते हैं। इस कारण लोग इस दिन तुलसी का भी पूजन करते हैं और मनोकामना मांगते हैं।

फसलों का सर्वे करवाकर किसानों को मुआवजा राशि दें सरकार- विवेक

विधायक पटेल ने किसानो के साथ खेत पहुँचकर खराब हुई फसलों का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

पिछले दिनों रुक.रुक कर हुई बारिश ने किसानों की साल भर की मेहनत पर पानी फेर दिया है। लगातार बारिश से खेतों में जगह जगह पानी भर गया है धान की खडी फसल खराब हो चुकी है ,खेतों में खड़ी धान की फसल पानी में डूबने से बाली में सड़न आने लगी है। किसानों के अनुसार आई तेज आंधी और बारिश से फसले पहले ही प्रभावित हो चुकी है। जिसके बाद शुरू हुई लगातार बारिश ने बची उम्मीद भी खत्म कर दी है तेज बारिश और आंधी ने फसलों को पूरी तरह चौपट कर दिया है। शनिवार को विधायक विवेक पटेल ने जिले के कलेक्टर और कृषि विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया था कि किसानो की खराब हुई फसलों का जल्द सर्वे करवारकर किसानों को मुआवजा दिए गए। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ग्राम बिटोड़ी पहुँचे और किसानो के साथ खेत पहुँचकर नष्ट हुई फसलों का जायजा लिया। जहां उन्होंने खेत में सड़ी हुई फसलों को हाथ में पकड़ कर देखा और जल्द ही सर्वे करवारकर किसानों को मुआवजा देने की बात कही । इस दौरान तेजराम नगपुरे, मुकेश बहेटवार, राजकुमार नगपुरे, संदेश बिसेन, सत्तू बिसेन, विक्की बहेटवार, कुमेश बहेटवार, अनिल नगपुरे, महादेव ठाकरे, मुन्नालाल नगपुरे,सोमा लिल्हारे,हनस बहेटवार सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। फसलों के नुकसान के बाद भी बीमा कंपनी राजस्व विभाग और कृषि विभाग की टीमों के द्वारा अब तक किसी प्रकार का सर्वे नहीं किया गया है। किसानो का कहना है कि हर साल बीमा का प्रीमियम भरने के बावजूद नुकसान की स्थिति में कोई अधिकारी खेतों तक नहीं पहुंचता है। सर्वे कागजो में पूरा कर दिया जाता है और किसानो को कुछ नहीं मिलता। किसान लगातार प्रशासन से वास्तविक सर्वे और राहत राशि की मांग करते रहता हैं मगर शासन प्रशासन के द्वारा किसानों की मांगों को अनसुना करते हैं और उन्हें सिर्फ अंत में झुनझुना ही मिलता है। विधायक विवेक पटेल ने कहा की जैसे ही खेतो में फसले तैयार हुई फसलों में करपा लग गया बीमारियां लगना शुरू हो गई । फिर दो दिनों तक लगातार बारिश शुरू हो गई जिससे फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। मैं भी एक किसान हुं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सिर्फकागजों में किसानों को सुरक्षा देता है ।जिले में हजारों किसान पंजीकृत होने के बावजूद क्लेम भुगतान बहुत कम लोगों तक पहुंच पाता है ,बीमा कंपनी प्रीमियम तो समय पर वसूलती है लेकिन जब खेतों में नुकसान होता है तो सर्वे टीम भेजने में महीनो लगा देती है। हमने किसानो के साथ खुद खेतो में पहुँचकर वास्तविक स्थिति को देखा है। किसानो की साल भर की मेहनत पानी में फिर गई है हम चाहते है की किसानो की नष्ट हुई फसलों का जल्द सर्वे करवाकर उनको मुआवजा दिया जायें।

महाविद्यालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

शासकीय शंकर साव पटेल कला, वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में १ नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का प्रारंभ मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता विक्रांत साकरे ,शिवदयाल बोपचे, सुश्री मनीषा जायसवाल , प्राचार्य डॉ एस एस गेड़ाम के द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। समारोह में उपस्थित अतिथियों, महाविद्यालयीन के छात्र-छात्राओं के द्वारा मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन किया गया। मुख्य अतिथि विक्रांत साकरे के द्वारा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश की गौरवशाली परंपरा, भौगोलिक स्थीति, संस्कृति और विविध संदर्भो पर अपने विचार व्यक्त

कियें। संस्था के प्राचार्य ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश में पर्यटन, उद्योग एवं विज्ञान के क्षेत्र में निरंतर प्रगति होना गौरव का विषय है। इस दौरान तृप्ती सोनवे, हेमन्त गनवीर, पूर्णिमा कुमरे, श्रीमती सविता सेनवार, श्रीमती सरिता नागवंशी, श्रीमती रश्मिबाला पारधी, श्रीमती शिल्पा वसनिक, श्रीमती हर्षिता मेश्राम, श्रीमती मोनिका सोनी, मनोज गजभिये, इमरान खान, पवन सिंह, विजय दान्दरे, तपेश चौरे, सुनिल कुमार चौरे, संतोष कुमार गोखले, पराग पालेवार, उपस्थि रहे।

बांसी की सड़क खस्ताहाल, ग्रामीण आक्रोशित

सड़क का पक्का निर्माण करने ग्रामवासी कर रहे मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसी के मशीन चौक से बस्ती के लिए पहुंच मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खस्ताहाल हो गई है। जहां छोटे बड़े अनगिनत गड्ढे और कीचड़ फैला हुआ है इस मार्ग से लोगों को आने जाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ रही है। तो वहीं राहगीर व ग्रामीणों को दुर्घटना ग्रस्त भी कई मर्तबा होना पड़ रहा है। इस मार्ग की स्थिति को देखते हुए ग्राम के लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है किंतु मजबूरी में उन्हें उक्त मार्ग का उपयोग कर आवागमन वर्तमान में करना पड़ रहा है। जिससे वह काफी परेशान है वहीं उक्त मार्ग पर लोगों की खेती किसानी भी स्थित है जहां प्रतिदिन दर्जनों किसान खेतों के लिए आना जाना करते हैं। इसी के साथ विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र में जाने के लिए भी लोग इस मार्ग का चयन कर रहे हैं। यहां सबसे ज्यादा समस्या ग्रामीणों के साथ छात्र छात्राओं और विद्यार्थियों को हो रही है। क्योंकि यह मार्ग वर्षों से कच्चा बना हुआ है जहां मुरुम फैला दी जाती है किंतु व्यवस्थित रूप से सुदूर सड़क या पक्की सड़क का निर्माण नहीं किया जा रहा है। कच्ची सड़क होने के कारण बारिश होने पर मार्ग के अनगिनत छोटे बड़े गड्ढे में पानी भर गया है। पूरे रास्ते में सड़क के ऊपर फैली मिट्टी और धूल गीली होकर कीचड़ फैला हुआ है जहां मोटरसाइकिल और साइकिल स्लिप हो रही है। वही बड़ी दुर्घटना होने की भी संभावना बनी हुई है यह मार्ग बोदलकसा होते हुए बुदबूदा और नरोडी जैसी पंचायत के लिए उक्त क्षेत्र के लोगों के लिए समीप का मार्ग है। ऐसे में विभिन्न ग्राम के लोग और बाहर से आने वाले भी यहीं से सीधा विभिन्न ग्रामों की ओर निकल रहे हैं। इस सड़क के विषय में ग्राम के लोगों के द्वारा अनेकों बार पंचायत की बैठक और अन्य माध्यम से सरपंच को शिकायत की गई है, किंतु पंचायत के द्वारा भी इतनी लंबी सड़क निर्माण करने में असमर्थ साबित हो रही है। यही कारण है कि मार्ग आज भी कच्चा बना हुआ है लोगों को समस्याओं का सामना कर आवागमन करना पड़ रहा है।

मार्ग बनाने सरपंच को कई बार शिकायत की है-उम्मेदलाल दशमेर

ग्रामीण उम्मेदलाल दशमेर में बताया कि यह सड़क सीधे बांसी बस्ती के लिए जाती है। रोड़ बहुत गड़बड़ है आना.जाना तकलीफ भरा है क्योंकि मार्ग में कीचड़ और बहुत ज्यादा गड्ढे हो गए हैं। यहां पर सड़क का निर्माण किया जाना चाहिए किंतु अभी तक रोड़ बनी नहीं है मार्ग की यह स्थिति पिछले कई सालों से बनी हुई है। हर बार मुरूम बिछा दी जाती है परंतु उसे व्यवस्थित दबाया नहीं जाता है। सड़क बनाने को लेकर सरपंच को कई बार हम और ग्राम के लोग बोल चुके हैं परंतु पंचायत द्वारा वर्तमान तक नहीं बनाया गया है अब मजबूरी में आना जाना करना पड़ रहा है।

कीचड़ सड़क पर फैला हुआ है दुर्घटना कभी भी हो सकती है- रमेश मेश्राम

रमेश मेश्राम ने बताया कि इस मार्ग से लोगो का हमेशा आना.जाना लगा रहता है। अभी मैं बांसी से आ रहा हूं रोड़ में बहुत ज्यादा समस्या है बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं उनमें पानी भर गया है कीचड़ भी सड़क पर पूरा फैला हुआ है। दुर्घटना कभी भी हो सकती है क्योंकि आना जाना करते हैं तो साइकिल मोटरसाइकिल सभी स्लिप मारती है। वहीं गाड़ी में यदि डबल और ट्रिपल बैठा ले तो निश्चित दुर्घटना होनी है यह कच्चा रोड़ आगे गंगा जी में जाकर खत्म होता है। एक गांव के लिए यह सड़क है फिर यहां से बोदलकसा निकल कर विभिन्न ग्रामो के लिए भी लोग आना.जाना करते हैं। इस पर गंभीरता से ध्यान देते हुए मार्ग का निर्माण किया जाना चाहिए।

इंडोर स्टेडियम के वूडन डबल कोर्ट में सिंथेटिक सीट लगने कार्य का प्रदीप जायसवाल ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

जनप्रतिनिधियों में अगर खिलाडी गुण हो तो खेल सुविधा में अंतर भी वैश्विक स्तर की तरह नजर आ जाता है। नगर के स्पोर्टस हब इंडोर स्टेडियम के खिलाडीयों ने पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल से मुलाकात कर बैडमिंटन के एकल और युगल वूडन कोर्ट को परिवर्तीत कराकर सिथेंटिक कोर्ट करने की मांग रखी थी। खिलाडियों की मांग पर पूर्व मंत्री के निर्देश पर नपा परिषद ने मांग के साथ ही नपा निधि से नौ लाख रूपये का पैकेज कार्य रिलिज किया था। जिसमें बैडमिंटन सिथेंटिक कोर्ट के साथ प्रकाश व्यवस्था, कैरम व पूल टेबल की सुविधा संयूक्त रूप से थी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की इस डबल कोर्ट के १७ मीटर बाय १८ मीटर पूरे क्षेत्र में सिथेंटिक सीट लगा दी गयी है। जिसे बैडमिंटन विश्व महासंघ के द्वारा पेशेवर मैचो के लिये

भी अधिकारीक रूप से मंजूदी दी गयी है। इस कार्य से इस खेल के खिलाडीयों की उछाल सहित बेहतर पकड में निश्चित ही अंतर प्रतित होगा। साथ ही खिलाड़ी अंतराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं को प्राप्त कर खेल में प्रवीणता हासिल करेगे। श्री जायसवाल ने कहा की इंडोर स्टेडियम के बाजू में एक स्पोर्टस हब गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है। जिसमें खिलाडीगणो के साथ बडे कलाकारो के विश्राम के साथ चेंजिग रूम की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

केशव विद्यालय में स्काउट गाइड का प्रशिक्षण सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव उ. मा. वि. में स्काऊट गाइड के प्रथम एवं द्वित्तीय सोपान का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण के प्रथम दिन बच्चों के द्वारा ग्राऊंड में व्यायाम व पी. टी. का अभ्यास किया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने स्काऊट गाइड झंडे का ध्वजा रोहण कर प्रार्थना की। स्काऊट गाइड के प्रशिक्षक डी बी भगत के द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप शर्मा ने राष्ट्र सेवा, स्काऊट गाइड में कैडेट्स को पूर्ण अनुशासन का पालन करने की बात कही। कार्यक्रम में विद्यालय के स्काऊट गाइड प्रशिक्षक रविशंकर पटले एवं ऋतु अटराहे ने बच्चों के सांस्कृतिक कायक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विद्यालय में मनाया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

केशव इंग्लिश उ. मा. वि. में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया। म.प्र.राज्य के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत की जानकारी विद्यालय के शिक्षक सत्यम् सोनी के द्वारा बच्चों को दी गई। विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप शर्मा के द्वारा म.प्र. का देश में स्थान एवं गरिमा का उल्लेख किया। बच्चों के द्वारा म.प्र. के राजकीय नृत्य राई एवं म.प्र. गान पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में रविशंकर पटले, जितेन्द्र टेंभरे, ऋतु अटराहे, सोनाली गोस्वामी ,तृप्ती बिसेन का विशेष योगदान रहा।

सीनियर बालक छात्रावास में मनाया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम झालीवाड़ा में शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। जिसके पश्चात सभी अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वहीं विधायक पटेल के हस्ते छात्रावास की बालिका अंशु गजभिए को दसवीं वी क्लास में ९६ प्रतिशत बनाकर छात्रावास का नाम रोशन करने के लिए प्रमाण पत्र और नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। जिसके पश्चात बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक नृत्य और नाटक के माध्यम से पढ़ाई के महत्व को बताया। इस दौरान छात्रावास अधीक्षक सौरभ मेश्राम,जागेंद्र वासनिक, तेजराम नगपुरे, महादेव ठाकरे, विशाल वाहने,उदेलाल तुरकर,प्रताप अडमे, खुशाल राहंगडाले, जितेंद्र पटले, दशरथ आमाडारे, मनोज टेंभरे, अरविंद देशमुख, सुरेश बारेकर, हेमलता सलामे,सुनीता पटले,संगीता वैष्णव सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा की छात्रावास इसलिए खोला जाता है की दूर से आये हुए बच्चे वहाँ रहकर पढ़ाई करें। छात्रावास हमें अनुशासन सिखाता है छात्र.छात्राए अपने माता पिता को छोड़कर छात्रवास में रहकर पढ़ाई करते है । बच्चों के माता पिता चाहते है हमारे बेटा बेटी पढाई करके नौकरी करें या समाज की सेवा करें पिता खुद पुराने कपड़े पहनते है। मगर अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देता है मेहनत की कमाई अपने बच्चों को पढ़ाने में लगा देता है। बाबा साहेब कौन थे महात्मा गाँधी कौन थे सभी को पता रहना है पढ़ाई के वक्त समय लौटकर कभी नहीं आता है। आप लोगो को अभी से तय करना चाहिए की हमें आगे चलकर क्या बनना है।

हवा भी तस्दीक कर रही कटघरे में गवाही के लिए

त्रिलोक महावर की कविताएँ

कवि परिचय

1995-96 में बालाघाट कलेक्ट्रेट में एक बेहद संवेदनशील अफसर बालाघाट के एडिशनल कलेक्टर

हुआ करते थे- सीधे,सरल और शांत चित्त. वे थे त्रिलोक चंद्र महावर यानि टीसी महावर! अब वे छत्तीसगढ़ राज्य में आईएएस होकर रिटायर्ड हो चुके हैं किन्तु हिन्दी के बेहद चर्चित नाम हैं. उल्लेखनीय है कि महावर के अब तक विस्मित ना होना, इतना ही नमक, नदी के लिए सोचो, हिज्जे सुधारता है चांद, शब्दों से परे 5 कविता संग्रह आ चुके हैं तथा पं मदन मोहन मालवीय स्मृति पुरस्कार, नई दिल्ली, अंबिका प्रसाद दिव्य पुरस्कार एवं पंजाब कला साहित्य अकादमी राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित भी हो चुके है. आजकल वे छत्तीसगढ़ प्रशासनिक अकादमी, रायपुर के संचालक हैं.

सम्पर्क- tmtcm6@gmail.com

इन दिनों वे रायपुर में रहते हैं.

उनकी कुछ कवितायेँ प्रस्तुत हैं -

किन्शुक

गौतमी पुत्र सातकर्णी की कटार से भी तीखी हरित् शुक्
की चोंच से भी नुकीली फिर भी रक्त पाल से बहुत परे
दहकती अंगारों सी धधकती अग्निशिखा
भले ही जंगल हो आगोश में तुम्हारे
पर तुम्हारी सौम्यता का क्या कहना
झरते ही रंगोली हो गये
बसंत सेना क्या आई तुम हाथ से निकल गये रंग हो गये
पिचकारी की धार से अन्तर्मन
अन्तर्तम् न जाने क्या-क्या रसमय कर गये
रंगरेज को हर बरस रहता है बेसब्री से तुम्हारा इन्तजार
पर, इस बार ये क्या हुआ
बिलकुल उलट जगह-जगह अग्निशिखा दहकते जीवन
पुष्प
जंगल नहीं घर-घर
दस्तक देती बसन्त की बस अंत करने बयार
राग रंग से परे अरमानों की होली में किस मुंह से आना
हुआ
तुम्हारा है किन्शुकराज

महुआ

दिवास्वप्न् नहीं फिर भी
भरम में हैं आँखें
हवा भी तस्दीक कर रही है
कटघरे में गवाही के लिए
मादक गंध से न्याय के देवता लड़खड़ाने के कगार पर हैं
मन बहकने लगा है
अंग प्रत्यंग में अनंग की प्रत्यंचा की टंकार से बेलगाम
हो रहा है
जूडीताप
सफेद चादर सी बिछ गई है
लेकिन ठिठुरने की कोई गुंजाइश नहीं है
लोक गीत गाती
महुआ बटोर रही
धीरे-धीरे टोकरी में
सखियों के संग
ये ओले तो नहीं मोगरा भी नहीं सफेद हीरे हैं महुआ के
फूल हैं
जंगल, रास्ते, हाट, गाँव
घर, आँगन महुआई धमक से अछूते नहीं
बहुरुपिया हैं महुआ के फूल हाय आते ही
तब्दील हो जाते हैं लड्डू में कभी कजरी के आहार में
कभी चुग्गे में
शाम के संग महुआ बहेगा
महुआ भी झूमेगी चेल्हिक के साथ
मान्दर की थाप के साथ थिरकेगा सारा गाँव
सरगी के दोने में तुम्बे से छलक छलक बहती
मदिराई नदी के आगोश में है सारा गाँव
इधर कोचियो की साजिश से बेखबर
वातानुकूलित गोदामो में हिरासत में हैं नीलामी की बारी
के इन्तजार में महुआ के फूल
महुआ का फूल सफेद होता है, तीखी सुगंध
युक्त, महुआ, गाँव की महिला का नाम, सरगी या सरई
इमारती लकड़ी का पेड़ जिसके पत्तों से दोना बनता है.
चेल्हिक साथी. मान्दर ढोलक नुमा पर 4 से 5 फुटिया
वाद्य.

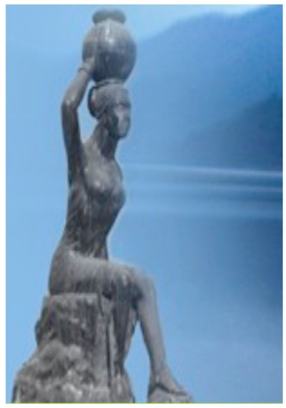

पारिजात

सारी रात जागा चांद पोर पोर में उजास भर गई चांदनी
सुबह धरती पर बिछ गई कपसीली चादर
सूरज की पहली किरण के साथ शंखनाद और घंटों की
ध्वनि से टूटी देवताओं की तन्द्रा
वे तुम्हारी प्रतीक्षा में हैं एकमात्र तुम ही स्वीकार्य हो उन्हें
धरती पर गिरकर भी
उठने का गुर तो कोई तुमसे सीखे देवताओं के चरण,
बाहु, कंठ और मस्तक पर तो
तुम्हारा वर्चस्व है
कहीं उदधि से
जन्म लेने का प्रताप तो नहीं या सत्यभामा का वह हठ तो
नहीं जिस कारण श्रीकृष्ण ने घनघोर युद्ध में जीत लिया
तुम्हें
फूलते तो हो सत्यभामा के आँगन में झरते हो रुक्मणी के
भाग में ये सब कहाँ से सीखा
रंग मंदिर में सज गये केश विन्यास में भी कोई विकल्प
नहीं छोड़ा
इतने छोटे इतने कोमल सुकोमल देह तले भी बिछ गये
तुम्हारी छाँव
सोलह कलाओं का साया है जहाँ झरते हैं अमृत बन फूल
तुम बहुत मायावी हो पारिजात
चंपा
कवि नीरज ने शाम के लिए रंग भी घोला तो तुम्हें भूले
नहीं
ये बात अलहदा है कि तुम सुरमई अन्धेरे की सरहद हो
सुबह का गुमान हो उम्मीद की पहली सुनहली किरण हो
भले ही तुम्हारे नाम से कोई शीशी
इत्रदान में नहीं सज पाई फिर भी गंधी से कोई शिकायत
नहीं
अन्जुरी में तुम्हारी स्निग्धता का कहना
रोमांच की अभिव्यक्ति शब्दों से परे है महक तो ऐसी न
हुई न होगी कभी
राजप्रासाद और शबरी की कुटिया में भी कोई भेद नहीं
किया कभी अभिमान भी नहीं किया देवताओं के
चरणों में अर्पण का नही सेज पर सजने का पत्ते के
दोने में भी अक्षुण्ण रहा रूप लावण्य तुम्हारा स्वर्ण सा ओ
चंपा

चंदैनी गेंदा

यह बात अलहदा है न रसिकों ने गले लगाया नही
कलाइयो में तवज्जो दी
रमणियों के केश विन्यास में गजरा भी न हो सके सेज
पर सजने का खयाल तो दिवास्वप्न ही था
कोमलान्गियो के पैरों तले बिछना हमारे भाग्य में न था
श्रेष्ठि जनों की वरमाला को हमसे परहेज ही रहा
भले ही बागवान की पहली पसंद न हों पर वसंत हमारे
बगैर कभी पूरा न हुआ
आँगन में तुलसी चौरा को हमसे कभी गुरेज नहीं रहा
दूर्वा के साथ पूजा के
डलिए में जगह बना ही ली हमने
गाँव, गलियां खेत, बाड़ियाँ नदी, ताल, तलैया के किनारे
हमारे हैं
धूल के फूल माटी के लाल ही सही सुनहले गठीले
चटखीले चंदैनी गेंदा हैं हम

तिखुर

क्या देख लिया ऐसा शरमा गये कौन है वो मल गया
धवल पंखुरियों पर बेमौसम गुलाल
रूप तो पाया इतना अच्छा बता दो रस कहाँ से पाया
धरती में गागर में छिपाया
एक दिन आयेगी फूलो अपने खुरदरे हाथों से तोड़ेगी
सजा लेगी जूड़े में और संचित निधि झोली में फिर
देखेगी तुम्हें सफेद रस की बूंदों में
तुम्हारा कंद रस बनकर जम रहा है शनैः शनैः
हाट में फूलो ने महुआ की छाँव में सजा ली है छोटी सी
दुकान
पांच रुपये में एक पायली हुआ है सौदा बड़ी दुकान मे
अब बिकेगा पांच रुपये किलो शाम हो रही है खुशी-
खुशी फूलो गाँव लौट रही है
तिखुर बिक चुका है पर तिखुर का फूल मुरझा रहा है
(तिखुर जंगल में पाया जाने वाला कंद जिसका रस
सुखाकर उपवास में तथा शरवत में उपयोगी होता है.
इसके फूल सफेद और गुलाबी होते हैं, जो मनमोहक होते
हैं. एक पायली दो सेर या पौने दो किलो लगभग)

पेंजई 1

पीठ फेरते ही वे दाग देंगे दस-बीस गोलियाँ और एक
खंजर उतार देंगे आर-पार ऐसी उम्मीद तो कतई न थी
बातें सब तय हो चुकी थीं ढाई इन्च की मुस्कान के साथ
कहा था उन्होंने %बाय% कल फिर मिलने का वादा था
पर कल के लिए कुछ भी बाकी नहीं छोड़ा था उन्होंने
यकीनन भरे होंगे किसी दोस्त ने कान कान का भरा
जाना उतना खतरनाक नहीं है
जितना कान का कच्चा होना
एक अर्से बाद जब होगा उन्हे एहसास
कि वे गलत थे
तब तक पेंजई के फूलों में उभरे स्केल्टन हो चुके होंगे
हम
पेंजई के फूल बसंत में खिलते हैं. इन फूलों की
पंखुड़ियों में मानव सिर का कंकाल डरावना दिखाई देता
है. इन फूलों को देखते हुए लगता है मानो बगीचे में
स्केल्टन ही स्केल्टन पंखुड़ियो पर छा गये हैं.

पेंजई-दो

यूगोस्लाविया पर तड़के बरसाये गए बम और बगीचे
की-मिट्टी भूरी से लाल हो गई
बसंत आने पर
बगीचे में खिले
पेंजई के फूलों को
देखते हुए लगा
टीटो के बच्चों के
स्केल्टन हैं
एक-दो-तीन न जाने कितने तितलियों से वे सवाल
करते हैं तितलियाँ पकड़ते-पकड़ते वे
फूल कैसे हो गए.

विकल्प का ईंधन में पर्यावरण संरक्षण का सवाल

इथेनाल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम और शून्य कार्बन

देश में इथेनाल मिश्रित ईंधन को बढ़ावा देना आत्मनिर्भरता और जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने के आलोक में एक अहम कदम माना जा रहा है। मगर इससे वाहनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंकाएं भी पैदा हुई हैं, जिनका निराकरण हो जाए तो भारत इस मामले में वैश्विक स्तर पर एक नजीर बन सकता है।

देश में बीस फीसद इथेनाल मिश्रित ईंधन को बढ़ावा देना वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता के बीच जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने के आलोक में एक बड़ा कदम है। इसे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने की दिशा में हो रहे प्रयासों की एक कड़ी बताया जा रहा है। मगर इससे वाहनों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव जैसे इंजन में जंग लगना और कम 'माइलेज' यानी ज्यादा तेल में कम दूरी तय करने की आशंकाएं भी पैदा हो गई हैं। इसके अलावा इथेनाल उत्पादन से जुड़े पर्यावरणीय प्रभाव भी एक अहम मसला है। अगर इन आशंकाओं का निराकरण हो जाए और इथेनाल का व्यापक स्तर पर उत्पादन और इसे सुचारु रूप से वाहनों तक पहुंचाने की निरंतरता सुनिश्चित हो जाए, तो भारत वैश्विक स्तर पर एक नजीर बन सकता है।

देश में पेट्रोल पंपों पर अब बीस फीसद इथेनाल मिश्रित पेट्रोल उपलब्ध होने लगा है। सरकार की ओर से काफी पहले से इसकी तैयारी की जा रही थी। यह सैद्धांतिक रूप से जैव ईंधन का एक विकल्प है तथा वैश्विक जिम्मेदारियों, जैसे जलवायु भागीदारी और आर्थिक एवं कूटनीतिक दृष्टिकोण से भी यह भारत के दूरगामी हित में भी है। माना जा रहा है कि बीस फीसद इथेनाल मिश्रित पेट्रोल भारत की कर्जा रणनीति का अहम हिस्सा है। मगर यह विकल्प सभी मौजूदा वाहनों तथा उपभोक्ताओं के अनुकूल है, इस पर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। मौजूदा परिस्थितियों में उपभोक्ता बीस फीसद इथेनाल को एक बेहतर विकल्प के बजाय मजबूरी समझ रहे हैं। जाहिर है, उपभोक्ताओं के भ्रम को दूर कर उन्हें इसके लिए मानसिक रूप से तैयार करना होगा।

हालांकि इथेनाल मिश्रित ईंधन कोई नया विचार नहीं है, लेकिन भारत के लिए बीस फीसद इथेनाल मिश्रित इंधन एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना जरूर है। अमेरिका में वर्षों से ईंधन में दस फीसद इथेनाल मिश्रण प्रचलन में

है। ब्राजील इस मामले में दुनिया के अग्रणी देशों में रहा है। दुनिया के सबसे बड़े गन्ना उत्पादक देश होने का फायदा उठाते हुए ब्राजील ने 1970 के दशक से ही इथेनाल मिश्रण की नीति अपनाई, जिससे वहां इंधन के संकट को कम करने में मदद मिली। ब्राजील ने अपनी इस दूरदर्शी नीति के तहत वर्षों तक गन्ने की पैदावार में लगातार सुधार किया, इसके प्रसंस्करण की नई इकाइयां स्थापित की और साथ ही साथ इथेनाल ईंधन के अनुकूल बाहन भी विकसित किए। मगर भारत में जलवायु लक्ष्य और पेट्रोलियम पदार्थों के आयात को लेकर वैश्विक खींचतान के बीच उपभोक्ताओं, निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं की इस बदलाव को अपनाने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाया।

देश में इथेनाल मिश्रित पेट्रोल नीति को लागू करने की चर्चा काफी पहले से थी, लेकिन इंजन पर इसके प्रभाव और माइलेज को लेकर भी उपभोक्ता अपनी आशंकाएं लगातार जाहिर कर रहे थे। देश के निचले एवं मध्यवर्ग के लिए वाहन की माइलेज (एक लीटर ईंधन में वाहन द्वारा तय की गई दूरी) बहुत मायने रखती है। मौजूदा इथेनाल मिश्रित पेट्रोल नीति वाहन के माइलेज को लेकर स्पष्ट नहीं है। दूसरी और अनुमान था कि बीस फीसद इथेनाल मिश्रित पेट्रोल सामान्य पेट्रोल से कुछ सस्ता होगा। मगर यह नीति जब धरातल पर उत्तरी तो उपभोक्ताओं की अपेक्षा के विपरीत इथेनाल मिश्रित ईंधन के दाम में कोई कमी नहीं की गई। यह तथ्य वैज्ञानिक रूप से स्थापित है कि गैर फ्लेक्स फ्यूल इंजनों में मिश्रित ईंधन से जंग लगने का डर है.

दुनिया में कुल इथेनाल उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी करीब पांच फीसद ही है, फिर भी वह बीस फीसद इथेनाल मिश्रित पेट्रोल के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह भारत की वर्ष 2070 तक 'नेट-जीरो' यानी 'शून्य कार्बन' लक्ष्यों को लेकर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हालांकि इस मसले पर भारत की अमेरिका से तुलना का कोई अर्थ नहीं है, जहां वैश्विक इथेनाल का पचास फीसद उत्पादन के बाद भी वह दस फीसद इथेनाल मिश्रित ईंधन के लक्ष्य से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। वैसे भी अमेरिका जलवायु परिवर्तन को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा है और न ही उसे वर्ष 2050 तक अपनी 'नेट-जीरो' की प्रतिबद्धता की चिंता है।

खतरा बना रहता है और समस्याएं कम माइलेज से कहीं आगे तक जाती हैं। हालांकि इथेनाल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम का उद्देश्य ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के साथ ही देश के किसानों की आय में बढ़ोतरी करना भी है। दरअसल, इथेनाल का उत्पादन गन्ने और मक्के के तने से किया जाता है। ऐसे में किसानों को इन फसलों का उत्पादन बढ़ान के लिए सरकार की ओर से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इथेनाल पेट्रोल में मिलाया जा सकता है, पर इसके गुण कई मायने म पेट्रोल से एकदम भिन्न है। इथेनाल बहुत तेजी से जलता है और यह प्रति यूनिट लगभग चौतीस फीसद कम ऊर्जा देता है। चूंकि इथेनाल थोड़ी मात्र में पानी को सोख सकता है, इसीलिए इसके इस्तेमाल से वाहनों के इंजन में जंग लगने की संभावना बनी रहती है और उसकी उम्र घट जाती है। इझन कारण उन देशों में जहां इथेनाल मिश्रित ईंधन इस्तेमाल होता है, वहां वाहन के इंजन में कुछ बदलाव करने और सभी हितधारकों को विश्वास में लेने के बाद ही इस प्रकल्प को लागू किया गया। जो उपभोक्ता इस बदलाव के लिए तैयार नहीं थे या पुराने वाहनों में जहां इंजन में बदलाव संभव नहीं था उनके लिए शुद्ध पेट्रोल और कम मिश्रण वाले ईंधन के विकल्प खुले रखने गए। अमेरिका में इथेनाल मिश्रित इंधन काफी समय से चलन में है, फिर भी वहां उपभोक्ताओं के लिए शुद्ध पेट्रोल का विकल्प आज भी मौजूद है ब्राजील में तो फ्लेक्स फ्यूल इंजन वाले वाहन भी चलन में हैं, जो ईंधन में पेट्रोल की मिलावट के अनुसार खुद को डाल लेते हैं।

दुनिया में कुल इथेनाल उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी करीब पांच फीसद ही है, फिर भी यह बीस फीसद इथेनाल मिश्रित पेट्रोल के महत्त्वाकांचं लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह भारत की वर्ष 2070 तक 'नेट-जीरो' यानी 'शून्य कार्बन' लक्ष्यों को लेकर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हालांकि इस मसले पर भारत की अमेरिका से तुलना का कोई अर्थ नहीं है, जह वैश्विक इथेनाल का पचास फीसद उत्पादन के बाद भी वह दस फीसक इथेनाल मिश्रित ईंधन के लक्ष्य से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। वैसे भी अमेरिका जलवायु परिवर्तन को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा है और न ही उसे च 2050 तक अपनी 'नेट जीरो' की प्रतिबद्धता की चिंता है।

वर्तमान में पर्यावरण को लेकर जोखिमों को कम करके आंकने के कई मुद्दे विमर्श में है और ऐसे में बीस फीसद इथेनाल मिश्रित पेट्रोल की नीति को लेकर वाहन क्षेत्र से जुड़े लोगों और आम उपभोक्ता में भ्रम की स्थिति है। इस मुद्दे पर भारतीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने उपभोक्ताओं की चिंताओं को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा है कि पुराने वाहनों में थोड़े तकनीकी बदलाव की आवश्यकता हो सकत है। नई कारों में 'माइलेज' में एक दो फीसद की कमी आ सकती है जबकि पुरानी कारों में यह छह फीसदी तक हो सकती है। मगर नियमित रखरखाव से इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

इससे साफ है कि उपभोक्ताओं की चिंता बेवजह नहीं है। ऐसे में इर बड़े स्तर के बदलाव के लिए एक व्यापक और सिलसिलेवार ढंग से तैयार की जरूरत है। हालांकि ये सारी कवायद महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि जैव ईंधन के इतर विकल्प तलाशना एक जरूरी वैश्विक प्रकल्प है। इस लिहाज से भारत में बीस फीसद इथेनाल मिश्रित पेट्रोल वाले प्रकल्प का सफल होन बहुत जरूरी है, लेकिन इसके लिए सभी हितधारकों को विश्वास में लेन जरूरी है। इसीलिए यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि इथेनाल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा औक उनका रखरखाव एवं प्रदर्शन भी अच्छा रहेगा।

- कुशाग्र राजेंद्र

ताकि एसआईआर देशभर में सफल हो

बारह राज्यों में हो रही एसआईआर को विपक्ष शासित केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से चुनौती मिल सकती है। ऐसे में, देश भर में एसआईआर को सफल बनाने के लिए चुनाव आयोग को बिहार के अनुभवों से सबक लेते हुए कुछ मुद्दों पर सावधानी बरतने की जरूरत है।

विगत जून में चुनाव आयोग की पहली घोषणा के साथ ही पूरे देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की योजना स्पष्ट हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान नौ अक्तूबर को जस्टिस सूर्यकांत ने कहा था कि बिहार के अनुभवों से सबक लेकर एसआईआर प्रक्रिया को विवेकपूर्ण तरीके से व्यावहारिक बनाने की जरूरत है।

विराग गुप्ता सुप्रीम कोर्ट के वकील

एसआईआर के दूसरे चरण में विवादों को कम करने की दिशा में चुनाव आयोग ने चार जरूरी कदम उठाए हैं। पहला-वोटर लिस्ट से डुप्लीकेट नाम हटाने का तकनीकी प्रयोग दूसरे चरण में हो रहा है। इसके लिए सभी राज्यों की वोटर लिस्ट का डाटा मशीन रीडिंग फॉर्मेट में उपलब्ध कराया गया है। इससे मृत बोटर्स, दो स्थानों में रजिस्टर्ड डुप्लीकेट वोटर्स आदि की पहचान और मिलान आसान हो गया है। दूसरा शुरुआती गणना फार्म के साथ मतदाताओं को कोई दस्तावेज नहीं देना पड़ेगा। 22 साल पहले अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था। उस पुरानी वोटर लिस्ट से वर्तमान मतदाताओं की पैतृक मैपिंग की जाएगी। जिनके नाम पुरानी वोटर लिस्ट में हैं, उन्हें अब कोई दस्तावेज नहीं देना होगा। जिनके माता-पिता, दादा-दादी या नामांकित रिश्तेदारों के नाम पुरानी वोटर लिस्ट में हैं, उन्हें पहचान का एक दस्तावेज देना पड़ सकता है। इस बार अधिक से अधिक लोगों का भौतिक सत्यापन होगा, जिससे आम लोगों की दुश्वारियां कम हो सकती हैं। तीसरा-सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आधार को लिखित तौर पर 12 दस्तावेजों में शामिल किया गया है। आधार में लिखे पते और जन्म तिथि की पड़ताल नहीं होती और यह नागरिकता का कानूनी दस्तावेज नहीं है। लेकिन इसे पहचान के प्रमाण के तौर पर कानूनी मान्यता मिलेगी। चौथा, राष्ट्रीय मतदाता केंद्र (एनसीसी) राज्यों के लिए केंद्रीय हेल्पलाइन के तौर पर काम करेगा। मतदाताओं की शिकायतों और शंकाओं के समाधान के लिए 36 राज्य व जिला स्तरीय हेल्पलाइन शुरू की गई हैं। चुनाव आयोग के पोर्टल के माध्यम से मतदाता बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से बात करके शिकायत का निवारण कर सकते हैं। बारह राज्यों में हो रही एसआईआर को विपक्ष शासित केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती मिलना लाजिमी है।

विवादों को सीमित करके देश भर में एसआईआर को सफल बनाने के लिए चुनाव आयोग को इन छह मुद्दों पर सावधानी बरतने की जरूरत है। पहला-प्रधानमंत्री ने घुसपैठ को खतरा बताते हुए उसके खिलाफ उच्चस्तरीय जनसांख्यिकी मिशन का एलान किया है। उसके अनुसार, गृह मंत्रालय ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्यवाही से जुड़े कानूनों के अमल में सख्ती बढ़ाई है। चुनाव आयोग को नागरिकता के निर्धारण का अधिकार नहीं है। फिर भी अनुच्छेद-326 के तहत पुरानी मतदाता सूची और 12 सहायक दस्तावेजों के आधार पर नागरिकों के नाम को ही मतदाता सूची में शामिल करना चुनाव आयोग की सांविधानिक जिम्मेदारी है। इसलिए, मतदाता सूची के शुद्धीकरण को घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के तौर पर पेश करने के नैरेटिव से बचने की जरूरत है।

दूसरा-जनगणना, मतदाता सूची के शुद्धीकरण और जातीय जनगणना जैसे काम राज्य सरकार की मशीनरी से होते हैं। इसमें प्रशासनिक बोझ बढ़ने के साथ बड़े पैमाने पर सरकारी पैसा भी खर्च होता है। एसआईआर के साथ अगले साल 2026 से देश भर में जनगणना का काम भी शुरू हो जाएगा। कनार्टक जैसे कई राज्य जातिगत जनगणना के नाम पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। केंद्र सरकार को राज्यों के साथ मिलकर जनगणना के साथ राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अपडेट करने के साथ आधार कार्ड के फर्जीवाड़े को दुरुस्त करने का प्रयास करना चाहिए।

तीसरा-बिहार में एसआईआर के बाद 68 लाख से ज्यादा नाम कटे और 21.53 लाख नाम जोड़े गए। कई आलोचक यह सवाल उठा रहे हैं कि बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया में कितने विदेशी लोगों के नाम काटे गए? स्पष्ट जवाब देने के बजाय इस मुद्दे पर चुनाव आयोग ने रणनीतिक चुप्पी साध रखी है। लेकिन विपक्षी दल भी प्रवासी या अल्पसंख्यकों के नाम संगठित तौर पर वोटर लिस्ट से हटाए जाने के आरोपों पर प्रामाणिक आंकड़े नहीं दे पा रहे हैं। प्रशासनिक भ्रष्टाचार और राजनीतिक कारणों से घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाना मुश्किल है। फिर भी वोटर लिस्ट के शुद्धीकरण को नागरिकता के सत्यापन की चर्चा से चुनाव आयोग को अलग रहने की जरूरत है। चौथा-एनआरसी के तहत सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में असम में 3.3 करोड़ लोगों की नागरिकता साबित करने का बड़ा अभियान चलाया गया था। मूल बजट से पांच गुना ज्यादा 1,600 करोड़ रुपये की लागत वाले उस अभियान के बाद 19 लाख लोगों का नाम सूची से बाहर कर दिया गया। लेकिन लंबी-चौड़ी कवायद के बावजूद किसी की नागरिकता रद्द करने का निर्णायक नतीजा नहीं निकला। इसलिए, एसआईआर के माध्यम से घुसपैठियों की पहचान करना मुश्किल हो सकता है। वैसे भी इस काम के लिए चुनाव आयोग के बजाय केंद्रीय गृह मंत्रालय को कानूनी अधिकार दिए गए हैं। पांचवां-घुसपैठियों की संख्या के बारे में सभी पार्टियों की सरकारों के दौरान आंकड़े सामने आए हैं। वर्ष 1997 में गृहमंत्री इंद्रजीत गुप्त (कम्युनिस्ट पार्टी) ने एक करोड़, वर्ष 2001 में भाजपा सरकार के टास्क फोर्स ने 1.5 करोड़, वर्ष 2004 में कांग्रेस सरकार में मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने 1.2 करोड़, वर्ष 2016 में भाजपा सरकार के गृहराज्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दो करोड़ अवैध अप्रवासियों का सरकारी अनुमान दिया था। ऐसे दो करोड़ घुसपैठियों का नाम एसआईआर के बाद नई मतदाता सूची में शामिल नहीं होना चाहिए। छठवां-प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार सान्याल के न्यायपालिका पर बयान के दूसरे पहलू पर चुनाव आयोग प्रभावी तरीके से अमल करे, तो अधिकांश विवाद खत्म हो सकते हैं। सान्याल ने कहा था कि एक फीसदी गलत लोगों पर अंकुश लगाने के लिए 99 फीसदी सही जनता पर सख्त कानून और जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया लागू करना गलत है। इसलिए, घुसपैठियों की पड़ताल के नाम पर करोड़ों अशिक्षित और गरीब लोगों को फार्म भरने और दस्तावेज देने की कठिन प्रक्रिया से बचाने का यत्न होना चाहिए। सिर्फ भारतीय नागरिकों का नाम वोटर लिस्ट में शामिल करने की सांविधानिक जवाबदेही पूरी करने के लिए चुनाव आयोग को संदिग्ध घुसपैठियों की डाटा मैपिंग करने की जरूरत है।

एसीसी का मुनाफा बढ़कर 1,119 करोड़ हुआ

मुंबई (एजेंसी)। अंबुजा सीमेंट की सहायक कंपनी एसीसी का वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में मुनाफा 460.6 प्रतिशत बढ़कर 1,119.23 करोड़ रुपये हो गया। इसमें वृद्धि उच्च प्रीमियम बिक्री और पहले की अवधियों से जुड़े कर समायोजन के कारण हुई। एसीसी ने अदालती फैसलों के बाद इस अवधि में अपनी कर देनदारियों और प्रावधानों का फिर से मूल्यांकन किया। इन फैसलों के आधार पर प्रबंधन ने तय किया कि पिछले वर्षों के कुछ प्रावधानों की अब जरूरत नहीं है और पिछली अवधियों से संबंधित कर समायोजन और बट्चे खाते वाले 658.42 करोड़ रुपये (31 मार्च, 2025 तक 12.36 करोड़ रुपये) फिर से खाते में ले लिए गए। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में एसीसी का कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) सालाना आधार पर 139.2 प्रतिशत बढ़कर 763 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के लिए एसीसी का राजस्व 5,932 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल की तुलना में 23.8 प्रतिशत अधिक है और दूसरी तिमाही में अब तक का सर्वोच्च स्तर है। एसीसी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में सीमेंट की मांग मध्यम रही और सालाना 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से आर्थिक धारणा में सुधार हुआ है। विश्लेषकों के 295.4 करोड़ रुपये के अनुमान से कहीं ज्यादा लाभ रहा। राजस्व भी विश्लेषकों के 5,307.7 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक रहा।

भारत का राजकोषीय घाटा नियंत्रण में, आर्थिक वृद्धि का रास्ता साफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-सितंबर में राजकोषीय घाटा 5.73 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया, जो पूरे वर्ष के बजट लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत है। यह घटता राजकोषीय घाटा अर्थव्यवस्था में स्थिरता और विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। अप्रैल-सितंबर में सरकार की कुल प्राप्तियां 17.30 लाख करोड़ रुपए और कुल व्यय 23.03 लाख करोड़ रुपए रही। यह क्रमश: बजट में निर्धारित लक्ष्य का 49.5 प्रतिशत और 45.5 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की समान अवधि में व्यय 21.1 लाख करोड़ रुपए था। कुल राजस्व 16.95 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें कर राजस्व 12.29 लाख करोड़ और गैर-कर राजस्व 4.66 लाख करोड़ रहा। ऋब्बृ से 2.69 लाख करोड़ रुपए का लाभांश प्राप्त होने से गैर-कर राजस्व में वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 2.11 लाख करोड़ से अधिक है। सरकार ने राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे परियोजनाओं पर खर्च बढ़ाया, जिससे आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। घटता राजकोषीय घाटा सरकार की उधारी को कम करता है, जिससे बैंकिंग प्रणाली में ऋण उपलब्धता बढ़ती है और उपभोक्ता व कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ावा मिलता है।

कमर्शियल सिलेंडर के दाम पांच रुपए घटे, अब 1,590.50 रुपए प्रति सिलेंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी का असर अब भारत के ऊर्जा क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। नवंबर 2025 की शुरुआत के साथ ही देश की तीनों सरकारी तेल विपणन कंपनियों—इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 5 रुपए की कटौती की है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,595.50 रुपए से घटकर 1,590.50 रुपए हो गई है। कोलकाता में यह अब 1,694, मुंबई में 1,542 और चेन्नई में 1,750 रुपए प्रति सिलेंडर हो गई है। सभी महानगरों में 5 प्रति सिलेंडर की समान राहत दी गई है। नई दरें 1 नवंबर 2025 से लागू हो गई हैं। हालांकि, घरेलू एलपीजी (14.2 किलो सिलेंडर) के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल कंपनियों के अनुसार हाल के हफ्तों में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने के कारण एलपीजी की उत्पादन लागत में कमी आई है। चूंकि एलपीजी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस प्रोसेसिंग का उप-उत्पाद है, इसलिए क्रूड की कीमतों में गिरावट का सीधा असर इस पर पड़ता है। इसीलिए कंपनियों ने होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों को राहत देने के लिए कमर्शियल सिलेंडर सस्ता करने का निर्णय लिया है। वहीं, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। दिल्ली में घरेलू रसोई गैस का 14.2 किलो वाला सिलेंडर अब भी 853 प्रति यूनिट पर उपलब्ध रहेगा।

दुबई से भारत का चावल महंगे दाम में खरीद रहा बांग्लादेश

ढाका (एजेंसी)। मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और ढाका के बीच संबंधों में खटास आई। इसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश ने भारत से सीधे चावल आयात को कम कर दिया। सरकार का कहना है कि यह कदम भारत के साथ ट्रेड डेफिसिट को बढ़ने से रोकने के लिए लिया गया। बांग्लादेश फूड मिनिस्ट्री की योजना के अनुसार 100,000 टन चावल आयात किया जाएगा। इसमें 50,000 टन पारबॉयल्ड चावल म्यांमार से और 50,000 टन नॉन-बासमती पारबॉयल्ड चावल दुबई से खरीदा जाएगा। दुबई से खरीद का मूल्य यूएसडी 355.99 प्रति टन है, जबकि म्यांमार से यूएसडी 376.50 प्रति टन। कुल लागत लगभग 323 करोड़ रुपये होगी। विशेषज्ञों के अनुसार दुबई अपना अधिकांश चावल भारत से इम्पोर्ट करता है। बांग्लादेश को भारत से सीधे खरीदने का विकल्प मौजूद होने के बावजूद उसे एक इंटरमीडियरी कंपनी के जरिए दुबई से लेना पड़ रहा है। यह कदम अतिरिक्त खर्च पैदा कर रहा है और जनता के पैसों की बर्बादी माना जा रहा है। खाद्य विभाग के प्रोक्योरमेंट डायरेक्टर मोहम्मद मोनिरुज्जमां का कहना है कि सप्लायर का ऑफिस दुबई में है। चावल का स्रोत भारत है। मीडिया रिपोर्ट आने पर हम क्या कह सकते हैं। सरकार का तर्क है कि यह कदम ट्रेड डेफिसिट को संतुलित करने और राजनीतिक तनाव कम करने के लिए आवश्यक था।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताहभर उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई (एजेंसी)। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन देखा, जिसमें सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक वैश्विक आर्थिक संकेतों और विदेशी निवेश प्रवाह से प्रभावित रहे। सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी मुद्रास्फीति रिपोर्ट उम्मीद से कमजोर आई, जिससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं मजबूत हुईं और वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली। सोमवार को सेंसेक्स 84,482.64 अंक पर खुला और 84,778.84 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,880.15 अंक से 25,966.05 अंक पर समाप्त हुआ। मंगलवार को अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते की उम्मीद और फेड की कटौती की संभावनाओं ने बाजार को शुरुआती कारोबार में बढ़त दी, लेकिन अंत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों गिरावट में बंद हुए। बुधवार को फेड की ब्याज दर पर कोई तत्काल निर्णय न होने और विदेशी निवेश प्रवाह से बाजार ने तेजी दिखाई, सेंसेक्स 84,997.13 अंक पर और निफ्टी 26,053.90 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, गुरुवार को विदेशी पूंजी निकासी और फेड के अनिश्चित संकेतों के चलते बाजार में गिरावट आई। सेंसेक्स 84,404.46 अंक पर और निफ्टी 25,877.85 अंक पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत, शुक्रवार को बाजार सपाट रुख के साथ बंद हुआ, जिसमें सेंसेक्स 83,938.71 अंक और निफ्टी 25,722.10 अंक पर समाप्त हुए। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की धारणा वैश्विक संकेतों, ब्याज दरों और विदेशी पूंजी प्रवाह पर निर्भर रही। सप्ताहभर के उतार-चढ़ाव ने यह साफ किया कि बाजार में विदेशी आर्थिक नीतियों और घरेलू निवेश प्रवाह का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। आने वाले सप्ताह में वैश्विक आर्थिक घटनाओं और फेड के संकेतों पर बाजार की नजरें रहेंगी।

3 नवंबर से बदले यूपीआई के नियम, अब ट्रांजेक्शन होंगे और तेज़

नई दिल्ली। 3 नवंबर से यूपीआई ट्रांजेक्शन नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई की सेटलमेंट प्रक्रिया को और तेज़ व पारदर्शी बनाने के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब तक रोजाना 10 आरटीजीएस सेटलमेंट साइकल में ऑथराइज्ड यानी सही और डिस्प्यूट यानी विवादित ट्रांजेक्शन एक साथ प्रोसेस होते थे, जिससे देरी होती थी। अब एनपीसीआई ने इन्हें अलग-अलग साइकल में बाँट दिया है। पहले दस साइकल सिर्फ ऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन के लिए होंगे। वहीं, विवादित ट्रांजेक्शन के लिए दो नए साइकल बनाए गए हैं, डीसी1 (मिडनाइट से दोपहर 4 बजे तक) और डीसी2 (दोपहर 4 से मिडनाइट तक)। फाइल नेमिंग में अब इनका अलग पहचान कोड जोड़ा जाएगा। इस बदलाव से सेटलमेंट प्रोसेस समय पर पूरी होगी, विवादों का समाधान तेज़ी से होगा और ग्राहकों को रिफंड जल्दी मिलेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे डिजिटल पेमेंट सिस्टम अधिक भरोसेमंद बनेगा और फिनटेक कंपनियों को नई सेवाएं जैसे क्रेडिट ऑन यूपीआई, बीएनपीएल और ईएमआई लॉन्च करने में आसानी होगी।

कमर्शियल सिलेंडर के दाम पांच रुपए घटे, अब 1,590.50 रुपए प्रति सिलेंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी का असर अब भारत के ऊर्जा क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। नवंबर 2025 की शुरुआत के साथ ही देश की तीनों सरकारी तेल विपणन कंपनियों—इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 5 रुपए की कटौती की है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,595.50 रुपए से घटकर 1,590.50 रुपए हो गई है। कोलकाता में यह अब 1,694, मुंबई में 1,542 और चेन्नई में 1,750 रुपए प्रति सिलेंडर हो गई है। सभी महानगरों में 5 प्रति सिलेंडर की समान राहत दी गई है। नई दरें 1 नवंबर 2025 से लागू हो गई हैं। हालांकि, घरेलू एलपीजी (14.2 किलो सिलेंडर) के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल कंपनियों के अनुसार हाल के हफ्तों में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने के कारण एलपीजी की उत्पादन लागत में कमी आई है। चूंकि एलपीजी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस प्रोसेसिंग का उप-उत्पाद है, इसलिए क्रूड की कीमतों में गिरावट का सीधा असर इस पर पड़ता है। इसीलिए कंपनियों ने होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों को राहत देने के लिए कमर्शियल सिलेंडर सस्ता करने का निर्णय लिया है। वहीं, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। दिल्ली में घरेलू रसोई गैस का 14.2 किलो वाला सिलेंडर अब भी 853 प्रति यूनिट पर उपलब्ध रहेगा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपका कोई कानूनी मामला यदि आपको टेंशन दे रहा था, तो उसमें भी सुधार होगा और पारिवारिक एकता बनी रहेगी। यदि आप कहीं घूमने-फिरने जाएं, तो अपने पिताजी से सलाह मशवरा अवश्य करें। आपकी कोई बात कार्यक्षेत्र में आपके बॉस को बुरी लग सकती है। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपने कामों से एक नई पहचान बनाएंगे। आपको किसी काम में कोई गड़बड़ी होने से डांट खानी पड़ सकती है, लेकिन आपको किसी को उल्टा जवाब देने से बचना होगा और आप आदतों में सुधार लाएं, इसलिए आप किसी से कोई बात सोच समझकर बोले। आपको संतान को लेकर कोई समस्या चली आ रही थी, तो उससे भी आपको राहत मिलेगी। आपको अपने कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें और यदि कहीं घूमने फिरने जाएं, तो अपने माता-पिता से आशीर्वाद लेकर जाएं। आपको किसी नए काम में सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करना होगा। आपकी किसी बात को लेकर पिताजी आपसे नाराज हो सकते हैं। नौकरी में बदलाव को लेकर योजना बना रहे लोगों को किसी दूसरी जगह ट्राई करना बेहतर रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको कामों में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आप अपने कामों को जिम्मेदारी से करेंगे, जिससे आपके बॉस काफी खुश होंगे और आपको किसी काम को लेकर यदि किसी की जरूरत होगी, तो उसमें वह भी आपको मिल जाएगी, लेकिन भाई व बहनों से प्रॉपर्टी को लेकर कोई खटपट हो सकती है।

सिंह- आज आपको किसी को धन उधार बहुत ही सोच समझकर देना होगा, इसलिए किसी योजना में धन लगाने से पहले उसकी पूरी जांच पड़ताल अवश्य करें और आप अपने किसी परिवार के सदस्य से धन उधार मांग सकते हैं। संतान पढ़ाई- लिखाई के लिए कहीं बाहर जा सकती है। जीवनसाथी को किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपको बॉस से कोई जिम्मेदारी मिलने से कामों में जुटना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी कानूनी मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपको एक के पास एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आपके किसी बात से जीवनसाथी आपसे यदि नाराज थी, तो वह भी मान सकती हैं, लेकिन आपको अपने पिताजी की सेहत को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी है, नहीं तो बाद में आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा की पूर्ति हो सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। नौकरी की तलाश में लगे लोगों को कोई प्रमोशन आदि मिल सकता है, जो जातक किसी काम को लेकर परेशान है, तो वह भी दूर होगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। यदि धन से कोई लेनदेन से संबंधित समस्या चली आ रही थी, तो वह भी उसके भी दूर होने की संभावना है।

वृश्चिक- आज आप अपने बढ़ते खर्चों को लेकर परेशान रहेंगे, क्योंकि आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। वाहनों का प्रयोग आपको सावधान रहकर करना होगा और आपको बिजली के उपकरणों से दूरी बनाकर रखनी होगी, क्योंकि नहीं तो इससे आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

धनु- आज का दिन राजनीति में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होने से खुशी होगी और आप अपने लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। नौकरी में कार्यरत लोगों को यदि कोई समस्या चली आ रही थी, तो वह उसके लिए अपने सीनियर से बातचीत कर सकते हैं। आपको अपने घर परिवार में थोड़ा सोच समझकर बोलना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी कोई पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। आपको अपने बॉस से किए हुए वादे को पूरा करना होगा और अपने कामों में लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं। आपके आलस्य से आपके कामों में कोई गड़बड़ी हो सकती है। यदि आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो उसे कुछ समय के लिए स्थगित कर दे, नहीं तो आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चले। आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। प्रेम जीवन जी रहे लोग परिवार के सदस्यों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे, जिससे दोनों को एक दूसरे को जानने का मौका मिलेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। कामकाज के मामले में आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। भाइयों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने कीमती सामानों के सुरक्षा अवश्य करें। आपको कार्यक्षेत्र में प्रमोशन मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन संतान की संगति पर आपको विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि वह किसी गलत राह पर चल सकते हैं।

शब्दजाल- 8067

शब्द जाल में 'अ' से शुरु होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

म	अ	मु	ग	ल	ए	अ	व	धी	ल	ध
द	अ	व	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	ड़
र	स	ल	का	दी	व	स	अ	कां	ख	र
जी	लि	ल	प	श	ता	स	द	ह	बा	ल
त	य	अ	अ	र	र	अ	गु	ख	प	दे
क	त	अ	शो	त	अ	भि	अ	न	श	जू
क	स	अ	क	अ	न	ला	द	शा	जू	व
द	अ	ल	च	व	जी	षा	ऐ	बें	प	सा
क	बा	ना	क्र	त	क	छ	प्प	न	हिं	जू
क	र्च	बा	तें	व	न	ज	द	अ	जू	व
अ	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

अवधी, अवकाश, अवतार,अर्चना,असलियत, अखबार, अभिलाषा, अवलोकन,अशोकचक्र, अहिंसा.

शब्दजाल - 8066 का हल

ची	अ	मे	रि	का	पा	तू	फा	न	प	क
न	खु	क	प	इं	डो	ने	शि	या	ड़	क
अ	दा	जो	ला	र	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	पो	ब	दू	स	पा	ह	लि	ल
त	ना	अ	सौ	न	जा	ला	कि	या	प	दे
आ	इ	इ	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	जी	ल	ह	व	प	रि	न	व	प	ग
र	रि	भा	र	त	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ज	जी	शा	जू	दे
र	ग	ल	प	व	सिं	ब्रा	रु	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.15 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	09.31 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.36 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.22 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.55 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.26 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.06 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.04 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.17 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		सिंह	00.33 बजे से
		कन्या	02.45 बजे से
		तुला	04.56 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 306 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 07.32 बजे तदनन्तर द्वादशी 05.08 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 17.04 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 23.10 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 07.32 बजे, बव 18.25 बजे तदनन्तर बालव 05.08 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 14° 45' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872516 **जूलियन दिन** 2460981.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 10 **विशेष** गौण देवउत्थान एकादशी, वैष्णव उत्थान एकादशी, तुलसी विवाह।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7011

1		2	■	3		4	■	5	6
	■	7			■	8			
■	9		■	10			■	■	
11		■	12		■	■	13	14	
15		16	■	17		18	■		■
	■		■		■	19	20	■	21
■	22			■	23	■	24	25	
26	■	27	■				■		■
28				■		■	29		
	■		■	30			■		■

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7010

रा	हु	ल	■	ना	■	गै	ब	ल	र
जा	■	■	घा	य	ल	■	द	■	न
औ	ला	द	■	ब	गा	व	त	■	■
र	■	स	त्या	■	न	■	मी	ना	क्षी
रं	गी	ला	■	टी	■	अ	ज	य	■
क	■	ख	ल	ना	य	क	■	क	था
■	दो	■	की	■	■	ल	क्ष्य	■	ने
खू	ब	सू	र	त	■	मं	■	दा	दा
■	द	■	■	ला	■	द	स	■	र
डॉ	न	■	गे	श	नी	■	नी	तू	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः बेहतर भविष्य का संकरा मुहाना

एक शिक्षण संस्थान की यह परंपरा थी - अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों में जो योग्यतम आठ-दस होते थे, उन्हें देश की औद्योगिक संस्थाएँ नियुक्त कर लेती थीं। उस साल भी वही हुआ। ऊपर के नौ लड़के ऊँची पद-प्रतिष्ठा वाली नौकरियाँ पाकर खुशी-खुशी चले गए। लेकिन उनके बीच का एक लड़का जो चुने गए साथियों से कम नहीं था, रह गया। चूँकि वह बहुत परिश्रमी था और अपने संस्थान को उसकी सेवा से लाभ ही होता इसलिए उसे अस्थायी तौर पर कुछ भत्ता दे कर काम पर लगा लिया गया। फिर भी अपने साथियों की तुलना में उसकी यह नियुक्ति आर्थिक दृष्टि से बड़ी मामूली थी। वह उदास रहने लगा। लोग भी उसके भाग्य को दोष देने लगे थे। लेकिन यह स्थिति अधिक दिन नहीं रही। एक बहुत नामी औद्योगिक संस्था ने अचानक उस शिक्षण संस्थान से संपर्क कर जैसे व्यक्ति की माँग की, यह युवक पूरी तरह उसके अनुकूल सिद्ध हुआ। उसे अपनी योग्यता के अनुरूप काम और वेतन मिला, बात इतनी ही नहीं थी, उसकी यह नियुक्ति अपने साथियों की तुलना में बहुत ऊँची भी थी। अर्थ और सामाजिक प्रतिष्ठा - दोनों ही दृष्टि से वह उन सबसे श्रेष्ठ हो गया था। इसी तरह कभी-कभी अनुकूल समय के लिए प्रतीक्षा की घड़ियाँ आया करती हैं। अक्सर ही जिसे लोग भाग्य का दोष मान बैठते हैं, वह होता है एक बेहतर भविष्य का संकरा मुहाना।

सूडोकु नवताल- 7320

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7319 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8535

1	2		3		4		■	■
■		■		■		■	5	■
6		■	7			■	8	9
	■	10		■	11	12	■	
13			■	■	■	14		
	■	15	16	■	17		■	
18	19	■	20			■	21	
■		■		■		■		■
■	■	22						

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -8534 का हल

अ	प	ना	प	न	■	प	क	ना
रा	ल	■	त	■	ख	स	म	■
ज	■	का	न	न	■	■	जो	श
क	ह	र	■	क	र	ता	र	■
ता	■	ग	■	छे	■	र	■	फ
■	ब	र	ग	द	■	ता	मी	र
द	गा	■	■	न	ज	र	■	मा
■	व	त	न	■	ह	■	पा	ई
फ	त	ह	■	स	र	फ	रो	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

‘नो हेलमेट नो राईड’ बिना हेलमेट टू-व्हीलर चालकों पर पुलिस ने की कार्रवाई

28 वाहन चालकों से वसूले 8400 रूपये

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जिले में 1 नवंबर जीरो हेलमेट टॉलरेंस को लेकर एक बड़ा अभियान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक मार्गदर्शन एवं निर्देशन में चलाया जा रहा है। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने समस्त जिले वासियों से अपील भी कि है 1 नवंबर से इस अभियान सहभागिता करें। नो हेलमेट नो राईड उन्होने जिले की जनता के सामने कुछ आकडे भी रखते हुये कहा कि 7 हजार 900 लोगो ने टू-व्हीलर सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाई है। इनमे से 80 प्रतिशत से ज्यादा लोगो की जान बचाई जा सकती थी यदि वे हेलमेट का प्रयोग कर लेते तो, और दूसरी ओर जो गलत फहमी हम लोग पालते है कि शहर से बाहर हाईवे में ज्यादा जाने जाती है या दुर्घटनाऐं होती है इस हेतु भी पुलिस कप्तान ने आंकड़े सामने रखे है कि वर्ष 2024 में पूरे मध्यप्रदेश की बात की जाये तो करीबन 60 प्रतिशत से ज्यादा जो लोगो ने अपनी जान गंवाई है वह शहर में हुई है। इसलिये मेरी सभी वर्ग से जिसमें स्कूली छात्र छात्राऐं, महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, शासकीय अधिकारी कर्मचारी सभी विभाग, जनता से अपील है कि हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें यह आपकी स्वयं की सुरक्षा के लिये कारगर है। इसी अभियान को गति देते हुये लांजी पुलिस के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियो के मार्गदर्शन में एसडीओपी ओमप्रकाश भापुसे के निर्देशन, थाना प्रभारी दीपसिंह परमार के नेतृत्व में लांजी बस स्टैण्ड मे चालानी कार्यवाही की गई। पुलिस के द्वारा लगभग 28 लोगो से चालानी कार्यवाही करते हुये 8400 रूपये समंस शुल्क भी वसुला गया है। हालांकि इस कार्यवाही का कुछ लोगो ने विरोध भी किया कि त्यौहार के दिन पुलिस कार्यवाही कर रही है। त्यौहार के दिन पूजा पाठ की सामग्री ले या चालान भरे, लेकिन लोग यह नही समझते की आपकी यह लापरवाही कितनों पर भारी पड़ती है। यदि कोई दुर्घटना हो जाये उनमे कोई अनहोनी हो जाये तो आपके साथ साथ आपके परिवार को उस लापरवाही का दंश झेलना पड़ता है। अनेको ऐसे परिवारों को देखा गया है जिनके घर के मुखिया या कमाने वालो की सड़क दुर्घटनाऐं में जनहानि हुई उसके बाद उनके परिजनों का क्या हाल हुआ है इन सभी बातों को व्यक्ति ने सोचना चाहिये की महज एक हेलमेट नही पहनने से हमे किस परिस्थिती से गुजरना पड़ता है। इसलिये आप किसी को बताने या दिखाने के लिये नही अपितु अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिये हेमलेट का उपयोग करे, सुरक्षा के साथ वाहन चलाये।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टिट्यूट में ड्राइंग प्रतियोगिता व राष्ट्रीय एकता शपथ

पद्मेश न्यूज। लांजी।

यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति द्वारा संचालित तथा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टिट्यूट लांजी में शुक्रवार को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत कम्प्यूटर सिस्टम पर आधारित ड्राइंग प्रतियोगिता से हुई, जिसमें संस्था के सभी अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए, साथ ही सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

इसके बाद छात्र-छात्राओं के साथ मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। शिक्षक भानूप्रताप प्रजापति ने सभी छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

संस्था के कार्यकारी संचालक रमेश आसटकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत सरकार ने वर्ष 2014 में राष्ट्रीय एकता दिवस की शुरुआत की थी, ताकि सरदार पटेल की देश के एकीकरण में ऐतिहासिक भूमिका को सम्मान दिया जा सके। यह दिवस राष्ट्रीय एकता, शांति और विविधता में एकता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय अखंडता व सामूहिक शक्ति के प्रति नया संकल्प जगाना है। उन्होंने बताया कि यह दिवस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2015 में शुरू किए गए ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ कार्यक्रम को भी बढ़ावा देता है।

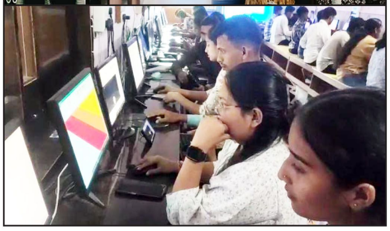

आयोजन में रेखा आसटकर एवं शिक्षक देवेंद्र क्षीरसागर उपस्थित रहे। स्वल्पाहार के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया 70वां मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी।

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नॉलॉजी लाँजी में 70वें मध्यप्रदेश स्थापना दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती एवं माँ भारती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन से हुई।

इसके बाद महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ने मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस एवं राज्य गठन के इतिहास पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। छात्र-

छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिसमें गीत, भाषण, पोस्टर निर्माण एवं प्रश्नमंच शामिल रहे। प्रतियोगिता में साक्षी मुरकुटे, निधि कलपुरे, सफर मस्करे, योगेश हिरवाने, निर्जला कुशले, मोहित सत्कार, हेमन्त बाहे एवं आंचल बसोने ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का समापन समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं द्वारा मध्यप्रदेश गान गाकर किया गया। इस आयोजन की सफलता में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ तथा सभी छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सी.बी.एस.ई. विद्यालय पाली अकादमिक संस्थान में मनाया गया राज्य स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी।

सी.बी.एस.ई. विद्यालय पाली अकादमिक संस्थान में मध्य प्रदेश राज्य का 70वाँ स्थापना दिवस संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य की अध्यक्षता, प्रबंधक संजय चौरे तथा प्राचार्या श्रीमती श्रृद्धा कांड्रा के मार्गदर्शन में समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ तथा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रात:कालीन प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें कक्षा 7वीं की छात्राओं ने मध्य प्रदेश राज्य गान का भावपूर्ण गायन किया। इसके पश्चात् विद्यालय स्तर पर छात्र-छात्राओं के लिए कवितापाठ, भाषण, प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन तथा रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में मध्य प्रदेश राज्य की स्थापना के इतिहास तथा इसकी भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक विविधताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान लागू होने के बाद 1951-52 में देश में प्रथम आम चुनाव हुए, जिससे संसद एवं विधानमंडल कार्यशील हुए। प्रशासनिक दृष्टि से राज्यों को श्रेणियों में विभाजित किया गया। सन् 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के फलस्वरूप 1 नवम्बर 1956 को भाषाई आधार पर नए मध्य प्रदेश राज्य का निर्माण हुआ। इस राज्य के घटक थे—मध्य प्रदेश, मध्य भारत, विंध्य प्रदेश एवं भोपाल, जिनकी अपनी-अपनी विधानसभाएँ थीं। इसे पहले मध्य भारत के नाम से भी जाना जाता था।

श्रीमती वैद्य ने आगे बताया कि राज्य गठन के साथ ही भोपाल को राजधानी घोषित किया गया और 1972 में इसे जिला घोषित किया गया। राज्य गठन के समय कुल 43 जिले थे, जो वर्तमान में बढ़कर 55 हो चुके हैं।

यह समस्त आयोजन संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य की अध्यक्षता, प्रबंधक संजय चौरे, प्राचार्या श्रीमती श्रृद्धा कांड्रा के कुशल मार्गदर्शन तथा समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विठ्ठल रूखमाई मंदिर में आज देवउठनी एकादशी पर विविध कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर के सुन्दरटोला में भगवान विठ्ठल-रूखमाई मंदिर में देवउठनी एकादशी के अवसर पर आज 2 नवम्बर को प्रात्से ही विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये है। ज्ञात हो कि त्रिलोकराव रामटेक्कर जो कि वर्तमान में मुम्बई में रहते है के द्वारा अपने पैतृक निवास में वर्ष 2012 में भव्य मंदिर का निर्माण कर पढंरपुर से भगवान विठ्ठल-रूखमाई की प्रतिमाओं को लाकर स्थापित किया गया था। तभी से प्रतिवर्ष उनके द्वारा देवशयनी एकादशी एवं देवउठनी एकादशी पर्व में लांजी पहुंचकर

विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। इसी कड़ी में आज 2 नवम्बर को देवउठनी एकादशी के चलते प्रातः भगवान का अभिषेक कर विधि विधान से पूजन-अर्चन किया जावेगा, दोपहर 2 बजे से भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जावेगी एवं संध्या में महाप्रसादी का वितरण किया जावेगा। त्रिलोकराव रामटेक्कर व परिवार द्वारा सभी धर्मप्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

देवउठनी एकादशी पर पारम्परिक रूप से हुआ तुलसी संग शालिगराम विवाह

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर व क्षेत्र में शनिवार को देवोत्थान (देवउठनी) एकादशी पर्व आस्था व श्रध्दा के साथ पारम्परिक रूप से मनाया गया। नगर एवं ग्रामीण अंचल में लोगों द्वारा सुबह से अपने घर के आंगन में तथा तुलसी चौरा के सामने आकर्षक रंगोली उकेरी गई। संध्या में तुलसी चौरा में गन्नों का मंडप सजाकर एवं तुलसी चौरा में भगवान सालिगराम की मूरत रखकर धूप, द्वीप, अक्षत, नैवेद्य, आंवला, बेर, अमरूद, भटा, लाल भाजी, चनाभाजी, सिंघाड़ा आदि पूजा सामग्री चढ़ाकर पूजा अर्चना की गई। घर - घर में परम्परानुसार तुलसी विवाह का आयोजन कर मंगलाचार श्लोक भी पढ़ें गए। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा से जगकर पुनः सृष्टि का कार्य भार अपने हाथ में लेते हैं। इस दिन भगवान शालिगराम और तुलसी के विवाह का विधान है जिसके चलते हिंदू धर्मावलंबियों के द्वारा अपने घरों में शालिगराम तुलसी विवाह संपन्न कराया

गया। इस दौरान संध्या बेला में बच्चों ने खूब आतिशबाजी भी की। देवउठनी ग्यारस के चलते एक दिन पूर्व से ही बाजार में किसानों ने गन्ने बिक्री के लिए जगह जगह रखें थे। मान्यता है कि कार्तिक शुक्ल एकादशी से भगवान निन्द्रासन से जागते हैं। इसके बाद सभी मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवोत्थान एकादशी के नाम से जाना जाता है। मान्यता यह भी है कि इस दिन विधिपूर्वक तुलसी विवाह का आयोजन करने से सुख और सौभाग्य का आगमन होता है। देवउठनी एकादशी के साथ ही अब मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो गई है।

देव उठनी ग्यारस पर भक्तों ने मनाया श्री खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी।

1 नवंबर को देव उठनी ग्यारस के पावन पर्व तथा भगवान श्री खाटू श्याम बाबा जी के जन्मोत्सव पर बाबा के भक्तो के द्वारा उनके जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन करते हुये नगर के सुभाष चौक में महाप्रसाद का आयोजन किया गया। बतादे कि 1 नवंबर को भगवान श्री खाटू श्याम बाबा का धूमधाम से भक्तो के द्वारा जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधि विधान से बाबा की पूजा अर्चना की गई तथा संध्या बेला में नगर के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चौक पर महाप्रसादी का आयोजन किया गया। भक्त के द्वारा सभी लोगो को प्रसाद वितरण किया। बड़ी संख्या में बाबा के दीवाने भी पण्डाल स्थल पर पंहुचकर प्रसाद ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित किया। उक्त आयोजन प्रमुख से ललित लाला अग्रवाल, शरद आसटकर, गज्जू दुरूगकर, शशांक राखडे, दीनदयाल तिडके, राजा खोबरागडे, निलेश तिडके, मोनू भण्डारकर, हर्ष रामटेक्कर, जय रामटेक्कर सहित श्याम बाबा के अन्य भक्तो के द्वारा आयोजन किया गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मोंथा तूफान का कहर- धान की खड़ी फसल पर बे मौसम बारिश की मार

किसान गर्जना संगठन ने शीघ्र सर्वे कराकर मुआवजा की मांग रखी, आंदोलन की चेतावनी दी

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। चक्रवात मोंथा के कारण मध्यप्रदेश में बिगड़े मौसम के मिजाज ने धान उत्पादक बालाघाट जिले में किसानों की चिंता बढ़ा दी है। विगत दो तीन दिनों से निरंतर कटंगी तहसील क्षेत्र में हुई बे मौसम की बारिश से अंचल में किसानों के खेतों में पककर खड़ी धान की फसल को नुकसान भारी हुआ है। जबकि जिन किसानों ने धान की फसल काटकर खेतों में ही रखी थी वह पूरी तरह से चौपट हो गई है। जिले में बारिश से फसलें तबाह देखकर एक किसान द्वारा कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या करने की कोशिश का मामला भी सामने आ चुका है। बारिश के बाद किसानों की पूरे साल भर की मेहनत बर्बाद होती हुई नजर आ रही है। दरअसल बड़ी संख्या में किसानों ने बीते कुछ दिनों पहले से ही अपने खेतों में पक चुकी की धान की फसल को काटकर सूखने के लिए खेतों में छोड़ गया था। फिर इन दो दिनों में अचानक से हुई बारिश से कटी हुई फसल की बालियां भीग गई कई जगह खेतों में जलभराव की स्थिति निर्मित हुई है। किसान खेतों की हालत को देखकर काफी परेशान और चिंतित है। किसानों का कहना है कि धान की फसल उनकी आय का मुख्य साधन है । प्राकृतिक आपदा से फसल बुरी तरह से बर्बाद हो गई है इसीलिए शीघ्र बर्बाद हुई फसलों का सर्वे करवाकर किसानों को मुआवजा दिलवाया जाए। इसके लेकर 27 अक्टूबर को ही जिला किसान गर्जना संगठन ने स्थानीय एसडीएम को कीट पतंगों एवं अतिवृष्टि से खराब हुई फसलों का सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा प्रदान करने की मांग की थी। लेकिन राजस्व अमला आज दिनांक तक किसानों के खेतों तक नहीं पहुंच पाया है। जिससे नाराज संगठन पदाधिकारियों ने प्रशासन को चेतावनी

दी है कि दो से तीन दिनों में किसानों के खेतों को इकाई मानकर सर्वे का कार्य शुरू किया जाए अन्यथा संगठन किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करेगा।

कटंगी एवं तिरोड़ी क्षेत्र में फसलों को भारी नुकसान

कटंगी और तिरोड़ी दोनों ही तहसील क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के किसान अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताते है कि, फ़फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थी और हमने इसे काटकर खेत में डाल दिया था। अब इस बारिश ने सब बर्बाद कर दिया है। यह हमारी साल भर की मेहनत है। किसानों ने बताया कि उन्होंने फसल उगाने में भारी लागत लगाई थी, साहूकार से लेकर बैंक से भी कर्ज लिया था लेकिन कटाई से ठीक पहले हुई बारिश ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। इस महंगाई के दौर में बच्चों की पढ़ाई और परिवार का भरण-पोषण करना उनके लिए मुश्किल हो गया है। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से तत्काल क्षति का शीघ्र सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि वे इस संकट से उबर सकें। वहीं स्थानीय स्तर पर अभी कोई सर्वे शुरू नहीं हो पाया है स्थानीय अधिकारी वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश-निर्देश का इंतजार कर रहे है।

किसान संगठन सक्रिय, क्षति की जानकारी शासन तक भेजी जा रही

बारिश के बाद फसल बर्बादी पर चिंता करते हुए किसान संगठन भी सक्रिय हो गए है कुछ दिनों पहले ही किसान गर्जना संगठन ने अपनी कुछ मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा था। वहीं अब किसानों से जुड़े अन्य संगठन भी किसानों की मौजूदा स्थिति और बेमौसम की बारिश से बर्बाद हुई फसलों की जानकारी शासन-प्रशासन तक पहुंचाने की तैयारी में है। चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के कमजोर पड़ने के बाद भी उसके असर से मध्य प्रदेश के कई इलाकों में बादल छाए हुए हैं और बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग की तरफ से प्रदेश के 11 जिले जिसमें बालाघाट, डिंडौरी, श्योपुर, मुरैना, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और अनूपपुर में भारी वर्षा के लिए यलो अलर्ट जारी किया था। वहीं विभाग का कहना है कि अगले 3 दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं का सिलसिला जारी रहेगा, जिससे तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। यानी अब भी बारिश हो सकती है।

इनका कहना है

हमनें 27 अक्टूबर को एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर किसान के खेत को इकाई मानकर सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की मांग की थी आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिले की सांसद एवं क्षेत्रीय विधायक के समक्ष भी यह मुद्दा रखा गया उन्होंने जिला कलेक्टर से चर्चा कर कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस मामले में अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि त्वरित संज्ञान में लेकर कार्यवाही करें अन्यथा संगठन किसानों के हित में आंदोलन करने मजबूर होगा।

कुलदीप पटले
जिला उपाध्यक्ष

किसान गर्जना संगठन

कीट पतंगों से नष्ट हुई फसलें, अतिवृष्टि एवं सहित तीन सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया था उन्होंने खेतों का सर्वे कराकर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया था लेकिन आज दिनांक तक कोई कदम नहीं उठाए गए है। आगामी तीन दिनों में यदि सर्वे कार्य शुरू नहीं हुआ तो किसान गर्जना उग्र आंदोलन करेगा।

भारत बिसेन
अध्यक्ष
किसान गर्जना संगठन

खेल हमें जीवन में संघर्ष करना सिखाते हैं- केसर बिसेन

तिरोड़ी ने मेजबान कतरकना को हराकर जीती टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। समीपस्थ ग्राम कतरकना में जय बजरंग क्रिकेट क्लब के तत्वाधान् में आयोजित टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाईनल मैच शनिवार को तिरोड़ी एवं मेजबान कतरकना के बीच खेला गया जिसमें तिरोड़ी ने दो विकेट से एकतरफा जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमाया। मैच का शुभारंभ जिला पंचायत सभापति श्रीमती केसर बिसेन के मुख्य आतिथ्य में किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनकी हौसला आफजाई की। टॉस जीतकर कतरकना को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित कर तिरोड़ी ने निर्धारित 8 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट कर दिया और महज 6 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में कुल 18 टीमों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित जिला पंचायत सभापति केसर बिसेन विजेता टीम तिरोड़ी को 70001रू. एवं उप विजेता कतरकना को 3001रू. की नगद राशि भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती बिसेन ने कहा कि क्रिकेट देश एवं दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है इसे लेकर युवाओं में गहरी रूचि है। आज के इस मैच में जिस तरह से दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने खेल के प्रति जो उत्साह और तत्परता दिखाई वे तारीफ के काबिल है। उन्होंने कहा कि खेल हमें संघर्ष करना सिखाते है। मैदान पर किया गया संघर्ष जीवन के लिए संघर्ष करने के लिए प्रेरित करता है। जिला पंचायत सभापति ने सभी खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना दी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत टेकाड़ी सरपंच ओमप्रकाश उईके, आयोजक समिति अध्यक्ष दिनेश वाघाड़े, उपाध्यक्ष सूरज सहारे, सचिव विनोद ठाकरे सहित समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

शासकीय महाविधालय हट्टा मे आयोजित हुआ युवा उत्सव

पद्मेश न्यूज ।हट्टा। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय हट्टा में महाविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम का सफल आयोजन दिनांक 16 एवं 17 अक्टूबर 2025 को किया गया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार बिसेन के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में हुआ। इस दो दिवसीय उत्सव में विद्यार्थियों ने ललित कला और सांस्कृतिक विधाओं में अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पहले दिन (16 अक्टूबर 2025) को ललित कला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मकता और कल्पनाशक्ति का उत्कृष्ट परिचय दिया। पोस्टर प्रतियोगिता में श्रद्धा बाकटे, प्रियंका राउत और अंजली दमाहे ने श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में खुशबू बिसेन, भारती उरकुड़े और सलोनी डोंगरे ने अपनी कला से सबका मन मोह लिया। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में निकिता माहुले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कोलाज प्रतियोगिता में अंशिका गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रश्नमंच प्रतियोगिता में धनश्री सोनकुसरे, अंशिका गुप्ता और तमन्ना डोंगरे ने अपनी टीम भावना और ज्ञान के दम पर विजयी स्थान हासिल किया।

दूसरे दिन (17 अक्टूबर 2025) को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। एकल गायन प्रतियोगिता में आकांक्षा बुर्रे ने अपनी मधुर आवाज से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। समूह नृत्य प्रतियोगिता में अनन्या पांचे, जयश्री कुथे, भारती मेश्राम और हिना नगपुरे की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्रीमती श्वेता नेमा द्वारा किया गया। महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया। पूरे उत्सव में छात्र-छात्राओं का उत्साह देखने लायक था। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचार्य श्री मुकेश कुमार बिसेन ने विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि — ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को दिशा देते हैं और उनमें आत्मविश्वास का संचार करते हैं। यह दो दिवसीय युवा उत्सव न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच रहा, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का भी सशक्त माध्यम सिद्ध हुआ।

प्रदेश में विकास की यात्रा कभी रूकी नही

समारोह पूर्वक मनाया गया मध्यप्रदेश राज्य का स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। 01 नवंबर को मध्यप्रदेश राज्य का स्थापना दिवस बालाघाट जिले में उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। जिला स्तारीय कार्यक्रम बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य में सांदीपनि विद्यालय बालाघाट के प्रांगण में आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन करने के पश्चात मध्यप्रदेश गान के साथ किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती भारती पारधी ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को प्रदेश स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना 01 नवंबर 1956 को हुई है। अपनी स्थापना के बाद मध्यप्रदेश ने 70 वर्षों का सफर तय कर लिया है। इस यात्रा में प्रदेश ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन प्रदेश में विकास की यह यात्रा कभी रूकी नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि हमारा जिला धान उत्पादक जिला है। अतिवर्षा एवं बीमारी के कारण धान की फसल को नुकसान हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा इसका सर्वे कराया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए समय सीमा में जिले के किसान पंजीयन कराने से छूट गये थे। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सामने किसानों की समस्या को रखा था और किसानों के पंजीयन की तिथि बढ़ाने का आग्रह किया था। उनके इस आग्रह को मुख्यमंत्री द्वारा मान लिया गया है और धान उपार्जन के लिए पंजीयन की तिथि 06 नवंबर कर दी गई है। जो किसान अपना पंजीयन नहीं करा सके थे व अब 06 नवंबर तक अपना पंजीयन करा सकते हैं।

इस कार्यक्रम में कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती पारधी, पूर्व मंत्री श्री रामकिशोर कावरे, गौरीशंकर बिसेन, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा बिसेन, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, शिक्षाविद श्रीमती लता एलकर, जिला पंचायत सदस्य डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, स्वतंत्रता सेनानी भंसाली, मीसाबंदी श्रीमती नगपुरे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, एसडीएम श्री गोपाल सोनी, नगरपालिका के पार्षद, गणमान्य नागरिक, सभी विभागों के अधिकारी, शासकीय सेवक एवं विद्यालय के छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

इस अवसर पर सांदीपनि विद्यालय बालाघाट, एमएलबी स्कूल बालाघाट, जनजातीय विभाग के कन्या छात्रावास एवं बैगा जनजाति के बच्चों के लिए संचालित अंग्रेजी माध्यम की आश्रम शाला के बच्चों ने शानदार आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये । शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के छात्रों ने स्वस्थ्य रहने के लिए योग पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सामपन पुलिस बैड द्वारा राष्ट्रगान जन-गण-मन के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन अजय बैस द्वारा किया गया।

लखपति दीदियों ने प्रदर्शनी में 10 हजार रुपये की सामग्री का विक्रय किया

इस अवसर पर शासकीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। प्रदर्शनी में आजीविका मिशन की 20 लखपति दीदियों द्वारा अपने उत्पाद बिक्री के लिए रखे थे। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मन की बात कार्यक्रम में संवाद करने वाली भजियापार की सुमा उईके सहित लखपति दीदी कटंगी ब्लाक से अश्विनी ठाकरे, किरनापुर ब्लाक से अनुसया पटले, वारासिवनी ब्लाक से खेलन मर्सकोले, प्रमिला बिसेन, भारती बिसेन, यशवंती बसेने, लालबर्रा ब?लाक से शारदा नगपुरे एवं बालाघाट ब्लाक से उषा बिसेन, अनिता वासनिक, राशिद परवीन, पुष्पा रनगिरे, रतुल पंचेश्वर, सुलोचना कावरे, रीमा दांदरे, संजू नगपुरे, रंजू पोरगड़े, फुलेश्वरी लिल्हारे व माया बागड़े शामिल थी। इन लखपति दीदियों द्वारा प्रदर्शनी में चिन्नौर चावल, जैविक उत्पाद, मिट्टी के बर्तन, जैविक सब्जी, मशरूम, अचार, पापड़ व अन्य सामग्री विक्रय के लिए रखी गई थी और लगभग 10 हजार रुपये का सामान बेच दिया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की योजना की जानकारी देने के लिए स्टाल लगाया गया था। इसके साथ ही स्वास्थ्य, महिला बाल विकास विभाग, आयुष, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं कृषि विभाग द्वारा अपने स्टाल लगाये गये थे।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज ।किरनापुर। मध्य प्रदेश राज्य स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस के अवसर पर शासकीय जूनियर आदिवासी बालक छात्रावास सुसवा मे लांजी एवं किरनापुर क्षेत्र के समस्त 11 छात्रावासों द्वारा सामूहिक रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्यातिथय एवं जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित इस कार्यक्रम मे बतौर विशेष अतिथि के रूप मे जनपद पंचायत उपाध्यक्ष भुवन भाऊ राहंगडाले, रामकुमार राणा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष किरनापुर मीना नन्हे बहेकार, भाजपा मण्डल अध्यक्ष माटे भिकुराम मात्रे, चुमेश लिल्हारे, ग्राम पंचायत सुसवा सरपंच प्रकाश बाहें , सहायक आयुक्त शकुंतला डामोर मेम प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजन अर्चन कर किया गया। तत्पश्चात् सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीतएवं मध्यप्रदेश गान की सुमधुर प्रस्तुति छात्राओं द्वारा दी गई। इस कार्यक्रम के दौरान छात्राओं मे रहकर विद्याध्यन करने वाले छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो मे भाग लेकर एक से बढ़ कर एक शानदार प्रस्तुतियां दी गई। जिसे उपस्थित जनसमुदाय द्वारा खूब सराहा गया। तथा अतिथियों द्वारा बच्चों को पारितोषिक भेंट किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह ने मध्य प्रदेश राज्य स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश एवं केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र मे किए जा रहे कार्यों को बतलाते हुए कहा कि हम सभी को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी देश सेवा है। हम सभी अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन करेंगे तो देश शीघ्र ही विकसित राष्ट्र बन जाएगा। वही मुख्य अतिथि की आसंदी से अपने विचार व्यक्त करते हुए विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र मे अनेकों कार्य कर रही है।शासकीय संपत्ति हम सभी की है किंतु शिक्षा के मंदिर को भी कुछ लोग नुकसान पहुंचा रहे है। स्कूलों मे शराब की बोतले तोड़ कर फेंक रहे है। ऐसी हरकतों को रोकना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि हम किस परिस्थिति मे जी रहे हैं, हमारे माता पिता क्या काम कर रहे हैं, ये सब छोड़ कर हमे अपने भीतर कॉन्फिडेंस बढ़ाना होगा और अपना लक्ष्य हासिल करना होगा। जीवन में कभी कभी असफलता भी मिलती है किंतु हार को भूलकर फिर से प्रयास करना चाहिए, सफलता अवश्य मिलेगी। मोबाइल आपका दुश्मन नहीं है। इसमें अच्छी और बुरी दोनो चीजें है आपको अच्छी चीजें खोजनी चाहिए और अपना लक्ष्य और सफलता हासिल करने के बार बार प्रयास करते रहने चाहिए।

कार्यक्रम के अंत मे विधायक अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ बच्चों एवं उनके पालकों के साथ सहभोज कार्यक्रम मे भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के सफलता पूर्वक संचालन मे छात्रावास मण्डल संयोजक रिनल ऊईके, शासकीय आदिवासी बालक छात्रावास सुसवा अधीक्षक गुलाबचंद शरणागत, दिलीप कुमार रामटेके बालक छात्रावास किरनापुर, दीप्ति राहंगडाले बालिका उत्कृष्ट छात्रावास किरनापुर, अरविन्द मेश्राम बालक छात्रावास बेलगांव, जितेन्द्र चौरे बालक छात्रावास धारापुरी, प्रीति गोंडाने हट्टा छात्रावास अधीक्षक, लोकेश गेडाम देवरबेली छात्रावास अधीक्षक, सरिता कुथेकर उत्कृष्ट कन्या छात्रावास अधीक्षक लांजी, प्रतिभा नागदौने आदिवासी कन्या छात्रावास अधीक्षक लांजी, पुरुषोत्तम मुरकुटे बालक छात्रावास लांजी, राजेश रामटेक्कर अधीक्षक छात्रावास मोहझरी का सराहनीय सहयोग रहा।

अकाल ग्रस्त घोषित किया जाए, बालाघाट जिला मांग

पदमेश न्यूज, बालाघाट। जनपद सदस्य एकता संघ बालाघाट के जिला अध्यक्ष व किसान नेता महेश शरणागत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बालाघाट जिले को अकाल ग्रस्त जिला घोषित करने की मांग की है।उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग कि है कि पहले किट व्याधि, करपा भुरा व माहू के प्रकोप से किसानो कि फसल बर्बाद हो चुकी और अब, बे मौसम बारिश (अतिवृष्टि)से पुरी फसल बर्बाद हो चुकी है, पुरा धान अंकुरित हो चुका है जिन किसानों कि धान कटी है वह धान अंकुरित होने के कारण घर में लाने योग्य नहीं है और मवेशी के लिए भी चारा खिलाने योग्य नहीं है अनदाता किसान सदमे में आ चुका है, इसलिए किसानो कि स्तिथी काफी दयनीय है उनके पास जिविका उपार्जन के लिए कोई जरिया नहीं है।जिससे किसान मानसिक तनाव में हैं, फसल आने पर भी किसान अपनी उपज को अति वृष्टि कि वजह से समेट नहीं पा रहा है, जिले कि अकाल जैसी स्थिति बन चुकी है, इसलिए बालाघाट जिले को अकाल ग्रस्त घोषित किया जाना चाहिए ,किसानों के खाद्य के ऋण को माफ किया जाना चाहिए और किसानों को उनकी फसल कि उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

भारत-साउथ अफ्रीका आमने-सामने

मुंबई । नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को इतिहास रचने जा रहा है, जब भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमें आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले के साथ दुनिया को एक नई विश्व चैंपियन टीम मिलेगी, क्योंकि दोनों में से कोई भी टीम अब तक यह खिताब नहीं जीत सकी है। भारतीय टीम 2005 और 2017 के बाद तीसरी बार वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेल रही है, जबकि साउथ अफ्रीका पहली बार इस मुकाम तक पहुंचा है। घरेलू परिस्थितियों और हालिया फॉर्म को देखते हुए टीम इंडिया को खिताब जीतने का मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

महिला वनडे विश्व कप में यह पांचवां मौका है जब कोई मेजबान टीम फाइनल में पहुंची है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया (1988), इंग्लैंड (1993 और 2017) और न्यूजीलैंड (2000) ऐसा कर चुके हैं। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट के लीग चरण में सात में से तीन मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर धमाकेदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश किया। यह वही ऑस्ट्रेलियाई टीम थी, जिसने पूरे टूर्नामेंट में अब तक कोई मैच नहीं गंवाया था। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात में से पांच मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रन से हराया। फाइनल में भारतीय टीम को अपनी स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज और कप्तान हरमनप्रीत कौर से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा और श्री चरणी की भूमिका अहम रहने वाली है। वहीं, साउथ अफ्रीका की टीम बल्लेबाजी में कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट और ताजमिन ब्रित्स पर निर्भर रहेगी, जबकि गेंदबाजी की कमान मारिजैन कप्प और नॉनकुलुलेको म्लाबा के हाथों में होगी।

अब तक के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमों के बीच 1997 से लेकर अब तक कुल 34 वनडे मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने 20 बार जीत दर्ज की है, जबकि साउथ अफ्रीका को 13 मैचों में सफलता मिली है। एक मैच बेनतीजा रहा था। डीवाई पाटिल स्टेडियम में पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है, इसलिए टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को आसमान में बादल रहेंगे और बारिश की संभावना भी है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। अगर बारिश की वजह से मैच पूरा नहीं हो पाता, तो 3 नवंबर को रिजर्व डे रखा गया है।

महिला वनडे विश्व कप 2025 का फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस 2ः30 बजे होगा। यह ऐतिहासिक मैच स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किया जाएगा और इसकी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी। भारत के पास घरेलू मैदान पर अपना पहला विश्व कप खिताब जीतने का सुनहरा मौका है।

भारत की टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिगेज, ऋचा घोष, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, उमा छेत्री, शेफाली वर्मा।

साउथ अफ्रीका की टीम - लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), अयाबांगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, मारिजैन कप्प, ताजमिन ब्रित्स, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसेन, ऐनी बॉश, मसबत क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगसे।

एक दिन, दो बड़े महामुकाबले खेलेगा भारत, महिला वर्ल्ड कप फाइनल और टी20 में दांव पर सबकुछ

नई दिल्ली । 2 नवंबर का दिन भारतीय क्रिकेट इतिहास में यादगार बनने जा रहा है। इस दिन दो घंटे के भीतर भारतीय क्रिकेट की दो बड़ी टीमें मैदान पर उतरेंगी एक वर्ल्ड कप ट्रॉफी के लिए और दूसरी टी20 सीरीज जीत के लिए। एक तरफ महिला टीम अपना पहला आईसीसी विश्व कप खिताब जीतने के लिए दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी, वहीं दूसरी ओर पुरुष टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टी20 मुकाबला खेलेगी। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह दिन रोमांच से भरपूर होगा, जब दो बड़े मुकाबलों में भारतीय तिरंगा एक साथ लहराएगा।

महिला वनडे विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को मात देकर इतिहास रच दिया। डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने 339 रनों का विशाल लक्ष्य नौ गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने नाबाद 127 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 89 रन जोड़े। दोनों बल्लेबाजों की साझेदारी ने भारत को फाइनल तक पहुंचा दिया, जहां अब उनका सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक रही। ऑस्ट्रेलिया, जिसने पिछले 15 महिला वनडे विश्व कप मैचों में लगातार जीत दर्ज की थी, उसे भारत ने पहली बार पराजित किया। इस जीत के साथ भारत ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने अपने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रनों से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया है।

इसी दिन शाम को पुरुष टीम भी मैदान में उतरेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टी20 मुकाबला निर्णायक साबित हो सकता है, क्योंकि दोनों टीमों के बीच सीरीज बेहद रोमांचक मोड़ पर है। इस डबल थ्रिलर डे पर भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्साह दोगुना हो जाएगा, जब महिलाएं वर्ल्ड कप ट्रॉफी के लिए लड़ेंगी और पुरुष टीम सीरीज अपने नाम करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

दोनों मुकाबलों का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि ऑनलाइन दर्शक डिज्नी+ हॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीमिंग देख सकेंगे। यानी रविवार शाम भारतीय क्रिकेट के दो बड़े रोमांच एक ही दिन, एक ही स्क्रीन पर देखने को मिलेंगे जहां दांव पर गौरव, इतिहास और पूरी दुनिया की निगाहें होंगी।

पेरिस मास्टर्स : सिनर ने शेल्टन को हराया, सेमीफाइनल में जगह पक्की

पेरिस। पेरिस मास्टर्स में जैनिक सिनर ने बेन शेल्टन पर शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। सिनर विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने के एक कदम और करीब पहुंच गए हैं। शेल्टन पर लगातार सातवीं जीत के साथ सिनर ने पहली बार पेरिस सेमीफाइनल में जगह पक्की है। 24 वर्षीय सिनर अब तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव से भिड़ने वाले हैं। जिन्होंने तीन सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में दो मैच प्वाइंट बचाकर डेनियल मेदवेदेव को शिकस्त दी है। कार्लोस अल्काराज की कैमरन नॉरी के खिलाफ अप्रत्याशित दूसरे दौर की हार ने इतालवी खिलाड़ी के लिए रास्ता खोल दिया है, जो फ्रांस की राजधानी में एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतकर स्पेनिश खिलाड़ी को पछाड़ सकते हैं।

सिनर ने दूसरे सेट के बीच में कुछ देर के लिए अपनी सर्विस गंवा दी थी, लेकिन जल्द ही नियंत्रण पाकर 23 वर्षीय शेल्टन के खिलाफ 70 मिनट से भी कम समय में जीत हासिल की। सिनर ने बताया, मैं बहुत खुश हूं। यह बहुत ही कठिन मुकाबला था। कई बार उनकी शानदार सर्विस की वजह से आप ज्यादा नियंत्रण में नहीं रहते, लेकिन मैच में लगा कि मैं बहुत अच्छा रिटर्न कर रहा हूं। मैंने बहुत मजबूत और आक्रामक खेल दिखाया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन चैंपियन ने कहा, मैं इस समय रैंकिंग के बारे में नहीं सोच रहा हूं। यह मेरे खेलने के तरीके का नतीजा है। पेरिस में सेमीफाइनल में पहुंचना बहुत मायने रखता है। यह एक बहुत लंबा सीजन रहा है, जिसमें कुछ बेहतरीन परिणाम मिले हैं। मैं इन परिणामों को कभी कमतर नहीं आंकता।

सिनर सेमीफाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव से भिड़ने वाले है। जर्मन खिलाड़ी ने डेनियल मेदवेदेव को 2-6, 6-3, 7-6 (7-5) से शिकस्त दी है। वहीं, अलेक्जेंडर बुब्लिक ने ऑस्ट्रेलिया के छठे वरीय एलेक्स डी मिनौर को कड़े मुकाबले में 6-7 (5-7), 6-4, 7-5 से शिकस्त देकर अपने पहले मास्टर्स सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है लक्ष्य - दीपिका

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा। ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी। इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी। दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है।

रोहन बोपन्ना ने कहा अलविदा : दो दशक लंबे सुनहरे करियर का हुआ अंत

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से संन्यास की घोषणा कर दी है। उनके इस ऐलान के साथ ही दो दशक से भी ज्यादा लंबे शानदार करियर का अध्याय समाप्त हो गया। 45 वर्षीय बोपन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक संदेश साझा करते हुए लिखा, ॐअलविदा... पर अंत नहीं। आप किसी ऐसी चीज को कैसे अलविदा कहेंगे, जिसने आपके जीवन को एक अर्थ दिया? हालांकि, टूर पर 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद अब समय आ गया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपना संन्यास ले रहा हूं। उन्होंने आगे लिखा, जब मैं यह लिख रहा हूं, मेरा दिल एक साथ भारी भी है और आभारी भी। कर्नाटक के कूर्ग से ताल्लुक रखने वाले बोपन्ना ने अपने संघर्ष और मेहनत की यात्रा को याद करते हुए बताया कि उन्होंने लकड़ी के लट्ठे काटकर अपनी सर्विस को मजबूत किया और कॉफी के बागानों में दौड़कर अपनी फिटनेस बनाई। उनके शब्दों में झलकता है कि यह सफर आसान नहीं था, लेकिन सपनों को पूरा करने का जुनून उन्हें आगे बढ़ाता रहा। बोपन्ना ने लिखा,

ॐटेनिस मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं रहा। इसने मुझे दिशा दी जब मैं भटका हुआ था, हिम्मत दी जब मैं टूटा था, और विश्वास दिलाया जब दुनिया ने मुझ पर शक किया। इस खेल ने मुझे धैर्य, दृढ़ता और आत्मविश्वास सिखाया। बोपन्ना का करियर कई उपलब्धियों से भरा रहा। उन्होंने 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता, जबकि चार बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे। इसके अलावा, उन्होंने 2012 और 2015 में महेश भूपति और फ्लोरिन मर्जिया के साथ एटीपी फाइनल्स में फाइनल मुकाबले खेले। 43 वर्ष की उम्र में बोपन्ना ने विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई बार भारत का प्रतिनिधित्व डेविस कप और ओलंपिक खेलों में भी किया। अपना आखिरी टूर्नामेंट उन्होंने पेरिस मास्टर्स 1000 में खेला, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ जोड़ी बनाई थी। बोपन्ना के संन्यास के साथ भारतीय टेनिस में एक स्वर्णिम युग का समापन हुआ है। उन्होंने अपने जुनून, समर्पण और अनुशासन से नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का रास्ता बनाया है। उनका यह सफर बताता है कि छोटे शहर से निकलकर भी अगर हिम्मत और मेहनत हो, तो दुनिया का कोई भी मंच जीतना असंभव नहीं।

13 से 15 दिसंबर तक हो सकती है आईपीएल नीलामी - रिपोर्ट

मुम्बई। आईपीएल 2026 सत्र के लिए नीलामी 13 से 15 दिसंबर के बीच होने की संभावना हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस 19 वें सत्र के लिए खिलाड़ियों के रिटेंशन के लिए 15 नवंबर तक की समय सीमा रखी गयी है। इसमें अधिकतर टीमें अपने मुख्य खिलाड़ियों को बनाए रखते हुए कुछ बदलावों के साथ सामने आ सकती हैं। ये भी माना जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में स्थिति और साफ होगी। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की ओर से अभी तारीखों की आधिकारिक रुप से पुष्टि नहीं की गई है पर अधिकांश टीमें अपनी तैयारियों में लग गयी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि पिछले दो सालों में आईपीएल की नीलामी विदेशों में हुई थी पर इस बार ये देश में ही होने की संभावना है हालांकि इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं आया है। इस बार बड़े स्तर पर टीमों में बदलाव की उम्मीद नहीं की जा रही है पर चेन्नई सुपर किंग्स सहित कुछ फ्रेंचाइज़ियां अपनी टीम में बड़े फेरबदल कर सकती हैं।

रहाणे को गेंदबाजी करने से प्रदर्शन बेहतर हुआ - कोटियान

बेंगलुरु। भारत ए टीम की ओर से दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी करने वाले स्पिनर तनुश कोटियान ने अपने प्रदर्शन का श्रेय अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को दिया है। तनुश ने कहा कि रहाणे को नेट्स पर गेंदबाजी करने से वह बेहतर हुए हैं। कोटियान ने कहा, 'मुंबई रणजी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारतीय टीम की ओर से खेले हैं। ये बल्लेबाज स्पिन के खिलाफ काफी अच्छे हैं। ऐसे में इन्हें गेंदबाजी करने से मेरा प्रदर्शन बेहतर हुआ है। ऑफ-स्पिनर को खेलने में बल्लेबाज को जिस क्षेत्र में कठिनाई होती है , वे हमें उन क्षेत्रों के बारे में बताते हैं। इससे हमें रणनीति बनाने और क्षेत्ररक्षकों को लगाने में सहायता मिलती है। कोटियान ने कहा, ' रहाणे और कप्तान शार्दुल ठाकुर से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े रन मशीन बने बाबर, रोहित शर्मा को पछाड़ा

नई दिल्ली । पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। बाबर की यह उपलब्धि उनके लगातार प्रदर्शन और बल्लेबाजी की स्थिरता का प्रमाण है, जिसने उन्हें टी20 के महान खिलाड़ियों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने साल 2016 से 2025 के बीच 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 39.57 की औसत से 4,234 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और 36 अर्धशतक निकले। बाबर ने अब तक 448 चौके और 73 छक्के जड़े हैं, जो उनकी तकनीकी कुशलता और स्थिरता का प्रतीक हैं।

दूसरे स्थान पर हैं भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, जिन्होंने 2007 से 2024 के बीच 159 टी20 मैच खेले और 32.05 की औसत से 4,231 रन बनाए। रोहित टी20 में पांच शतक और 32 अर्धशतक जड़ चुके हैं। वे ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के साथ संयुक्त रूप से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी कप्तानी में भारत को विश्व कप दिलाने वाले रोहित ने सीमित ओवरों के फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक पारियां खेली हैं।

तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जिन्हें रन मशीन कहा जाता है। उन्होंने 2010 से 2024 के बीच 125 टी20 मैचों में 48.69 की शानदार औसत से 4,188 रन बनाए। कोहली के नाम एक शतक और 38 अर्धशतक दर्ज हैं। उनके बल्ले से 369 चौके और 124 छक्के निकले हैं, जो उनकी क्लास और निरंतरता को दर्शाते हैं।

इंग्लैंड के जोस बटलर इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने 2011 से 2025 के बीच 144 टी20 मैचों में 3,869 रन बनाए हैं। बटलर ने 35.49 की औसत से खेलते हुए एक शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं, पांचवें स्थान पर आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग हैं, जिन्होंने 2009 से अब तक 153 मैचों में 3,710 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और 28 अर्धशतक दर्ज हैं। इस तरह बाबर आजम ने अपने निरंतर प्रदर्शन से टी20 क्रिकेट में एक और मील का पत्थर हासिल किया है, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास में उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है।

फहीम-सलमान की घातक गेंदबाजी से पाकिस्तान की धमाकेदार जीत, बाबर आजम बने टी20 के सबसे बड़े रन-स्कोरर

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर शानदार वापसी की. पहला मैच हारने के बाद पाकिस्तान टीम ने दूसरे मुकाबले में दबदबा बनाते हुए मेहमान टीम को महज 110 रन पर समेट दिया और 13.1 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। इस मुकाबले में फहीम अशरफ और सलमान मिर्जा की घातक गेंदबाजी ने साउथ अफ्रीका की पूरी टीम को तहस-नहस कर दिया, जबकि कप्तान बाबर आजम ने टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का नया रिकॉर्ड अपने नाम किया।

रावलपिंडी में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और शुरुआत से ही दबाव बना दिया। फहीम अशरफ ने शानदार स्पेल में 23 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि सलमान मिर्जा ने केवल 14 रन देकर तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। इनके अलावा शाहीन अफरीदी और शादाब खान ने भी किफायती गेंदबाजी की, जिससे साउथ अफ्रीकी टीम 18वें ओवर में ही 110 रन पर सिमट गई।

पाकिस्तान की पारी की शुरुआत बेहद आक्रामक रही. ओपनर साइम अयूब ने 38 गेंदों में नाबाद 71 रन बनाए, जिसमें छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। उनका आखिरी छक्का डोनोवन फरेरा की गेंद पर आया, जिसने टीम को जीत दिला दी। उनके साथी साहिबजादा फरहान ने भी तीन छक्कों की मदद से 28 रन बनाए। कप्तान बाबर आजम 11 रन पर नाबाद रहे और इसी के साथ उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में नया इतिहास रच दिया।

बाबर आजम अब टी20 इंटरनेशनल के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने भारत के रोहित शर्मा (4,231 रन, 159 मैच) को पीछे छोड़ दिया. बाबर के नाम अब 130 मैचों में 4,234 रन दर्ज हैं।

पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने मैच के बाद कहा कि टीम ने जिस तरह वापसी की है, वह आत्मविश्वास बढ़ाने वाली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी इसी लय को बरकरार रखते हुए सीरीज के निर्णायक मुकाबले में भी दमदार प्रदर्शन करेंगे। तीसरा और अंतिम मैच शनिवार को लाहौर में खेला जाएगा, जहां दोनों टीमों के बीच रोमांचक जंग की उम्मीद है।

42 साल बाद इंग्लैंड पर न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक क्लीन स्वीप जीत

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने शनिवार को वेलिंगटन में इतिहास रच दिया। इंग्लैंड को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 से हराकर कीवी टीम ने चार दशक से भी पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की। स्काई स्टेडियम में खेले गए तीसरे और निर्णायक मुकाबले में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को दो विकेट से हराकर सीरीज पर कब्जा जमाया। यह दूसरी बार है जब न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को किसी द्विपक्षीय वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। पिछली बार यह कारनामा 1983 में ज्योफ हॉवर्थ की कप्तानी में हुआ था।

वेलिंगटन में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड पहले बल्लेबाजी करते हुए 40.2 ओवर में 222 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड की ओर से जेमी ओवर्टन ने 68 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान जोस बटलर ने 38 रन जोड़े। न्यूजीलैंड की तरफ से ब्लेयर टिकनर ने चार और जैकब डफी ने तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी तहस-नहस कर दी। इंग्लैंड की टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी, जो उनके वनडे फॉर्म को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने शानदार शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे और रचिन रविंद्र ने पहले विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी की। कॉनवे 44 गेंदों में 34 रन बनाकर रन आउट हुए, जबकि रविंद्र 46 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद कीवी टीम को झटके तो लगे, लेकिन कप्तान मिचेल सैंटनर (27 रन) और डेरिल मिचेल (68 गेंदों में 44 रन) ने टीम को संभाल लिया।

आखिरी ओवरों में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने वापसी की कोशिश की, लेकिन न्यूजीलैंड के निचले क्रम ने धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए 44.4 ओवर में आठ विकेट पर 226 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली। इंग्लैंड के लिए जेमी ओवर्टन और सैम करन ने दो-दो विकेट झटके, पर टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे।

महिला वर्ल्ड कप 2025 : खिताब और रिकॉर्ड दोनों पर भारत की नजरें

नई दिल्ली । भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें रविवार, 2 नवंबर को आईसीसी वुमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में आमने-सामने होंगी। यह ऐतिहासिक मुकाबला नवी मुंबई के डी वाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम के पास तीसरी बार फाइनल में पहुंचने के बाद अपना पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। इससे पहले भारत ने 2005 और 2017 में फाइनल तक का सफर तय किया था, लेकिन दोनों बार खिताब से चूक गया था।

इस बार टीम इंडिया को फाइनल तक पहुंचाने में दो खिलाड़ियों स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा की भूमिका बेहद अहम रही है। मंधाना ने टूर्नामेंट में लगातार रन बनाकर शीर्ष क्रम को मजबूती दी, जबकि दीप्ति शर्मा ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से टीम को कई अहम मौकों पर जीत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के पास फाइनल मुकाबले में व्यक्तिगत रिकॉर्ड अपने नाम करने का भी शानदार मौका है।

अब तक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने बनाए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 67.14 की शानदार औसत से 470 रन जुटाए हैं। वहीं, स्मृति मंधाना 389 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। दोनों के बीच 81 रन का अंतर है, और अगर फाइनल में लौरा वोल्वार्ड्ट बड़ी पारी नहीं खेल पातीं, तो मंधाना के पास उनसे आगे निकलने और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनने का सुनहरा मौका होगा।

रन बनाने वाली शीर्ष 5 बल्लेबाजों की सूची इस प्रकार है-

लौरा वोल्वार्ड्ट - 470 रन
स्मृति मंधाना - 389 रन
एश्ले गार्डनर - 328 रन
प्रतिका रावल - 308 रन
फीबी लिचफील्ड - 304 रन

वहीं गेंदबाजी में भारत की दीप्ति शर्मा और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड 17-17 विकेट लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम फाइनल में जगह नहीं बना पाई, इसलिए अब दीप्ति के पास अकेले नंबर-1 बनने का शानदार अवसर है। अगर वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ कम से कम एक विकेट लेती हैं, तो वह वर्ल्ड कप 2025 की सबसे सफल गेंदबाज बन जाएंगी।

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची इस प्रकार है-

एनाबेल सदरलैंड - 17
दीप्ति शर्मा - 17
सोफी एक्लेस्टोन - 16
अलाना किंग - 13
श्री चरणी - 13

डी वाई पाटिल स्टेडियम में होने वाला यह फाइनल न सिर्फ खिताब के लिए बल्कि कई व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स के लिहाज से भी बेहद रोमांचक साबित होने वाला है। भारत की निगाहें इस बार इतिहास रचने पर हैं पहला वर्ल्ड कप खिताब और शीर्ष रन-गेटर व विकेट-टेकर दोनों का गौरव हासिल करने पर।

अत्याधिक गरीबी से मुक्त राज्य बना केरल, सीएम ने की विधानसभा में घोषणा

विपक्ष ने पिनाराई सरकार के दावे को धोखाधड़ी बताया, सदन से किया बॉयकॉट

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को विधानसभा में राज्य ने अत्यधिक गरीबी से मुक्त होने की औपचारिक घोषणा की। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार का दावा है कि केरल ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।

पिनाराई सरकार ने राज्य से अत्यधिक गरीबी हटाने के लिए 2021 में अत्यधिक गरीबी उन्मूलन परियोजना शुरू की थी। इसके तहत 64,006 परिवारों की पहचान की गई थी। सरकार का दावा है कि चार सालों में इन परिवारों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाल लिया गया है। केरल सीएम पिनाराई ने 25 अक्टूबर को एक्स पर कहा था कि राज्य अत्यधिक गरीबी से मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को केरल पिरवी या स्थापना दिवस के अवसर पर विधानसभा के विशेष सत्र में वह इसकी घोषणा करेंगे।

उन्होंने कहा था कि 1,000 करोड़ से ज्यादा के निवेश के साथ, राज्य सरकार ने अत्यधिक गरीबी से जूझ रहे परिवारों को हर रोज खाना, स्वास्थ्य सेवाएं, घर, जरूरी दस्तावेज जैसे राशन

कार्ड, आधार, पेंशन और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने पिनाराई सरकार के दावे को धोखाधड़ी करार दिया है। विपक्ष ने सरकार के विरोध में शनिवार को विशेष सत्र का बहिष्कार किया। जैसे ही विधानसभा का विशेष सत्र शुरू हुआ, सभी विपक्षी विधायक सदन से बाहर चले गए। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि नियम 300 के तहत मुख्यमंत्री का बयान गलत और सदन के नियमों के खिलाफ है।

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि हम केवल वही कहते हैं जो हम लागू कर सकते हैं। हमने जो कहा था, उसे लागू किया है। विपक्षी नेता को यही हमारा जवाब है। अत्यधिक गरीब लोगों की आय रोजाना 257 से कम वर्ल्ड बैंक की जून 2025 की परिभाषा के तहत जिन लोगों की आय प्रतिदिन तीन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 257 से कम हैं, उन्हें अत्यधिक गरीब माना जाता है। पहले यह सीमा 2.15 डॉलर करीब 178 प्रतिदिन थी।

वर्ल्ड बैंक की 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पिछले 11 सालों में करीब 269 मिलियन यानी 26.9 करोड़ अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। 2011-12 में देश की अत्यधिक गरीबी दर 27.1फीसदी थी, जो 2022-23 में घटकर सिर्फ 5.3फीसदी रह गई है। 2011-12 में देश में 344.47 मिलियन यानी 34.4 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन यानी 7.5 करोड़ हो गई। ग्रामीण भारत में अत्यधिक गरीबी दर 18.4फीसदी से घटकर 2.8फीसदी हो गई, और शहरी क्षेत्रों में यह 10.7फीसदी से घटकर सिर्फ 1.1फीसदी रह गई।

केरल ने मानवीय गरिमा को गरीबी का आधार बनाया केरल सरकार के मुताबिक, राज्य को अत्यंत गरीबी से बाहर निकालने की शुरुआत 2021 में हुई। सरकार ने इसके लिए भोजन, आय, स्वास्थ्य और आवास को आधार बनाया और इसे 'मानवीय गरिमा' नाम दिया। इसमें सामाजिक संगठनों की मदद ली गई।

राज्य सरकार ने 1300 सर्वेयर की टीम 14 जिलों में उतारीं, जिनके परिवारों के पास भोजन, स्वास्थ्य, आय और आवास नहीं थे, उन्हें चुनने का टास्क दिया गया। वार्डों डिवीजनों से भागीदारी नामांकन, उप-समितियों द्वारा शॉर्ट लिस्टिंग, एक मोबाइल एप का इस्तेमाल करके साक्षात्कार और ग्राम सभाओं द्वारा अंत तक अंतिम सत्यापन किया गया। टीमों ने ग्राम सभाओं, फोकस ग्रुप डिस्कशन में ऐसे 1,03,099 लोगों को खोज निकाला। 81फीसदी ग्रामीण इलाकों में रहते थे। 68फीसदी अकेले जी रहे थे। 24फीसदी को स्वास्थ्य समस्याएं, 21फीसदी को भोजन और 15फीसदी को घर की कमी थी।

सख्त निगरानी के साथ सामाजिक ऑडिट शुरू हुआ। केरल में 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए। शुरुआत कोट्टायम जिले के 978 माइक्रो प्लान से की गई थी। लोगों की जरूरत के मुताबिक उनकी मदद की गई। इसकी सख्त मॉनिटरिंग की गई। हर पैसे और मदद का हिसाब लिया गया।

फेफड़ा फटे, पसलियां टूटीं इंटर्नल ब्लीडिंग हुई दुलारचंद यादव की मौत

पटना। बिहार के मोकामा में जन सुराज के समर्थक दुलारचंद यादव की मौत से पर्दा उठ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक उनकी मौत फेफड़ा फटने और सीने की कई पसलियां टूटने के कारण हुई। ये चोटें इतनी गंभीर थीं कि इंटर्नल ब्लीडिंग हुई, जिससे उनकी मौत हो गई। दुलारचंद यादव के सीने पर जोरदार प्रहार या भारी दबाव पड़ा, जिससे उनकी पसलियां टूट गईं और फेफड़े में गंभीर चोट पहुंची। मीडिया रिपोर्ट में पीएम रिपोर्ट के मुताबिक शरीर पर कई जगह गहरे घाव और खून जमने के निशान मिले हैं। फेफड़े फटे हुए मिले, जिससे रक्तस्राव हुआ। छाती की कई पसलियां टूटी पाई गईं, खासकर दाहिनी ओर। रीढ़ की हड्डी के पास भी चोटों के निशान मिले। सिर, घुटने, टखने और पीठ पर गहरे जख्म और चोटें पाई गईं हैं। इसके साथ दाहिने पैर के पास फायरआर्म इंजरी का जिक्र यानी गोली लगने के निशान हैं। कई जगहों पर अब्रेशन और लैसेरेटेड वूंड्स मिले। डॉक्टरों के मुताबिक मौत का कारण कार्डियो-पल्मोनरी फेल्योर विद ब्लंट इंजरी टू चेस्ट एंड हेड, यानी छाती और सिर पर जोरदार चोटों व फेफड़े फटने से हृदय और सांस प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया था। बता दें मोकामा के घोसवरी थाना क्षेत्र के तारतार गांव में जन सुराज समर्थक दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक हमलावरों ने पहले उनके पैर में गोली मारी और फिर उन पर गाड़ी चढ़ा दी। घटना के पीछे चुनावी रंजिश की बात सामने आई है। दुलारचंद यादव पूर्व में मोकामा विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुके थे। दुलारचंद इस बार जन सुराज से जुड़े थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। मृतक के पोते ने जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह पर हत्या की साजिश रचवाने का आरोप लगाया, जबकि अनंत सिंह ने घटना के लिए दूसरे प्रत्याशी सूरजभान सिंह के गुट को जिम्मेदार बताया। दुलारचंद यादव की हत्या और उनकी शव यात्रा में भड़की हिंसा के बाद एफआईआर पंडारक थाने में दर्ज की गई है। यह शिकायत आरजेडी प्रत्याशी वीणा देवी के समर्थकों ने दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि शव यात्रा में पंडारक इलाके में उनके काफिले पर हमला किया गया और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। इस मामले में सुमित, सोनू और गोलू को आरोपी बनाया है।

जब दुलारचंद यादव की शव यात्रा गांव से निकल रही थी, तभी पंडारक बाजार के पास माहौल अचानक बिगड़ गया। भीड़ में पत्थरबाज़ी, गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट की स्थिति बन गई। इसी दौरान वीणा देवी के समर्थकों का काफिला निशाना बना, जिसके चलते स्थिति पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद कंट्रोल से बाहर हो गई। मोकामा हत्याकांड को लेकर तीन एफआईआर भदौर थाने में दर्ज हो चुकी है। पहली एफआईआर में मृतक दुलारचंद यादव के पोते नीरज कुमार ने दर्ज कराते हुए अनंत सिंह, उनके भतीजे राजवीर और कर्मवीर, साथ ही छोटन सिंह और कंजय सिंह को नामजद किया। वहीं दूसरी एफआईआर अनंत सिंह के समर्थक जितेंद्र कुमार ने दर्ज कराई, जिसमें जन सुराज प्रत्याशी प्रियदर्शी पियूष, लखन महतो, बाजो महतो, नीतीश महतो, ईश्वर महतो और अजय महतो को आरोपी बनाया गया है। तीसरी एफआईआर पुलिस की ओर से दुलारचंद यादव की हत्या के आरोप में स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज की गई। अब चौथी एफआईआर पंडारक थाने में दर्ज है, जो वीणा देवी के काफिले पर हमले से जुड़ी है।

भारत की सैन्य रणनीति के नए युग की शुरुआत है ऑपरेशन सिंदूर- कर्नल सोफिया

नई दिल्ली। भारतीय सेना में कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैन्य रणनीति के नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने इसे मल्टी-डोमेन प्रिसीजन वॉरफेयर का जीवंत प्रमाण करार दिया। मानेकशॉ सेंटर में आयोजित चाणक्य डिफेंस डायलॉग- यंग लीडर्स फोरम में बोलते हुए कर्नल कुरैशी ने याद दिलाया कि 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया। यह जवाबी कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के विरुद्ध थी। उन्होंने इसे थल, वायु और नौसेना के संयुक्त प्रयास, तकनीकी श्रेष्ठता और आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

कर्नल ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान ने सैन्य मोर्चे के साथ-साथ इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर भी छेड़ी। अतः युवाओं को डिजिटल साक्षरता बढ़ानी होगी और फेक न्यूज, दुष्प्रचार से सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, आप केवल फायरपावर में नहीं, फायरवॉल्स में भी प्रशिक्षित हैं। आज युद्ध गोलियों से नहीं, बाइट्स और बैंडविड्थ से लड़ा जाता है।कर्नल ने जोर दिया कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम है यह युवा ऊर्जा देश की सबसे बड़ी सामरिक संपदा है। भारतीय सेना एआई, साइबर टेक्नोलॉजी में युवाओं को प्रशिक्षित कर रही है। आईआईटी, डीआरडीओ और अन्य संस्थानों के साथ साझेदारी चल रही है। चाहे सेना हो या शिक्षा, डिजाइन, टेक्नोलॉजी, प्रयास, नवाचार और संकल्प ही सफलता दिलाते हैं। कर्नल कुरैशी की प्रेरक वाणी ने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और रक्षा क्षेत्र में युवाओं की निर्णायक भूमिका पर नई रोशनी डाली।ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल आतंक के खिलाफ दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई, बल्कि डिजिटल युग के युद्ध में भारत की तैयारी को भी विश्व पटल पर स्थापित किया। यह संदेश स्पष्ट है भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में है। उन्होंने याद दिलाया कि 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया था। यह कदम 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में उठाया गया।कर्नल के अनुसार, यह कार्रवाई तीनों सेनाओं की तालमेल, तकनीकी तैयारी और आत्मनिर्भर सैन्य क्षमताओं का महत्वपूर्ण उदाहरण है। कर्नल कुरैशी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम है और यह युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी है।

पटना में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा रोड शो

पटना,। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आज रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पटना में एक बड़ा रोड शो करेंगे। 2.8 किलोमीटर का यह रोड शो शाम 4 बजे कदमकुआं के दिनकर चौक से शुरू होकर नाला रोड, ठाकुरवाड़ी रोड, बारीपथ और बाकरगंज होते हुए उद्योग भवन तक जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल भी रोड शो में शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस रोड शो में लाखों की भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी पार्टी कार्यकर्ताओं, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और जिला इकाइयों को दी गई है। पटना में जगह-जगह होर्डिंग, बैनर और पीएम मोदी के कटआउट लगाए गए हैं।

जेन जी के युवा जल्दी-जल्दी बदलते हैं ब्रांड

विश्वसनीय ग्राहक के रूप में पहचान नहीं

मुंबइ। 1997 से 2012 के बीच में जन्मे युवा एक अच्छे ग्राहक नहीं माने जाते हैं। कंपनियों का मानना है, यह जल्दी-जल्दी अपने ब्रैंड को बदल देते हैं। जिसके कारण इनके ऊपर विश्वास नहीं किया जा सकता है। इसके पहले की जो पीढ़ी थी। वह एक बार जिस ब्रांड को पसंद कर लेती थी। लंबे समय तक उसका इस्तेमाल करती थी।

जेन जी की युवा पीढ़ी अपने आप को जल्द से जल्द बदल लेती है। भारत में इसकी आबादी 37.7 करोड़ है। भारत की एक चौथाई आबादी किसी भी चीज से जुड़कर ज्यादा समय तक अपने आप को नहीं रख पाती है। सामान के साथ-साथ रिश्तों को लेकर भी यही आदत जेन जी के युवाओं में देखने को मिल रही है। आधुनिक तकनीकी और तरह-तरह के ब्रांड इस्तेमाल करने का इस पीढ़ी को एक अलग तरह का शौक है। यह बहुत कम समय में सभी चीजों को जान लेना चाहते हैं। किसी एक चीज से जुड़कर रहना इनका शगल नहीं है। जिसके कारण कंपनियों को अपने उत्पाद में बार-बार बदलाव करना पड़ रहा है। जिसके कारण कंपनियों की लागत लगातार बढ़ रही है तथा मुनाफा कम ज्यादा होता रहता है।

भारत में मोदी सरकार अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की नीति अपना रही- ममदानी

राज्यसभा सांसद बोलीं- क्या ममदानी की स्क्रिप्ट पन्नू लिख रहा?

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के डेमोक्रेट उम्मीदवार जोहरान ममदानी ने एक गुरुद्वारे में पीएम मोदी के खिलाफ विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि मोदी और भारत सरकार अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की नीति अपना रही है।

ममदानी ने कहा कि मेयर एरिक एडम्स ने शहर में रहना बेहद महंगा कर दिया है और साथ ही पीएम मोदी और भारत सरकार से नजदीकी बढ़ाई है, जो हमारी कम्युनिटी के खिलाफ हिंसा की नीति अपनाती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क के लोग किसे मेयर चुनते हैं, यह हमारा मामला नहीं है, लेकिन जोहरान ने गुरुद्वारे में जो कहा वह परेशान करने वाला है। उन्होंने सवाल उठाया कि ममदानी की स्क्रिप्ट कौन लिख रहा है? गुरपतवंत सिंह पन्नू? ये पहली बार नहीं है जब ममदानी इस तरह के विवाद में आए। कुछ दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ममदानी पर इस्लामिक कट्टरपंथी का करीबी होने का आरोप लगाया था।

बता दें ममदानी 18 अक्टूबर को ब्रुकलिन के इमाम सिराज वहाज के साथ हंसते और फोटो खिंचाते दिखाई दिए थे। वहाज पर 1993 के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर बमबारी करने का साजिश रचने और मुसलमानों को जिहाद के लिए उकसाने का आरोप है। ये अनर्थ हो रहा है। कितनी शर्म की बात है कि सिराज वहाज जैसा शख्स ममदानी का समर्थन कर रहा है और उसके साथ दोस्ती निभा रहा है। इसने ही वर्ल्ड ट्रेड सेंटर को उड़ा दिया था।

बता दें जोहरान ममदानी भारतीय-अमेरिकी फिल्ममेकर मीरा नायर के बेटे हैं। ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ, लेकिन अमेरिका में पले-बढ़े हैं। कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद साल 2018 में जोहरान को अमेरिका की नागरिकता मिल गई थी। उन्होंने क्वींस और ब्रुकलिन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों के लिए काम करके राजनीति सीखी। दो साल बाद, 2020 में वे पहली बार न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के चुनाव में क्वींस के एस्टोरिया से जीते थे। वे क्वींस के एस्टोरिया और आसपास के इलाकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट के तौर पर उन्होंने एक पायलट प्रोग्राम शुरू किया है। इस प्रोग्राम के तहत शहर की कुछ बसें एक साल के लिए मुफ्त कर दी गई हैं। उन्होंने एक कानून भी प्रस्तावित किया। इस कानून के तहत गैर-लाभकारी संस्थाओं को इजराइली बस्तियों का समर्थन करने से रोका जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक जोहरान ममदानी के मेयर बनने की संभावना 96फीसदी है। उनका सबसे बड़ा मुकाबला एंड्र्यू क्यूमो हैं, जिनके जीतने के चांस 4फीसदी हैं। ममदानी ने जून में हुए पहले राउंड में क्यूमो को हरा दिया था। उसके बाद से उनकी ताकत बढ़ती गई। लोग उन्हें पसंद कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने किराया कम करने, बस सर्विस फ्री करने, सस्ती दुकानें खोलने और अमीरों पर ज्यादा टैक्स लगाने का वादा किया है। युवा, गरीब और अल्पसंख्यक वर्ग उनका साथ दे रहे हैं। बर्नी सैंडर्स जैसे बड़े नेता भी उनका समर्थन कर रहे हैं।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में 85वें स्थान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली। भारत का पासपोर्ट दुनिया में लगातार कमजोर स्थिति में बना हुआ है। ताजा हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत का स्थान 199 देशों में 85वां है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5 पायदान नीचे है।

यह रैंकिंग यह दर्शाती है कि भारतीय पासपोर्ट धारकों को कितने देशों में वीजा-फ्री या ऑन-अराइवल वीजा की सुविधा प्राप्त है। वर्तमान में भारतीय नागरिक केवल 57 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। यह स्थिति अफ्रीकी देश मॉरिटानिया के समान है, जो भारत के साथ 85वें स्थान पर है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत जैसी विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के बावजूद उससे छोटे देशों जैसे अज़रबैजान (72वां), घाना (74वां) और रवांडा (78वां) की पासपोर्ट रैंकिंग बेहतर है। पिछले दशक में भारत की स्थिति ज्यादातर 80 से 90 के बीच रही है। वर्ष 2021 में यह 90वें स्थान तक गिर गई थी। इसके विपरीत, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और जापान लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं। इस साल सिंगापुर ने 193 देशों में वीजा-फ्री पहुंच के साथ पहला स्थान बरकरार रखा है, जबकि दक्षिण कोरिया 190 देशों के साथ दूसरे और जापान 189 देशों के साथ तीसरे स्थान पर है।

दक्षिण एशिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की स्थिति सबसे खराब बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान 103वें स्थान पर है, जिसके नागरिक केवल 35 देशों में वीजा-फ्री या ऑन-अराइवल सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। वहीं अफगानिस्तान दुनिया में सबसे नीचे, यानी 106वें स्थान पर है, जिसके पासपोर्ट पर केवल 29 देशों में ही वीजा-फ्री प्रवेश मिलता है।

भारत सरकार ने इस रिपोर्ट पर अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की विदेश नीति, सुरक्षा चिंताएं और कड़े वीजा मानक इस कमजोर रैंकिंग के प्रमुख कारण हैं। उनका मानना है कि भारत को अपने वैश्विक साझेदारों के साथ वीजा सहयोग बढ़ाने और पासपोर्ट की अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

मुंबई हवाई अड्डे पर 47 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, महिला समेत 5 लोग गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बड़े पैमाने पर अवैध सोना, कीमती सामान और ड्रग्स, कोकीन आदि की तस्करी हो रही है। अक्सर कस्टम इस तस्करी को नाकाम कर देती है। इस बीच राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की मुंबई क्षेत्रीय इकाई ने ड्रग्स की तस्करी के खिलाफ एक बड़े अभियान में 47 करोड़ रुपये मूल्य का कोकीन जब्त किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक महिला यात्री से लगभग 4.7 किलोग्राम कोकीन जब्त किया गया है। इस कोकीन का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य 47 करोड़ रुपये आंका गया है। बताया गया है कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई के अधिकारियों ने कोलंबो से मुंबई आई एक महिला यात्री को हवाई अड्डे पर रोका। उसके सामान की जाँच करने पर, कॉफी पाउडर के नौ पैकेटों में सफेद रंग का पदार्थ छिपा हुआ पाया गया। एनडीपीएस फील्ड टेस्ट किट से जाँच करने पर पता चला कि वह कोकीन है। इस कार्रवाई के तुरंत बाद, कोकीन प्राप्त करने वाले व्यक्ति को भी हवाई अड्डे पर जाल बिछाकर गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जाँच के दौरान, इस तस्करी गिरोह में शामिल तीन और लोगों को भी गिरफ्तार किया गया, जो इन ड्रग्स के वित्तपोषण, रसद, संग्रह और वितरण में शामिल थे। इस प्रकार, इस मामले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत कुल पाँच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आगे की जाँच कर रही है।

महाराष्ट्र में एमवीए को अनुमति नहीं मिली, फिर भी मार्च निकालने पर अड़े विपक्षी नेता

मुंबई,। आज एक नवंबर को एमवीए यानी विपक्षी दलों का मार्च निकलना था। इसके लिए प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। इसके बाद भी विपक्षी दल के नेता मार्च निकालने पर अड़े हुए हैं। इस मार्च में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट), मनसे, राकांपा (शरद पवार गुट), कांग्रेस और कई अन्य दल शामिल होंगे। विपक्ष का यह मार्च आज दोपहर 1 बजे शुरू होगा। पुलिस ने कानून-व्यवस्था की चिंताओं की वजह से इस विरोध प्रदर्शन के लिए अनुमति देने से इनकार किया है।

मुंबई पुलिस ने महाविकास अघाड़ी द्वारा आज आयोजित होने वाली रैली को अनुमति देने से मना कर दिया है,यह रैली मतदाता सूची में संभावित गड़बड़ियों के खिलाफ थी, जिसमें उद्धव ठाकरे, शरद पवार और राज ठाकरे शामिल होने वाले थे। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारि ने स्पष्ट किया है कि रैली के लिए अनुमति नहीं दी गई है। यदि यह मार्च बिना अनुमति के आयोजित किया जाता है,तो इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है।महाराष्ट्र के विपक्षी दलों की तरफ से 1 नवंबर 2025 को मुंबई में एक बड़ा संयुक्त विरोध का सत्य मार्च बुलाया है। इस मार्च को इसलिए बुलाया गया है ताकि चुनाव आयोग की 'ढीली और गड़बड़ प्रक्रिया को सबके सामने लाया जा सके। खासकर वोटर लिस्ट में करीब 1 करोड़ फर्जी या डुप्लिकेट नामों को हटाने की मांग को लेकर किया जा रहा है। उनका कहना है कि ये फर्जी वोटर लोकल बॉडी इलेक्शन (नगर निगम आदि) को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए चुनाव होने से पहले लिस्ट साफ होनी चाहिए। फिर भी कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (शरद पवार) और मनसे के नेताओं और कार्यकर्ताओं की तरफ से ये साफ किया गया है कि इसके लिए प्रदर्शन करेंगे। ये मार्च मेट्रो सिनेमा से शुरू होकर महापालिका मार्ग होते हुए आजाद मैदान तक जाएगा। पुलिस ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए 350 जवान, 70 अधिकारी और राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) की चार प्लाटून तैनात की हैं। एसआरपीएफ की हर प्लाटून में लगभग 20 जवान होते हैं, जिससे मैदान पर कुल एसआरपीएफ अधिकारियों की संख्या लगभग 80 हो जाती है। यातायात विभाग ने विरोध प्रदर्शन के रास्तों पर भीड़भाड़ को कंट्रोल करने के लिए कई विशेष टीमों को भी तैनात किया है। विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन को 'लोकतांत्रिक अधिकार'बताया है। अनुमति न मिलने के बावजूद, विपक्षी दलों ने विरोध प्रदर्शन करने के अपने 'लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करने की कसम खाई है।

बालाघाट
रविवार 02 नवम्बर 2025

पद्मेश न्यूज शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

समय पर उपस्थित नहीं पाये जाने पर 04 चिकित्सको को कारण बताओ नोटिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने जिला चिकित्सालय के चार डाक्टर्स को नियत समय पर अस्पताल में उपस्थित नहीं पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है और उन्हें 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा है। सिविल सर्जन डॉ निलय जैन द्वारा 31 अक्टूबर को जिला चिकित्सालय का प्रात: 10.30 बजे राउंड लेने पर पाया गया कि डॉ नितेन्द्र रावतकर, डॉ अंकित राणा, डॉ डेनिला उईके एवं डॉ गीता बोकड़े ओपीडी में उपस्थित नहीं थे और उनके कक्ष के बाहर मरीजों की कतार लगी थी। इन डाक ?टर्स का यह आचरण कदाचरण की श्रेणी में होने के कारण उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर उन्हें 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। इसी प्रकार डॉ अनुप तिलगाम द्वारा सर्जरी के दो मरीजों की फिट/अनफिट की रिपोर्ट नहीं दी जा रही है और कहा जा रहा है कि रिपोर्ट डा अंकित राणा और डॉ गीता बोकड़े देंगे। डॉ गीता बोकड़े द्वारा कहा जा रहा है कि फिट/अनफिट की रिपोर्ट डॉ अंकित राणा और डॉ तिलगाम देंगें। फिट/अनफिट की रिपोर्ट नहीं मिलने के कारण दोनों मरीजों की सर्जरी में विलंब हो रहा है। इस पर डॉ अनुप तिलगाम एवं डॉ गीता बोकड़े को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

ऑटो मोटरसाइकिल से टकराई; दो सगे भाई घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम बिटोड़ी में वारासिवनी रोड पर तेज रफ़्तार ऑटो मोटरसाइकिल से टकरा गई।इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार दो सगे भाई घायल हो गए। दोनो घायल दीपक पिता किशनलाल टेम्भरे 30 वर्ष और डेलीराम पिता किशन लाल टेम्भरे 35 वर्ष दोनों ग्राम नवेगांव तीन थाना रामपायली निवासी है।

दोनों भाई को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक टेम्भरे और डेलीराम टेम्भरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 1 नवंबर को दीपक टेम्भरे अपने बड़े भाई डेलीराम टेम्भरे के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव नवेगांव तीन से किसी काम से वारासिवनी जा रहे थे। मोटरसाइकिल डेलीराम टेम्भरे चला रहा था नवेगांव से वारासिवनी रोड पर स्थित ग्राम बिटोड़ी के पास, सामने से तेज रफ्तार से आ रही ऑटो मोटरसाइकिल से टकरा गई।ऑटो की जबरदस्त होकर से मोटरसाइकिल में सवार दीपक टेम्भरे और उसका भाई डेलीराम टेम्भरे घायल हो गए। घायल दोनों भाई को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। दोनों भाई को बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मुंबई पुलिस का भय दिखाकर साईबर ठगों ने रची थी साजिश

सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी की जागरूकता से असफल हुई ठगी का प्रयास

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज, बालाघाट।

जिले में लगातार चल रही साइबर जागरूकता अभियानों के बावजूद साइबर ठगों द्वारा भोली-भाली जनता को ठगी का शिकार बनाने की कोशिशें जारी हैं। ऐसा ही एक मामला किरनापुर क्षेत्र से सामने आया है, जहाँ एक कृषि विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी को ठगों ने बड़े ही विश्वास में लेकर ठगी का निशाना बनाने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, साइबर ठगों ने अधिकारी और उनकी पत्नी को वीडियो कॉलिंग के माध्यम से फसाने की कोशिश की। कॉल के दौरान ठगों ने उन्हें भ्रमित करते हुए लगभग 15 से 20 मिनट तक वीडियो कॉल में व्यस्त रखा। इस दौरान ठग किसी तरह से उनके मोबाइल या बैंकिंग जानकारी तक पहुँचने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि अधिकारी कृषि विभाग से जुड़े होने के कारण पहले से ही साइबर ठगी के तरीकों से परिचित और सतर्क थे। उन्होंने ठगों के व्यवहार और कॉलिंग पैटर्न को देखते हुए तुरंत समझ लिया कि यह एक साइबर जाल है। इसके बाद उन्होंने ठगों की किसी भी बात में विश्वास नहीं किया और संपर्क समाप्त कर दिया। उनकी सूझबूझ और जागरूकता के चलते यह साइबर ठगी का प्रयास असफल हो गया। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि यदि आमजन साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें, तो वे

ठगों के जाल में फसने से बच सकते हैं।

किरनापुर क्षेत्र निवासी और कृषि विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी खिलाड़ी बिसेन को साइबर ठगों ने बड़े ही विश्वास में लेकर ठगी का निशाना बनाने की कोशिश की। हालांकि उनकी सतर्कता और जागरूकता के चलते यह साइबर ठगी असफल रही। खिलाड़ी बिसेन ने बताया कि 1 नवंबर को उन्हें एक अनजान नंबर से फोन कॉल प्राप्त हुआ। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को एक सरकारी अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके नाम पर एक मोबाइल सिम रजिस्टर है, जी पर 15 से 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह कॉल वेरिफिकेशन प्रक्रिया के लिए किया जा रहा है और वह अपने卐वरिष्ठ अधिकारियों से बात करवाएंगे। इसके बाद फोन तथाकथित वरिष्ठ अधिकारी को दे दिया गया। बातचीत के दौरान ठगों ने बताया कि कॉल मुंबई पुलिस थाने से की जा रही है और वीडियो कॉल के जरिए अधिकारी वर्दी में दिखाई भी दे रहे थे। वीडियो कॉल में उन्हें विश्वास में लेने के लिए एक नकली पुलिस थाने का माहौल दिखाया गया। खिलाड़ी बिसेन ने बताया कि वीडियो कॉल के दौरान उन्हें कहा गया कि वे एक कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर लें ताकि कोई बाधा न हो, और वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू हो सके। जब ठगों ने उनसे आधार कार्ड नंबर और अन्य व्यक्तिगत जानकारी मांगनी शुरू की, तो बिसेन को तुरंत समझ आ गया कि यह एक साइबर फ्रॉड का मामला है। उन्होंने तुरंत ठगों से कहा कि वे किसी भी दस्तावेज़ की जानकारी साझा नहीं करेंगे और इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस थाना और साइबर शाखा में करेंगे। इसके बाद ठगों ने कॉल काट दिया। खिलाड़ी बिसेन ने तत्परता दिखाते हुए इस घटना की शिकायत कोतवाली स्थित साइबर शाखा में दर्ज कराई और ठगी में प्रयुक्त नंबर उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि उन्हें जिले में चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियानों से पहले ही ऐसी घटनाओं की जानकारी थी, जिससे एक बड़ी ठगी टल गई। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे किसी भी अनजान नंबर से आने वाले फोन, लिंक या वीडियो कॉल पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और ऐसी किसी भी संदिग्ध कॉल की सूचना तुरंत साइबर शाखा को दें।

चलती मोटरसाइकिल से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

जिले की रूपझर थाना अंतर्गत सोनगुड्डा रोड पर स्थित लाल घाटी के पास एक व्यक्ति चलती मोटरसाइकिल से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना चलती मोटरसाइकिल के पिछले चक्के कंबल फसने से हुई। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति आशीष पिता अमृतलाल कुपाले 35 वर्ष ग्राम खैरलांजी थाना कटंगी निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट से बेहतर उपचार हेतु हर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आशीष कुपाले ग्राम खैरलांजी थाना कटंगी निवासी सोनगुड्डा में विद्युत लाइन परिचालक के पद पर पदस्थ है। हाल ही में आशीष कुपाले में अपने घर खैरलांजी कटंगी आया हुआ था। 1 नवंबर को आशीष कुपाले मोटरसाइकिल में अपने घर खैरलांजी से सोनगुड्डा जाने निकला था। जिसके पास बेग के अलावा थैले में कंबल भी था और कंबल को उसने मोटरसाइकिल के पीछे चक्के के बाजू हुक में फंसा दिया

था। 4:00 करीब जब आशीष कुपाले मोटरसाइकिल में बिठली से सोनगुड्डा जा रहा था तभी लालघाटी में अचानक मोटरसाइकिल के पीछे लटक रहे थैले का कंबल मोटरसाइकिल के पीछे चक्के में फंसकर लपेटते चला गया और आशीष कुपाले चलती मोटरसाइकिल से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया ।बताया गया कि आशीष कुपाले ने हेलमेट ही पहना हुआ था किंतु हेलमेट सिर से छिटक गया था। खबर मिलते ही सोनगुड्डा से डायल 112 मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल बेहोश आशीष को सोनगुड्डा अस्पताल ले जाकर इलाज करवाये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आशीष कुपाले को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था जिला अस्पताल से भी आशीष कुपाले को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मनुस्मृति पर रोक की मांग हाई कोर्ट पहुंचे पूर्व विधायक समरिते

पदमेश न्यूज, बालाघाट।

प्राचीन हिंदू ग्रंथ मनुस्मृति को लेकर एक नई कानूनी बहस शुरू हो गई है। लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरीते ने इस ग्रंथ पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है। उनका तर्क है कि मनुस्मृति की विषयवस्तु जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता को प्रोत्साहित करती है, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 की भावना के विपरीत है। शुक्रवार को चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की बेंच में सुनवाई होना तय था। लेकिन, याचिकाकर्ता के वकील ही सुनवाई में शामिल नहीं हो सके। अगली सुनवाई दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी गई। याचिका के जरिए मनुस्मृति में समाज के विभिन्न वर्गों को बांटने का आरोप लगाया गया है। वहीं समाज में घृणा और वैमनस्यता फैलने का खतरा भी होने की जानकारी

शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर ने मनुस्मृति को जलाया था.जबकि उनके उनके कानून मंत्री रहते भी भारत सरकार ने इसपर प्रतिबंध नहीं लगाई. उनके अनुसार मनु ने मनुस्मृति का निर्माण 200 ईस्वी में किया था. इस तरह अब तक मनुस्मृति को चलन में आये 1852 वर्ष हो गए हैं. यानि तब से अब तक मनुस्मृति कानून के रूप में लागू है.जबकि देश की नीति और कानून का स्वरूप संविधान को बने केवल 78 वर्ष ही हुए हैं।

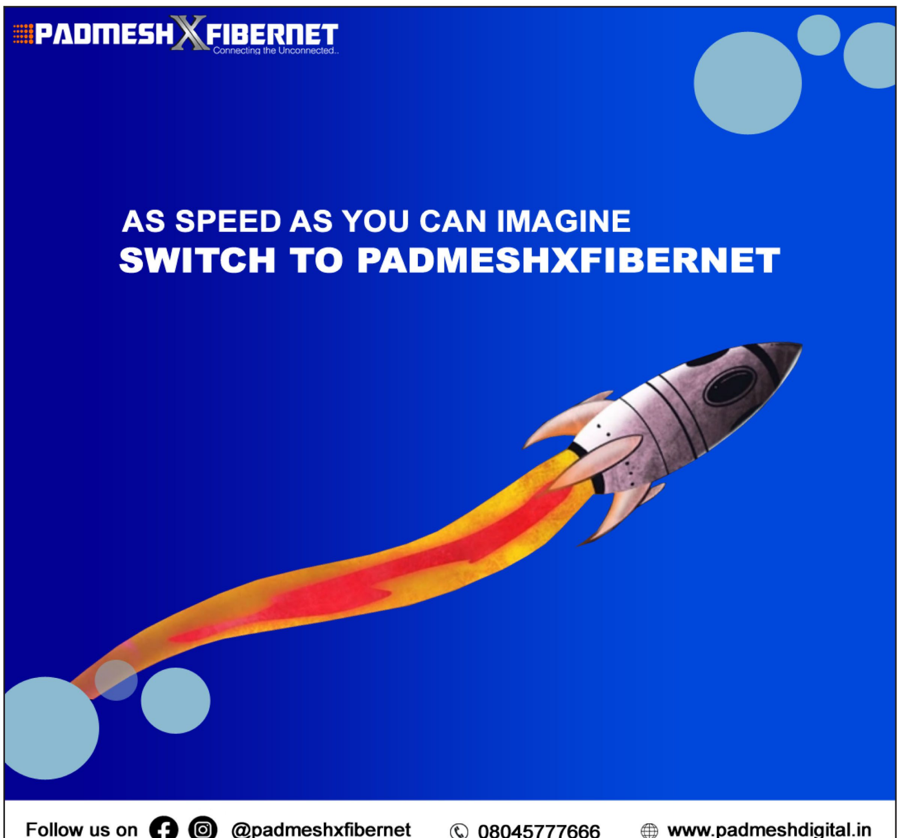

प्रखर बिसेन को मिला यूपीएससी रिज़र्व सूची 2024 में 112वां स्थान

पदमेश न्यूज, बालाघाट।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा वर्ष 2024 का परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग द्वारा 114 और अभ्यर्थियों की सिफारिश की गई है, जिनमें बालाघाट जिले के प्रखर बिसेन का नाम भी शामिल है। प्रखर का नाम प्रवीण सूची में 112वें स्थान पर रिजर्व सूची में रखा गया है। रिजल्ट घोषित होते ही प्रखर के परिवार और परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में प्रखर के माता-पिता ने बताया कि प्रखर ने सिविल सेवा परीक्षा के लिए लगातार छह प्रयास किए और छठे प्रयास में वर्ष 2024 में सफलता हासिल की। प्रखर ने अपनी प्राथमिक शिक्षा कटंगी और बालाघाट में प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ के भिलाई और धनबाद से बीटेक की पढ़ाई पूरी की और तत्पश्चात सिविल सेवा की तैयारी में जुट गए। वर्तमान में प्रखर रायपुर स्थित कर्मचारी भविष्य निधि विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनका नाम प्रवीण सूची में आने के बाद जिलेभर से बधाई और शुभकामनाओं का दौर जारी है।

सिविल सेवा परीक्षा वर्ष 2024 की रिजर्व सूची जारी कर दी है। इस सूची में 114 अभ्यर्थियों के नाम शामिल किए गए हैं, जिनमें शहर के वार्ड क्रमांक, 28 सरस्वती नगर निवासी प्रखर बिसेन का नाम प्रवीण सूची में 112वें स्थान पर रिजर्व में रखा गया है। प्रखर ने छठे प्रयास में यह सफलता हासिल की है। उनके माता-पिता दोनों ही शासकीय सेवाओं में पदस्थ हैं, माता रेखा बिसेन नवेगांव प्राथमिक शाला में शिक्षक, और पिता रुद्रकांत बिसेन विद्युत विभाग में संयंत्र सहायक के पद पर कार्यरत हैं। प्रखर ने अपनी प्राथमिक शिक्षा कटंगी से की, जबकि सातवीं से दसवीं तक बालाघाट के विवेक ज्योति स्कूल में पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल से 11वीं-12वीं की शिक्षा प्राप्त की। आगे चलकर उन्होंने जेईई मेंस परीक्षा उत्तीर्ण कर आईआईटी धनबाद से बी.टेक की डिग्री हासिल की। शिक्षा पूर्ण करने के बाद प्रखर को वर्ष 2017 में कोल माइंस इंडिया में नौकरी मिली, जहाँ उन्होंने वर्ष 2023 तक कार्य किया। इसी दौरान उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी जारी रखी, किंतु प्रारंभिक परीक्षा में कई बार अंकों के मामूली अंतर से चूक जाते थे। बाद में उन्होंने नौकरी छोड़कर पूर्ण रूप से तैयारी में लग गए। वर्ष 2024 की परीक्षा में प्रखर को सफलता मिली और उनका नाम रिजर्व सूची में शामिल हुआ। इस बीच उन्होंने दिल्ली में कोचिंग लेकर तैयारी को नई दिशा दी। वर्तमान में प्रखर रायपुर में कर्मचारी भविष्य निधि विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रखर के पिता रुद्रकांत बिसेन, जो मूलत: किरनापुर तहसील के ग्राम मर्री निवासी हैं, ने बताया कि यह उपलब्धि पूरे परिवार और प्रखर के मामा व अन्य परिजनों के सहयोग से संभव हुई है। उन्होंने कहा कि प्रखर का लक्ष्य आईपीएस बनना है और वह आगे भी तैयारी जारी रखेंगे। प्रखर की माता रेखा बिसेन ने कहा कि कई बार असफलता मिलने के बाद भी प्रखर ने हार नहीं मानी। हम सभी ने उन्हें हिम्मत दी और उन्होंने निरंतर प्रयास जारी रखे। प्रखर के परिवार ने बताया कि सफलता पाने के लिए धैर्य और लगन जरूरी है। वे अन्य अभ्यर्थियों से अपील करते हैं कि कुछ बार असफलता मिलने पर निराश न हों, बल्कि लगातार प्रयास करते रहें, क्योंकि सफलता निश्चित रूप से एक दिन मिलती है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट